रिपोर्ट

दिनांक-21/02/2024

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद

हिंदी विभाग द्वारा महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा पर विशेष सत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया।

गुरु नानक कॉलेज धनबाद के हिंदी विभाग द्वारा भूदा कैंपस के रूसा सेमिनार हॉल में 'छायावादी श्रृंखला के द्वितीय चरण में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्मदिवस पर 'महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा' विषय पर विशेष सत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन, दिनांक 21/02/24 को किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को छायावाद के चार स्तंभ - जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा और सुमित्रानंदन पंत के साहित्यिक अवदान से मुखातिब करना है, जिसे छायावादी श्रृंखला के रूप में हिंदी विभाग आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. वर्षा सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर प्रकाश डालते हुए भाषा की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद एवं सभी शिक्षकों ने महाप्राण निराला की छायाप्रति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया । हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सोनू प्रसाद यादव के द्वारा कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निराला द्वारा रचित माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। तत्पश्चात 'निराला-महात्मा गाँधी-संवाद', 'निराला-महादेवी वर्मा-संवाद' के मंचन सहित 'भिक्षुक', 'सरोज-स्मृति', 'मैं अकेला', 'वह तोड़ती पत्थर', आदि कविताओं का सुमधुर पाठ कर विद्यार्थियों ने निराला की विस्मयकारी जीवन-यात्रा को प्रस्तुत किया। 'बाँधों न नाव' कविता पर सुमधुर गान के साथ-साथ नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संपूर्ण कार्यक्रम का द्रष्टा बनकर प्रत्येक विधाओं के रूप में मंचित पात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा मार्गदर्शन करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस श्रृंखला को सराहते हुए आगामी सत्र को और उच्च स्तरीय प्रस्तुति की आशा प्रकट की। प्रो. अमरजीत सिंह (प्रो.इन-चार्ज-भूदा परिसर) ने बेगर-टेंशन और भिक्षुक कविता की तुलनात्मक विशेषता पर प्रकाश डाला। ऐसी प्रस्तुति को साहित्य की अमूल्य धरोहर कहा। विषय प्रवेश एवं धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिक रीति हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने पूर्ण की। मंच संचालन विभाग की प्राध्यापिका प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. डॉ. वर्षा सिंह, प्रो. अनुराधा कुमारी, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. सिमरन, प्रो. घनिष्ठा, प्रो. सुरभि, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो.

मनीषा कुमारी तथा अन्य शिक्षकेत्तरकर्मी सहित 200 की संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

Photo Gallery

गुरुनानक कॉलेज, धनबाद
A SIKH MINORITY DEGREE COLLEGE , AFFILIATED TO BBMK UNIVERSITY, DHANBAD NAAC ACCREDITED 'B' GRADE
छायावादी श्रृंखला -द्वितीय चरण
छायावादी श्रृंखला
महाप्राण निराला
की
विस्मयकारी यात्रा
आयोजकः- हिंदी विभाग
स्थान- भूदा परिसर
समय :- 12 :00 अपराह्न

धनबाद
BMK UNIVERSITY, DHANBAD
21/02/2024

गुरुनानक कॉलेज, धनबाद
छायावादी शृंखला - द्वितीय चरण
महाप्राण निराला
की
विस्मयकारी यात्रा

Press Media

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

धनबाद (कासं) : गुरु नानक कॉलेज धनबाद के हिंदी विभाग द्वारा भूदा कैम्पस के रूसा सेमिनार हॉल में 'छायावादी श्रृंखला के द्वितीय चरण में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्मदिवस पर 'महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा' विषय पर विशेष सत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन, बुधवार को किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को छायावाद के चार स्तंभ - जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा और सुमित्रानंदन पंत के साहित्यिक अवदान से मुखातिब करना है, जिसे छायावादी श्रृंखला के रूप में हिंदी विभाग आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. वर्षा सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर प्रकाश डालते हुए भाषा की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद एवं सभी शिक्षकों ने महाप्राण निराला की छायाप्रति पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सोनू प्रसाद यादव के द्वारा कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ निराला द्वारा रचित माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। तत्पश्चात 'निरालामहात्मा गाँधीसंवाद', 'निरालामहादेवी वर्मासंवाद' के मंचन सहित 'भिक्षुक', 'सरोजस्मृति', 'मैं अकेला', 'वह तोड़ती पत्थर', आदि कविताओं का सुमधुर पाठ कर विद्यार्थियों ने निराला की विस्मयकारी जीवनयात्रा को प्रस्तुत किया। 'बाँधों न नाव' कविता पर सुमधुर गान के साथसाथ नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संपूर्ण कार्यक्रम का द्रष्टा बनकर प्रत्येक विधाओं के रूप में मंचित पात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा मार्गदर्शन करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस श्रृंखला को सराहते हुए आगामी सत्र को और उच्च स्तरीय प्रस्तुति की आशा प्रकट की। प्रो. अमरजीत सिंह (प्रो.इनचार्जभूदा परिसर) ने बेगरटेंशन और भिक्षुक कविता की तुलनात्मक विशेषता पर प्रकाश डाला। ऐसी प्रस्तुति को साहित्य की अमूल्य धरोहर कहा। विषय प्रवेश एवं धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिक रीति हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने पूर्ण की। मंच संचालन विभाग की प्राध्यापिका प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. डॉ. वर्षा सिंह, प्रो. अनुराधा कुमारी, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. सिमरन, प्रो. धनिष्ठा, प्रो. सुरभि, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. मनीषा कुमारी तथा अन्य शिक्षकेत्तरकर्मी सहित २०० की संख्या में छात्रछात्राओं की उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

कैंपस 30S

गुरुनानक कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर उपस्थित शिक्षक व अन्य।

महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा पर मंचन

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज में हिन्दी विभाग की ओर से छायावादी श्रृंखला के द्वितीय चरण में बुधवार को सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्मदिन पर महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा विषय पर विशेष सत्र व अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन हुआ। डॉ वर्षा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर प्रकाश डालते हुए भाषा की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद व सभी शिक्षकों ने महाप्राण निराला की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। निराला-महात्मा गांधी-संवाद, निराला-महादेवी वर्मा-संवाद के मंचन समेत अन्य प्रस्तुति को सराहना मिली।

तीन नए कॉलेजों में भेजे गए दो-दो शिक्षक

धनबाद। नए डिग्री कॉलेज झरिया, गोमिया व टुंडी में बीबीएमकेयू प्रशासन ने दो-दो शिक्षकों व एक-एक शिक्षकेतरकर्मियों का पदस्थापन कर दिया है। इससे संबंधित आदेश बुधवार को विवि ने जारी कर दिया। कुलपति ने कहा कि उम्मीद है कि आने वाले समय में कॉलेजों को नीड बेस्ड शिक्षक भी मिल जाए।

क्रेडो वर्ल्ड स्कूल के बच्चों को मिले टिप्स

धनबाद। क्रेडो वर्ल्ड स्कूल के बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को मनोवैज्ञानिक डॉ अमिताभ मोहन ने बुधवार को कई टिप्स दिए। बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्य पर बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षकों के लिए सत्र के दौरान उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

एमबीबीएस पार्ट वन का परीक्षा फॉर्म 26 से

धनबाद। थर्ड प्रोफेशनल एमबीबीएस पार्ट वन 2023 (1) परीक्षा का फॉर्म 26 फरवरी से भर सकते हैं। बीबीएमकेयू ने जारी आदेश में कहा है कि परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 29 फरवरी है। परीक्षा शुरू होने की संभावित तिथि 12 मार्च है। परीक्षा शुल्क 5050 रुपए है।

इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

बलिदानियों को याद किया।

आयोजित करने की सूचना जारी की गई। विश्वविद्यालय से जारी सूचना

इसकी जान
संशोधित एड

निराला जयंती पर विशेष सत्र का आयोजन

जासं, धनबाद : गुरुनानक कालेज में छायावादी श्रृंखला के दूसरे चरण में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती के अवसर पर महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने निराला-गांधी संवाद, निराला-महादेवी वर्मा संवाद का मंचन किया।

प्राचार्य डा. संजय प्रसाद ने छात्रों को छायावाद के स्तंभ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा के साहित्यिक अवदान के बारे में बताया। इंग्लिश विभाग की डा. वर्षा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की प्रासंगिकता पर चर्चा की।

बुधवार को गुरुनानक कालेज में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य व छात्र-छात्राएं • जागरण

प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. सोनू प्रसाद यादव, प्रो. सिमरन रीवास्तव, प्रो. अनुराधा, डा. मीना मालखंडी थे।

आंखद्व

संस, कालूब
विद्यालय
के लघु
वाले तीन
विलंब हो
मुखिया स
विद्यालय
विद्याल
अध्यक्ष सु
और बच्चों
आक्रोश
विद्यालय मे
लगभग चा

दैनिक भास्कर

धनबाद 22-02-2024

कवि निराला के जन्मदिवस पर विशेष सत्र का आयोजन

धनबाद| गुरुनानक कॉलेज, धनबाद के हिंदी विभाग की ओर से बुधवार को छायावादी श्रृंखला के द्वितीय चरण में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्मदिवस पर 'महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा' विषय पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस भी मनाया गया। अंग्रेजी प्राध्यापक डॉ. वर्षा सिंह ने भाषा की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद सहित सभी शिक्षकों ने महाप्राण निराला की छायाप्रति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम की शुरुआत निराला द्वारा रचित मां सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद 'निराला-महात्मा गांधी संवाद', 'निराला-महादेवी वर्मा संवाद' का मंचन सहित 'भिक्षुक', 'सरोज-स्मृति', 'मैं अकेला', 'वह तोड़ती पत्थर' कविताओं का पाठ

विद्यार्थियों ने किया। 'बांधों न नाव' कविता पर गान के साथ-साथ नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य ने बताया कि मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को छायावाद के चार स्तंभ जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा और सुमित्रानंदन पंत के साहित्यिक अवदान से मुखातिब कराना है। प्रो. अमरजीत सिंह ने बेगर-टेंशन व भिक्षुक कविता की विशेषता पर प्रकाश डाला। विषय प्रवेश प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने किया। संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. अनुराधा कुमारी, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. घनिष्ठा, प्रो. सुरभि, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. मनीषा कुमारी आदि थे।

धनबाद, गुरूवार 22.02.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-3 पृष्ठ- 12
माघ शुक्ल पक्ष-12
संवत 2080

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

राज्यवासियों को मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना की मिली सौगात

83 गाड़ियों को सीएम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, अबुआ आवास योजना के लाभार्थियों के बीच स्वीकृति पत्र का हुआ वितरण

रांची (ससे): राज्यवासियों को बुधवार को मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना की सौगात मिली। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि रांची में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों को अनुमंडल से जिला तक के आवागमन की सुविधा को सुलभ करने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना का शुभारंभ किया गया है। आज इस योजना के अंतर्गत ८३ गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई गई है। शीघ्र ही २५० से अधिक गाड़ियां ग्रामीण इलाकों में अब दौड़ेंगी। मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत संचालित इन गाड़ियों में विद्यार्थी, आंदोलनकारी, दिव्यांग, वृद्धजन एवं विधवा माता-बहनें मुफ्त में सफर कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित अबुआ आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत पत्र वितरण समारोह एवं मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वर्ष २०२७ तक हमारी सरकार राज्य के २० लाख आवास विहीन परिवारों को अबुआ आवास योजना के तहत तीन कमरों का पक्का मकान उपलब्ध कराएगी। लक्ष्य के अनुरूप राज्य सरकार पात्र लोगों को अबुआ आवास योजना का लाभ देना प्रारंभ कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले ३ महीने बाद ९ लाख पात्र आवास विहीन परिवारों को एक साथ अबुआ आवास योजना का लाभ देंगे। आज इस मंच से रांची, लोहरदगा एवं गुमला जिला के २४ हजार से ज्यादा की संख्या में लाभुक परिवारों को अबुआ आवास योजना का स्वीकृति पत्र देने के साथ-साथ पहली किस्त की राशि भी डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की योजनाओं को पूर्ण रूप से धरातल पर उतरने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड के मूलवासी, आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक सहित सभी वर्ग-समुदायों के दुःख, दर्द को महसूस किया है, इन वर्ग-समुदायों की उम्मीद, आकांक्षा और जरूरत के अनुरूप योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। अबुआ आवास योजना के २९ लाख आवेदन मिले, २० लाख आवेदन पर स्वीकृति दी गई । मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में चलायी गई आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लगाए गए शिविरों में २९ लाख से अधिक अबुआ आवास योजना के आवेदन प्राप्त किए गए। राज्य सरकार ने २० लाख अबुआ आवास योजना के आवेदनों पर स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक सहित सभी वर्ग समुदाय की पीड़ा को हमारी सरकार ने समझा है। झारखंड खनिज संपदा वाला प्रदेश रहा है परंतु यहां की खनिज संपदाओं का लाभ दूसरे प्रदेशों के लोगों ने उठाया है। यहां के गरीब, मजदूर, किसान को खनिज संपदाओं के हक-अधिकार से दूर रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां की खनिज संपदाओं का दुरुपयोग हुआ है। यहां की खनिज संपदाओं का लाभ राज्य की बुनियादी ढांचाओं को सुदृढ़ और मजबूत करने में नही मिला। झारखंड की संपदाओं से दूसरे राज्य रोशन हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान ▶▶ 4

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

शादी के आधार पर महिलाओं को नौकरी से नहीं निकाल सकते

नई दिल्ली (ईएमएस): महिलाओं के हित में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। एक केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि शादी के आधार पर महिलाओं को नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। महिला कर्मियों को शादी के अधिकार से वंचित करने का आधार बनाने वाले नियम असंवैधानिक है। कोर्ट ने केंद्र को शादी के आधार पर सेवा से बर्खास्त की गई सैन्य नर्सिंग अधिकारी को ६० लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश भी दिया। बता दें कि याचिकाकर्ता सेलिना जॉन २६ साल से यह लड़ाई लड़ रही थी।

याचिकाकर्ता सैन्य नर्सिंग सेवाओं के लिए चुनी गई थी।और वह दिल्ली के आर्मी अस्पताल में प्रशिक्षु के रूप में शामिल हुई थी। उन्हें रूस में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन दिया गया था। उसने एक सेना अधिकारी मेजर विनोद राघवन के साथ विवाह कर लिया, जिसके बाद लेफ्टिनेंट के पद पर सेवा करते समय उन्हें सेना से रिलीज कर दिया गया। संबंधित आदेश ने बिना कोई कारण बताओ नोटिस या सुनवाई का या मामले का बचाव करने का अवसर दिए बिना उनकी नौकरी को खत्म कर दिया।

मामला सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल, लखनऊ में पहुंचा तो आदेश को रद्द कर दिया था और सभी परिणामी लाभ और बकाया वेतन भी प्रदान कर दिया था। इसके साथ ही ट्रिब्यूनल ने उसकी सेवा बहाली की भी इजाजत दे दी। जिसके बाद केंद्र ने इसके ▶▶ 4

लेजर हथियार दुर्गा-2 बनाने में जुटा डीआरडीओ

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) बहुत जल्द भारत में बने लेजर हथियार दुर्गा-२ का टेस्ट करने वाली है। दुर्गा का पूरा मतलब है डायरेक्शनली अनरेस्ट्रिक्टेड रे-गन ऐरे है। यह एक डायरेक्टेड एनर्जी वेपन है।

लेजर ही भविष्य के हथियार है। कई देशों के पास लेजर वेपन है। इस समय दुनिया भर में दो एंटी-एयरक्राफ्ट या एंटी-मिसाइल लेजर वेपन हैं, वे फुलप्रूफ नहीं है। उनकी मारक क्षमता १०० फीसदी नहीं है। डीआरडीओ ने भी लेजर हथियार बनाना शुरू किया। इसका नाम है दुर्गा-२ रखा गया। इसके बारे में विदेशी मीडिया में खबरें चली थीं कि भारत ऐसा लेजर सिस्टम तैयार कर रहा है, जो किसी बैलिस्टिक, क्रूज मिसाइल या फाइटर जेट को गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल चीन और पाकिस्तान सीमा पर किया जाएगा।

भारत ने रूस से पांच एस-४०० एंटी-मिसाइल सिस्टम खरीदे हैं। इनका नाम सुदर्शन रखा गया है। ये सिस्टम भारत के इलाके में गिरने वाली मिसाइलों को हवा में ही खत्म कर देगा। लेकिन यह हर मिसाइल को मार गिराएगा, इसकी गारंटी यह एयर डिफेंस सिस्टम भी नहीं देता। लेजर वेपन भी दुश्मन के जहाज, राडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, जेट, मिसाइल को गिरा सकता है। साल २०२१ में एक रिपोर्ट छापी थी ▶▶ 4

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और यूनान की चिंताएं और प्राथमिकताएं समान : पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत और यूनान ने व्यापार, रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों के साथ ही आतंकवाद से निपटने के लिए अपने समग्र सहयोग को बढ़ाने एवं प्रवासन तथा गतिशीलता साझेदारी को मजबूत करने पर बुधवार को चर्चा की. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनान के अपने समकक्ष किरियाकोस मित्सोटाकिस के साथ व्यापक वार्ता के दौरान समग्र रणनीतिक सहयोग के विस्तार पर प्रमुखता से चर्चा की. मित्सोटाकिस भारत की दो दिवसीय यात्रा पर हैं. यह १५ वर्षों में यूनान के किसी राष्ट्राध्यक्ष की भारत की पहली यात्रा है.

पीएम मोदी ने मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और यूनान की चिंताएं और प्राथमिकताएं एक समान हैं. उन्होंने कहा, ''हमने आतंकवाद से निपटने में अपने सहयोग को और मजबूत बनाने के बारे में विस्तार से चर्चा की.

प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा तथा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत और यूनान के बीच बढ़ता सहयोग दोनों पक्षों के बीच गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है. उन्होंने कहा, ''हमने भारत और यूनान के बीच प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की.''

मोदी ने कहा कि भारत में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में नए अवसर खुल रहे हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं. उन्होंने कहा, ''हम इस बात पर सहमत हैं कि सभी विवादों और तनावों का बातचीत तथा कूटनीति के माध्यम से समाधान किया जाना चाहिए. प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यूनान की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक भूमिका का स्वागत किया. उन्होंने कहा, ▶▶ 4

दुनिया के टॉप टेन अमीरों में शामिल हुए मुकेश अंबानी

नई दिल्ली (ईएमएस): रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप १० अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फोब्र्स की रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ अब ११४ बिलियन डॉलर (करीब ९.४५ लाख करोड़ रुपए) हो गई है। उन्होंने गूगल के को-फाउंडर सर्गी ब्रिन को पीछे छोडक़र टॉप १० में जगह बनाई है। इस लिस्ट में फ्रांसीसी अरबपति और लुई वितॉ मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट टॉप पर हैं। अरनॉल्ट की नेटवर्थ २२२ बिलियन डॉलर (करीब १८.६० लाख करोड़ रुपए) है। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क हैं। उनकी नेटवर्थ १६.७४ लाख करोड़ रुपए है।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ ५ साल में ३६ बिलियन डॉलर (करीब २.८९ लाख करोड़ रुपए) से बढक़र ११४ बिलियन डॉलर (करीब ९.४५ लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गई है। यानी अंबानी की नेटवर्थ ५ साल में दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है।

भगवान बुद्ध के कुछ पवित्र अवशेष को थाईलैंड ले जाया जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस): संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि यहां राष्ट्रीय संग्रहालय में संरक्षित भगवान बुद्ध के कुछ पवित्र अवशेष २२ फरवरी से १८ मार्च तक थाईलैंड में प्रदर्शित किए जाएंगे।

संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि भगवान बुद्ध के कुछ पवित्र अवशेषों को २२ फरवरी को थाईलैंड ले जाया जाएगा, जहां उन्हें १८ मार्च तक प्रदर्शित किया जाएंगे। भगवान बुद्ध के साथ-साथ उनके शिष्य अराहाटा सारिपुत्र और अराहाटा मौदगलायन के अवशेषों को भी थाईलैंड ले जाया जाएगा। ये पहला मौका होगा जब बुद्ध के साथ उनके शिष्यों के पवित्र अवशेषों को भी श्रद्धालुओं के लिए एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा।

इस बारे में संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि २२ फरवरी को एक राष्ट्रीय संग्रहालय में संरक्षित रख भगवान बुद्ध और उनके दो शिष्यों के कुछ पवित्र अवशेषों को २२ फरवरी को थाईलैंड ले जाया जाएगा, जहां उन्हें १९ मार्च तक प्रदर्शित किया जाएगा। इस २६ दिवसीय प्रदर्शनी के लिए बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने नेतृत्व में २२ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत से पवित्र अवशेषों के साथ थाईलैंड जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में कुशीनगर, औरंगाबाद, लद्दाख के कुछ भिक्षु, संस्कृति मंत्रालय के अधिकारी, मध्य प्रदेश सरकार, राष्ट्रीय संग्रहालय के क्यूरेटर, कलाकार और विद्वान शामिल हैं।

सीबीआई ने बीआरएस नेता कविता को अगले सप्ताह तलब किया

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी और बीआरएस नेता के. कविता को अगले सप्ताह तलब किया है. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कविता को सोमवार को यहां सीबीआई मुख्यालय में जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा गया है. अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने इससे पहले दिसंबर, २०२२ में हैदराबाद में कविता के आवास पर उनका बयान दर्ज किया था.

बंगाल में राज्यपाल बोस के कदम से खुश हुए सांसद सिसिर अधिकारी और दिब्येंदु

संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं के लिए खोले राजभवन के दरवाजे

कोलकाता (ईएमएस): कोंताई के सांसद सिसिर अधिकारी और उनके छोटे बेटे तमलुक के सांसद दिब्येंदु ने संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं की परिस्थिति को समझने के लिए राज्यपाल की प्रशंसा की है।

संदेशखाली हिंसा के बीच राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने एक अहम कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि हिंसाग्रस्त क्षेत्र की पीड़ित महिलाओं जो अपने घरों में सुरक्षित नहीं है, उनके लिए राजभवन के दरवाजे हमेशा खुले रहने वाले हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो नेताओं ने राज्यपाल के कदम की खूब सराहना की है। मीडिया से बात कर अधिकारी ने कहा, राज्यपाल के इस कदम ने नंदीग्राम आंदोलन की याद दिला दी जब सीपीआई(एम) से सुरक्षा दिलाने के लिए मुझे उस गांव के कई लोगों को अपने और अपने रिश्तेदारों के आवासों पर ठहराना पड़ा था। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी सोच है। इसके लिए राज्यपाल की सराहना की जानी चाहिए। बता दें कि सिसिर अधिकारी शुभेंदु अधिकारी के पिता है। बंगाल के राज्यपाल जो खुद को संदेशखाली की महिलाओं का भाई बताते हैं, ने पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर संभव मदद करने की कसम खाई है। दिब्येंदु ने भी राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर उनकी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं को राजभवन परिसर में आश्रय देना वास्तव में एक अकल्पनीय कदम है।

56 में से 41 सीटों पर निर्विरोध चुने गए राज्यसभा के उम्मीदवार

अब केवल हिमाचल, कर्नाटक व यूपी की 15 राज्यसभा सीटों के लिए होगा चुनाव

नई दिल्ली (ईएमएस): राज्यसभा के लिए ५६ में से ४१ सीटों पर निर्विरोध उम्मीदवारों को चुन लिया गया है, अब केवल १५ सीटों पर चुनाव होने हैं। बता दें कि निर्विरोध चुने गए ४१ उम्मीदवारों में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी में नए शामिल हुए अशोक चव्हाण और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ही एल मुरुगन के नाम भी शामिल हैं। अब हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश की शेष १५ सीटों पर २७ फरवरी को मतदान होगा। ५६ सीटों के लिए २७ फरवरी को मतदान होना है, लेकिन नाम वापसी की अंतिम तारीख बीतने के साथ ही ४१ सीटों पर तस्वीर साफ हो गई है। अलग-अलग राज्यों की ४१ सीटों के लिए ४१ ही उम्मीदवार मैदान में थे। इन सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। अब १५ राज्यसभा सीटों के लिए २७ फरवरी को मतदान होगा।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए ४१ उम्मीदवारों में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, पार्टी में नए शामिल हुए अशोक चव्हाण और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वष्णव और एल मुरुगन शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश की शेष १५ सीटों पर २७ फरवरी को मतदान होगा। निर्विरोध चुनाव जीतने में भी भाजपा ने अपना झंडा बुलंद किया है। सत्तासीन पार्टी को राज्यसभा में अभी तक सबसे अधिक २० सीटें हासिल हुई हैं। इसके बाद कांग्रेस ने (६), तृणमूल कांग्रेस (४), वाईएसआर कांग्रेस (३), राजद (२), बीजेडी (२) और ▶▶ 4

मशहूर मॉडल तानिया सिंह ने किया सुसाइड

सूरत (ईएमएस): इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धमाल मचाने वाले खिलाड़ी अभिषेक शर्मा विवादों से घिर गए हैं। सूरत की फेमस मॉडल तानिया सिंह की सुसाइड के बाद स्थानीय पुलिस ने अभिषेक शर्मा को पूछताछ के लिए समन भेजा है। जांच में खुलासा हुआ है कि मॉडल तानिया ने अभिषेक को आखिरी कॉल की थी। अभिषेक शर्मा आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हैं। तानिया की सुसाइड करने के बाद पुलिस ने सूरत में अपनी जांच शुरू की है। प्रारंभिक जांच में एसआरएचऊ खिलाड़ी अभिषेक शर्मा का नाम सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि अभिषेक तानिया सिंह (२८ साल) के संपर्क में थे। हालांकि यह बात भी सामने आई है कि वह पिछले कुछ समय से तानिया के संपर्क में नहीं थे। पुलिस सूत्र बता रहे हैं कि तानिया की कॉल डिटेल में कई राज छिपे हैं।

सरकार का ऑफर, किसानों का इंकार, खनौरी बॉर्डर पर गोली लगने से दो किसानों की मौत

टोहाना बॉर्डर पर तैनात एसआई का निधन ● पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर युद्ध जैसे हालात

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (ईएमएस): केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मानने से इनकार के बाद किसान दिल्ली कूच पर आमादा हैं। इसके लिए शंभू बॉर्डर पर हाईड्रोलिक क्रेन, जेसीबी व बुलेटप्रूफ पोकलेन जैसी भारी मशीनरी लाई गई है। किसानों को रोकने पुलिस लगातार आंसू गैस के गोले छोड़ रही है। वहीं किसान भी बॉर्डर छोडऩे को तैयार नहीं है। इस कारण पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। खनौरी बॉर्डर पर गोली लगने से दो किसानों की मौत हो गई है।

टोहाना बॉर्डर पर तैनात हरियाणा पुलिस के एसआई विजय कुमार का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान उनका स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया था। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

केंद्रीय मंत्रियों से वार्ता को लेकर संगठन एकमत नहीं है। कुछ किसान नेता वार्ता को तैयार हैं लेकिन कुछ का मानना है कि सरकार से अब तक बातचीत में कोई मसला हल नहीं हुआ है। इस ग्रुप का यह भी मानना है कि युवा बहुत उत्तेजित हैं अगर बार बार आगे बढऩे की स्थिति को डिफ्यूज किया गया तो वे हुड़दंग भी मचा देंगे। धरना स्थल पर कई निहंग भी आगे बढऩे को लेकर बयान दे रहे हैं, दूसरी तरफ हरियाणा पुलिस की ओर से एक बार फिर ड्रोन के जरिए पंजाब के अधिकार क्षेत्र में गोले फेंके जा रहे हैं। पंजाब पहले भी इस पर एतराज जता चुका है। शंभू बॉर्डर पर एक तरफ जहां किसान नेताओं के बीच बातचीत चल रही है। वहीं दूसरी तरफ उग्र हुए किसान और निहंग हरियाणा की बैरिकेडिंग के बिल्कुल नजदीक पहुंच चुके हैं।

जींद के दातासिंह वाला बॉर्डर पर पुलिस तथा किसानों के बीच हुए टकराव में दो किसानों की गोली लगने से मौके पर ही मौत की सूचना है। इसके अलावा २० से ज्यादा किसान घायल हो गए हैं। काफी किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उनको हरियाणा की तरफ ले आई है। काफी देर तक किसानों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। काफी किसान खेतों के रास्ते से बॉर्डर को पार करने की तैयारी कर रहे थे, जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जिस किसान की मौत हुई है, वह खनौरी का बताया जा रहा है। फिलहाल उसके बारे में और कोई जानकारी हासिल नहीं हुई है। पुलिस लगातार आंसू गैस के गोले दाग रही है और लाठीचार्ज किया जा रहा है। पुलिस तथा किसानों के बीच लगातार टकराव जारी है। किसान जेसीबी के माध्यम से बॉर्डर पर लगे अवरोधक को हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

सुबह फिर दिल्ली कूच होगा

पंजाब के किसानों ने शंभू और खनौरी बॉर्डर से दिल्ली कूच करने का प्लान टाल दिया है। अब वे गुरुवार को दिल्ली जाएंगे। वहीं, खनौरी-दातासिंहवाला बार्डर पर भी किसानों की तरफ से सफेद झंडा लहराया गया, इसके जवाब में प्रशासन ने ▶▶ 4

बीसीसीएल में मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी व निबंध प्रतियोगिता आयोजित

धनबाद (कासं) : बुधवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के मुख्यालय कोयला भवन में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिमांशु शेखर चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) विद्युत साहा ने अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक और निदेशक (कार्मिक) का पुस्तक एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। समारोह का शुभारंभ कोल इंडिया कॉरपोरेट गीत और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अध्यक्षीय संबोधन करते हुए अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता ने कहा कि मातृभाषा मां के समान महत्वपूर्ण है। यह किसी समाज की संस्कृति एवं इतिहास संजोये हुए होती है। संविधान में भी विभिन्न भाषाओं को दर्जा दिया गया है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपनी मातृभाषा के संरक्षण के लिए कार्य करें। इस अवसर पर बीसीसीएल की गृह पत्रिका कोयला भारती के ४०वें अंक का विमोचन किया गया।

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिमांशु शेखर चौधरी ने मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मातृभाषा के जोड़ से बड़ा कोई जोड़ नहीं है, उन्होंने कहा कि सभी के लिए अपनी मातृभाषा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा के साथसाथ अन्य की मातृभाषा का भी सम्मान किया जाना चाहिए। संगोष्ठी के समापन में महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) विद्युत साहा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके पश्चात वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मातृभाषा की प्रासंगिकता विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों से कुल मिलाकर लगभग ३० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन दिलीप कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उदयवीर सिंह, डी. के. सिन्हा, मनीष चंद्र साहू, प्रभात, अर्चना, श्वेता, वर्षा, पुष्यमित्र, आशुतोष आदि उपस्थित रहे।

ट्रेन से कट कर युवती ने की आत्महत्या

मृतका की फाईल फोटो

धनबाद (कासं) : वासेपुर मटकुरिया बस्ती निवासी सीमा परवीन नमक युवती का ट्रेन से कटा हुआ शव बुधवार की सुबह भूली स्थित रेलवे ट्रेनिंग स्कूल के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। घटना के संबंध में मृतका के पिता कलाम अंसारी ने बताया की वासेपुर निवासी सुहेल कुरैशी ने विवाह का झांसा देकर उनकी पुत्री सीमा परवीण को पहले फंसाया। उसके साथ मंगलवार को दो बार यौन शोषण किया। पुत्री ने जब विवाह का प्रस्ताव रखा तो उसने विवाह करने से इंकार कर दिया। यह बात सीमा परवीन ने कल २ बजे दोपहर में अपने पिता को भी बताई थी। इस पर पिता ने उसे आश्वासन दिया था कि वह उक्त युवक के पिता से बात करेंगे। इसी बीच उनकी पुत्री डिप्रेशन में मंगलवार की शाम ६ बजे घर छोड़कर निकल गई। उसके बाद वह और उनके परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली। बुधवार की सुबह पड़ोसियों ने सूचना दी की सीमा परवीन का शव रेलवे ट्रेनिंग स्कूल के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ है। उसके बाद उन्होंने जाकर शव की पहचान की और इस आशय से संबंधित मामला थाना में दर्ज कराया। दर्ज मामले में पिता द्वारा पुलिस से गुहार लगाई गई है कि इस मामले में दोषी सुहेल कुरैशी की शीघ गिरफ्तारी करके उनकी पुत्री के साथ न्याय करें। इस मामले में बैंक मोड़ थाना, भूली ओपी तथा राजकीय रेलवे थाना मामले की छानबीन कर रही है। शव को पोस्टमार्टम कराके मृतका के परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतका के पिता ने पुलिस को बताया है कि इस मामले में दोषी सुहेल कुरैशी खुले आम घूम रहा है और पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है। उन्होंने पुलिस से दोषी की शीघ्र गिरफ्तारी कर पुत्री को न्याय दिलाने की मांग की है।

केंद्रीय अस्पताल की समस्या को ले कोल इंडिया वरिष्ठ नागरिक संघ का धरना

धनबाद (कासं) : आस्तित्व का रोना रो रहे बीसीसीएल का केंद्रीय अस्पताल की विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को कोल इंडिया वरिष्ठ नागरिक संघ ने अस्पताल के समक्ष विभिन्न ९ सूत्री मांगों को लेकर धरना दिया। पूर्व घोषित इस धरने की अध्यक्षता हरिपद रवानी तथा संचालन आर एस तिवारी ने की। धरना में काफी संख्या में कोल कर्मी तथा सेवानिवृत्ति कोल कर्मी शामिल थें। धरना के दौरान सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा की वर्तमान में ३५ हजार स्थाई कर्मचारी व उनके परिवार के अलावा १० सदस्य को कैसे भरणपोषण करता होगा यह सोच का विषय है। इस धारना के माध्यम से बीसीसीएल प्रबंधन व उच्च प्रबंधन से कोल कर्मियों और उनके परिजनों की उचित चिकित्सा के लिए न्याय की गुहार लगाई गई है। धरना में मुख्य रूप से बिंदेश्वरी प्रसाद, अमरेंद्र चौधरी, श्रवण कुमार, चिमन कुमार, रामचंद्र पासवान, राम अवतार गोप, अरुण कुमार, राजेंद्र प्रसाद तथा मथुरा बैठा सहित अन्य शामिल थे।

विश्वकर्मा परियोजना में पलटा ड्रील मशीन

धनसार (ससे) : धनसार विश्वकर्मा परियोजना में ड्रील मशीन पलटी हो गई। दूसरे दिन मंगलवार को इसे उठाने के दौरान मशीन का ड्रील रड टूट गया। जहां ऑपरेटिंग कर रहे जेनरल मजदूर जयप्रकाश साव का पैर टूट गया। आननफानन में कर्मियों ने सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं क्षतिग्रस्त मशीन को रिपेयरिंग कराया जा रहा है। दो दिन से लगातार हो रही घटना से मजदूरों और यूनियन में आक्रोश है। बताया जाता है कि सोमवार को विश्वकर्मा विभागीय पैच में ड्यूटी के दौरान एक ड्रील मशीन पलट गई। ड्रील चला रहे चालक सोमा मुंडा बालबाल बच गए। अन्य कर्मियों ने ऑपरेटर सोमा मुंडा को किसी तरह बाहर निकाला। इधर घटना के दूसरे दिन मंगलवार को प्रबंधन मशीन को उठा रहा था। इस दौरान इसका ऑपरेटिंग जेनरल मजदूर जयप्रकाश कर रहा था। तभी रड टूटने से वह घायल हो गया। इधर कर्मियों व यूनियन में इस बात का आक्रोश है कि ड्रील मशीन ऑपरेटर होने के बाद भी अपरिपक्व जेनरल मजदूर से ड्रील मशीन ऑपरेटिंग कराया जा रहा था। कर्मियों का आरोप है कि मशीनों के मरम्मती के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। मशीनों का नियमित व ठीक से मरम्मत की जाए, ताकि ऐसी घटना न घटे।

डीएवी कुसुण्डा का अवलोकन करने पहुंचे ब्रिगेडियर

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, धनबाद में डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमिटी पीएस के स्वयंसेवी कोषाध्यक्ष सह वाइस चेयरमैन, डीएवी कुसुण्डा ब्रिगेडियर ए. के अदलखा सपत्नीक विद्यालय का अवलोकन और मार्गदर्शन करने पहुँचे। सर्वप्रथम ब्रिगेडियर अदलखा और आगतअथितिगण ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता, एन एन श्रीवास्तव, एआरओ, झारखंड जोनसी व प्रणव दास, महाप्रबंधक, बीसीसीएल कुसुण्डा एरिया६ ने श्री अदलखा को अंगवस्त्र, मोमेंटो व पेंटिंग अर्पित कर सम्मानित किया। मौके पर विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता ने कहा कि आज हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत ही गौरव की बात है। आज सचमुच हम आह्लादित हैं कि हमारे बीच एक कुशल मोटिवेटर पधारे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि ब्रिगेडियर साहब का आशीर्वाद जरूर फलित होगा। ब्रिगेडियर अदलखा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों द्वारा प्रदत्त शिक्षा से ही एक विद्यार्थी सभ्य व ईमानदार व्यक्ति बनता है। इसके लिए सभी शिक्षकों को प्रतिज्ञा, परिश्रम, प्रतीक्षा, प्रार्थना और प्राप्ति इन पाँच मंत्रों को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर सुनील कुमार गुप्ता एलएमसी सदस्य, वेद प्रकाश एरिया मैनेजर पर्सनल, सुब्रतो मोदक प्राचार्य, डीएवी लोदना,. आशुतोष कुमार प्राचार्य डीएवी सिंदूरी, एस के मोहंती, हेड डीएवी मुनीडीह, एस के देव हेड डीएवी मुगमा, शैलेन्द्र शर्मा सीबीएससी नॉमिनी, उमाशंकर सिंह, सीबीएससी नॉमिनी, अभिवाहक प्रतिनिधि के रूप में सीमा रॉय और आमिर अली व सभी शिक्षकशिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जमसं ने की मांगों को लेकर वार्ता

लोयाबाद (ससे) : जनता मजदूर संघ के सिजुआ क्षेत्रीय अध्यक्ष (असंगठित) रवि चौहान के नेतृत्व में मजदूरों की ७ सूत्री मांगों को लेकर कनकनी कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी के कार्यालय में वार्ता हुई। वार्ता में नियोजन, बिजलीपानी, विस्थापन, जला हुआ ओबी को घनी आबादी से दूर डंपिंग, पीट वाटर आदि विषयों पर चर्चा हुई। जिस पर परियोजना पदाधिकारी के द्वारा नियोजन से संबंधित पर आउटसोर्सिंग के ऑथराइज्ड पर्सन की उपस्थिति में वार्ता करने एवं अन्य मामलों को जल्द से जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिया। मौके पर प्रबंधन की ओर से परियोजना पदाधिकारी-नारायण प्रसाद, कार्मिक प्रबंधक-तारा सिंह एवं संघ की ओर से विजय यादव, जेपी पांडे, हरिद्वार चौहान, संजय धीकार, लखन यादव, रवि चौहान, प्रिंस सिंह, अमन सिंह, नंदू गोप, सत्यनारायण यादव, धर्मेंद्र दास, विक्की नोनिया, अरविंद पंडित, मुन्ना यादव, हरिलाल भारद्वाज, राजेश कुमार, चंद्रशेखर राजभर आदि उपस्थित थे।

बाघमारा विधायक के खिलाफ डीसी एसएसपी व एसडीओ से शिकायत

धनबाद (कासं) : बाघमारा विधायक ढूलू महतो एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ गए हैं। राम राज मंदिर चिटाही धाम के समीप रहने वाले स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक पर ग्रामीणों के साथ शोषण व अत्याचार का आरोप लगाया है। आज पूर्व कांग्रेस नेता स्व. ओपी लाल के पुत्र अशोक प्रकाश लाल के नेतृत्व में स्थानीय पीड़ित महिलाएं अपनी समस्याओं को लेकर धनबाद के उपायुक्त, एसएसपी एवं एसडीओ को मांग पत्र देकर बाघमारा विधायक के जुल्म से निजात दिलाने की मांग की। अशोक लाल ने कहा कि बाघमारा विधायक ग्रामीणों की जमीने हड़प करना चाहते हैं। चिटाही धाम में वर्तमान में 7 परिवारों के घरों की बिजली काट दी गई है। उन्हें पानी

नहीं मिल रहा है। यह सब बीसीसीएल प्रबंधन कही न कही ढुलू महतो के इशारे पर कर रही है, जबकि प्रावधान के मुताबिक बीसीसीएल क्षेत्र में बसे लोगों को बीसीसीएल द्वारा सीएसआर के तहत सभी मुलभुत सुविधाएं दी जानी चाहिए। स्थानीय महिला कुंती देवी ने कहा कि उन्हें न्याय नहीं मिला तो 27 फरवरी से परिवार समेत अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ जाएंगे।

आदिवासी कुड़मी समाज की बैठक

पुटकी (ससे) : श्रमिक क्लब पुटकी मे बुधवार को बारह गांव के आदिवासी कुड़मी समाज की बैठक

हुई। बैठक की अध्यक्षता विनोद महतो एवं संचालन अर्जुन महतो ने किया। बैठक में पुरुलिया के हुलहुलीटांड में आगामी ८, ९ व १० मार्च को होने वाला कुड़मियों का महाजुटान की सफलता को ले चर्चा की गयी। साथ ही गाँव में घरघर जाकर सभी लोगों को जागरूक कर महाजुटान करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में केन्द्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेन्द्र महतो, जिलाध्यक्ष अरविन्द पुनअरिआर, मासस जिला सचिव दिलिप महतो, समशिखरा पंचायत मुखिया चक्रधर महतो, बिनोद महतो, भरत भूषण महतो, प्रदीप महतो, मुक्तेश्वर महतो, सृष्टिधर महतो, उमेश महतो सुभाष महतो, दिनेश महतो, बलराम महतो, विजय महतो, पंकज महतो, आकाश महतो, वीरबल महतो महादेव महतो, अनिल महतो, दीपक महतो, अरुण महतो, नरेश महतो, टिन्कु महतो, अनादि महतो, विजय महतो, अखलेश महतो व अन्य थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की शाखा का निरीक्षण

गोविंदपुर (ससे) : मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल ने बुधवार को सम्मेलन की गोविंदपुर शाखा का निरीक्षण किया। उन्होंने शाखा की गतिविधियों की सराहना की तथा सेवा कार्यों का विस्तार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर शाखा ने पिछले कई वर्षों में बेहतर सामाजिक कार्य किए हैं और प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इस शाखा ने कई पुरस्कार हासिल किए हैं । श्रीमती बथवाल ने सभी सदस्यों का हौसला बढ़ाया। शाखा अध्यक्ष रीता संघी ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रेणु दुदानी, सरोज सरिया पदमा बुबना समेत सभी सदस्य मौजूद थी।

सिम्फर में कार्यरत कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी

धनबाद (कासं) : सिम्फर में वर्षों से कार्यरत १६९ केजुवल वर्कर चिन्हित कर्मचारियों पर जबरन ठेका कंपनी के माध्यम से काम करने को लेकर अधिकारियों द्वारा बनाये जा रहे दबाब से आहत कर्मचारियों ने सिम्फर गेट के सामने बुधवार से अनिश्चित कालीन धरना पर बैठ गये है। अनियमितिकरण की मांग कर रहे हैं। धरना पर बैठे कर्मचारियों की मानें तो विगत ३० वर्षों से वहां काम कर रहे हैं और सांसद भारत सरकार के अनुशंसा पर ३१-१२२००४ तक सिम्फर के पूर्व प्रबंधन के द्वारा सभी केजुवल वर्करों को नियमितीकरण हेतु चिन्हित करते हुए चिन्हित कर्मचारियों का दर्जा दिया गया था। जो की उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। सिम्फर के नये प्रबंधन द्वारा इन सब को दरकिनार करते हुए ठेका कंपनी के माध्यम से काम करने का दबाब बनाया जा रहा हैं जो कि कदापि उचित नहीं है। जिसके लेकर केन्द्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी मजदूर यूनियन के बैनर तले अपने हक की लड़ाई के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक प्रबंधन उनकी मांगे नहीं मानी धरना जारी रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

धनबाद (कासं) : गुरु नानक कॉलेज धनबाद के हिंदी विभाग द्वारा भूदा कैम्पस के रूसा सेमिनार हॉल में 'छायावादी श्रृंखला के द्वितीय चरण में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्मदिवस पर 'महाप्राण निराला की विस्मयकारी यात्रा' विषय पर विशेष सत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन, बुधवार को किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को छायावाद के चार स्तंभ - जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा और सुमित्रानंदन पंत के साहित्यिक अवदान से मुखातिब करना है, जिसे छायावादी श्रृंखला के रूप में हिंदी विभाग आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. वर्षा सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर प्रकाश डालते हुए भाषा की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद एवं सभी शिक्षकों ने महाप्राण निराला की छायाप्रति पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सोनू प्रसाद यादव के द्वारा कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ निराला द्वारा रचित माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। तत्पश्चात 'निरालामहात्मा गाँधीसंवाद', 'निरालामहादेवी वर्मासंवाद' के मंचन सहित 'भिक्षुक', 'सरोजस्मृति', 'मैं अकेला', 'वह तोड़ती पत्थर', आदि कविताओं का सुमधुर पाठ कर विद्यार्थियों ने निराला की विस्मयकारी जीवनयात्रा को प्रस्तुत किया। 'बाँधों न नाव' कविता पर सुमधुर गान के साथसाथ नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संपूर्ण कार्यक्रम का द्रष्टा बनकर प्रत्येक विधाओं के रूप में मंचित पात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा मार्गदर्शन करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस श्रृंखला को सराहते हुए आगामी सत्र को और उच्च स्तरीय प्रस्तुति की आशा प्रकट की। प्रो. अमरजीत सिंह (प्रो.इनचार्जभूदा परिसर) ने बेगरटेंशन और भिक्षुक कविता की तुलनात्मक विशेषता पर प्रकाश डाला। ऐसी प्रस्तुति को साहित्य की अमूल्य धरोहर कहा। विषय प्रवेश एवं धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिक रीति हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने पूर्ण की। मंच संचालन विभाग की प्राध्यापिका प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. मीना मालखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. डॉ. वर्षा सिंह, प्रो. अनुराधा कुमारी, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. सिमरन, प्रो. घनिष्ठा, प्रो. सुरभि, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. मनीषा कुमारी तथा अन्य शिक्षकेत्तरकर्मी सहित २०० की संख्या में छात्रछात्राओं की उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

श्री सिद्ध हनुमान क वार्षिक महोत्सव पर निकाली गई शोभा यात्रा

गोविंदपुर (ससे) : श्री सिद्ध हनुमान के २९वें वार्षिक महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को निसान शोभायात्रा निकाली गई श्री सिद्ध हनुमान का निशान लेकर श्रद्धालुओं ने पूरे बाजार इलाके का भ्रमण किया निशान यात्रा श्री सिद्ध हनुमान मंदिर से शुरू होकर टुंडी रोड जीटी रोड ऊपर बाजार होते हुए फिर श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में समाप्त हुई। इस दौरान पंकज मोदी एवं बुलबुल केजरीवाल ने एक से एक भजन प्रस्तुत किए। उनके लहरलहर लहराए रे, झंडा बजरंगबली का, दुनिया में देव हजारों है, बजरंगबली का क्या कहना, बाला के नाम करोगे भी जो भी काम, होगा ही होगा। छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, कहते हैं लोग इसे राम का दीवाना। जग में डंका बाज रहा बजरंगबली हनुमान, तेरा जग में डंका बाज रहा। तहारा झांझ नगाड़ा बाजे रे, सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे आदि भजन प्रस्तुत कर माहौल भक्ति में कर दिया। इसकी

अगवाई ऋषिकेश से आए गुरु गद्दी आसीन स्वामी अमृत प्रकाश महाराज कर रहे थे। निसान शोभायात्रा में स्वामी आत्म प्रकाश रामायण भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष शंभूनाथ अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, किशन अग्रवाल, पवन लोधा, राजकुमार तायल, रामप्रसाद अग्रवाल, चंद्रशेखर गुप्ता, विजय अग्रवाल, ओम प्रकाश बजाज, कमल अग्रवाल, नंदलाल अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, कृष्ण गोपाल अग्रवाल, जयप्रकाश मित्तल, ललित केजरीवाल, संतोष लोधा, राजीव मित्तल, मुकेश बंसल, मनोज अग्रवाल, बिल्लू अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, विवेक लोधा, हरिओम बंसल, संजीव मित्तल, कमलेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आलोक लोधा, तुलसी पंडित, अंकित सुल्तानिया, गोविंद अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, विक्की तायल समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। गुरुवार को सामूहिक सुंदरकांड पाठ होगा। शुक्रवार को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ, कीर्तन एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

ओबीसी, एससी, एसटी व अल्पसंख्यक मोर्चा का सेमिनार आयोजित

धनबाद (कासं) : उर्मिला टॉवर रेजिडेंशियल में बुधवार को भारतीय ओबीसी एससी, एसटी एवं अल्पसंख्यक जन जागरण मोर्चा का सेमिनार आयोजित की गई। सेमिनार की अध्यक्षता पूर्व पार्षद गणपत महतो एवं संचालन गोपाल महतो ने की। सेमिनार में सर्वसम्मति से मोर्चा का पुनर्गठन की गई।

इस अवसर रामप्रवेश यादव, गणपत महतो, अरुण प्रसाद, महेंद्र सिंह, कृष्ण देव प्रसाद, पासवान, हुब्बान मलिक, प्रकाश कुमार प्रजापति, बसंत यादव को संरक्षक बनाया गया। अधिवक्ता अमित कुमार गुप्ता को जिला अध्यक्ष, अधिवक्ता महेंद्र गोप एवं वाल्मीकि प्रसाद को उपाध्यक्ष, गोपाल यादव को सचिव, हेमराज पासवान को महासचिव, अरुण कुमार व अशोक राजहंस को कोषाध्यक्ष, उमेश गोस्वामी एवं प्रेम प्रकाश को संगठन सचिव, कुमार शुरेंदु जिला सह संगठन सचिव, शशि कुमार महाराज एवं मंटू मोदी को मीडिया प्रभारी एवं नवल किशोर प्रसाद, अजीत प्रसाद, सुनील कुमार यादव, रजनी देवी, पिंकी देवी, पंकज पासवान, अजय कुमार त्यागी, संजय राम, सुनील पासवान, रंजीत कुमार दास, अनवर अंसारी, महताब आलम, सुरेंद्र हरि, गोविंद मुर्मू, बबलू अंसारी, बजरंगी दास, गुड्डू भैया, प्रकाश हरि, छोटन रजक, शहर मंडल, मधेश्वरा सिंह एवं कृष्ण भैया को कार्यकारी सदस्य बनाया गया।

समाज कल्याण पदाधिकारी ने किया पदभार ग्रहण

धनबाद (कासं) : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंकिता कुजूर ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में बुधवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मौके पर बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी सहित समाज कल्याण विभाग के कर्मी मौजूद थे।

कभी भी अपने जीवन में अभिमान ना करें : महाराज बृजेश

पुटकी (ससे) : करकेंद पारबाद पुल के समीप बजरंगबली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित श्रीमद भगवतकथा के छठे दिन मुख्य जजमान रंजीत सिंह एवं अनिल शर्मा सपत्नी वृन्दावन से पहुंचे महाराज बृजेश महाराज का स्वागत के पश्चात कथा प्रारंभ हुई। महाराज जी ने कहा कि कभी भी अपने जीवन में अभिमान ना करें, हमेशा अपने अंदर दया का भाव रखें। कभी ऐसा काम मत करो कि दिनदुखी का हृदय दुखी हो क्योंकि सभी के हृदय में भगवान विराजमान है। महाराज श्री बृजेश जी ने गोवर्धन लीला एवं महारास लीला कृष्ण उद्धव संवाद, भगवान का मथुरा गमन, कंस वध का वर्णन किया। बताया कि भगवान ने जरासंध को १७ बार पराजित किया परंतु १८वीं बार पंडितों के कहने पर भगवान हारे। अंत में भगवान श्री कृष्ण एवं रुक्मणी विवाह सुंदर झांकी का दर्शन की प्रस्तुति की गई। इस दौरान कांग्रेस नेता रविंद्र वर्मा एवं रणविजय सिंह पहुंच महाराज जी का आशीर्वाद लिया। आयोजन को सफल बनाने में भोला शर्मा, अजय पासवान, बिनोद सिंह, राकेश सिंह, कमलेश तिवारी आदि मौजूद थे।

मैदान में इस बार दिख सकते हैं पवार परिवार के युवा चेहरे

मुंबई (ईएमएस) : महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम अजित पवार के भतीजे बारामती में सुप्रिया सुले के लिए प्रचार कर सकते हैं। एनसीपी से अलग होने के बाद से यह पहली बार है, जब पवार परिवार से कोई नया शख्स राजनीति में उभरता दिख रहा है। इतना ही नहीं ये नेता शरद पवार का समर्थन कर रहा है। युगेंद्र पवार ने बारामती में सांसद सुप्रिया सुले के प्रचार कार्यालय का दौरा किया और शरद पवार गुट के कार्यकर्ताओं से चर्चा की। युगेंद्र अजित पवार के भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं। वह राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, युगेंद्र पवार एक धर्मार्थ ट्रस्ट विद्या प्रतिष्ठान संस्था के कोषाध्यक्ष हैं और बारामती पहलवान संघ की देखभाल करते हैं।

दुनिया के देशों में महंगाई घटी,भारत में बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस) : दुनिया के देशों में पिछले वर्ष महंगाई घटी है। वहीं भारत में महंगाई बढ़ी है। गेहूं के दाम दुनिया के देशों में २६ फ़ीसदी तक घट गए हैं। भारत में डीजल, पेट्रोल, परिवहन,खाद और बीज के दाम बढ़ने से भारत का गेहूं ८ फ़ीसदी महंगा हो गया है। भारत सरकार ने डीजल, बिजली,खाद और बीज में सब्सिडी समाप्त कर दी है।डीजल के रेट बढ़ने से गेहूं की उत्पादन लागत बढ़ गई है।

दुनिया के देशों में प्राकृतिक गैस के दाम १ साल में ५४।१ फ़ीसदी घटे हैं। वहीं भारत में ३३ फ़ीसदी बढ़ गए हैं। यह आश्चर्यजनक है। विदेश में यूरिया की कीमतों में ४८।९ फ़ीसदी की कमी आई है। वहीं भारत में यूरिया की कीमत ३।५ फ़ीसदी बढ़ गई है। दुनिया के देशों में गेहूं की कीमत २६।३ फ़ीसदी घटी है।भारत में गेहूं के दाम ७।६ फ़ीसदी बढ़ गए हैं। विश्व के देशों में कच्चे तेल के दाम १६।८ फ़ीसदी घट गए हैं।वहीं भारत में कच्चे तेल की कीमतों में मात्र १२।०२ फ़ीसदी की गिरावट आई है। इसके बाद भी पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई कमी नहीं आई है। उपभोक्ताओं को अभी भी महंगे दाम पर डीजल और पेट्रोल खरीदना पड़ रहा है। जिसके कारण परिवहन की लागत महंगाई के रूप में, सभी जगह देखने को मिल रही है।

भारतीय रुपए का अवमूल्यन होने से इसका असर महंगाई पर देखने को मिल रहा है। दुनिया के देशों में सोयाबीन का तेल ३२।९ फ़ीसदी घट गया है। वहीं भारत के बाजार में इसमें २१।२ फ़ीसदी की कमी आई है।

लाल सागर ने बढ़ाई चिंता

यूक्रेन तथा रूस के बीच में युद्ध होने के कारण इसका असर भारत पर भी पड़ रहा है।इजराइल और गाजा के बीच चल रहे युद्ध के कारण अब लाल सागर क्षेत्र से भी आवागमन पर गतिरोध उत्पन्न हो गया है। जिसके कारण लाल सागर से होकर आने वाले माल की कीमतें विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतों पर इसका असर देखने को मिल रहा है। भारत सरकार और रिजर्व बैंक आफ इंडिया डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत कम होने तथा लाल सागर के रास्ते से जो माल आता था। उसे पर ज्यादा खर्च भारत को करना पड़ रहा है। उसके कारण भी भारत में महंगाई कम होने के स्थान पर बढ़ रही है।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

बलियापुर (ससे) : बेलगड़िया टाउनशिप में बुधवार को एएसजी आई अस्पताल धनबाद के द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सक संजय कुमार रजक ने १२० मरीजों का जांच कर आवश्यक सलाह दी। कुल ३० मोतियाबिंद मरीज पाए गए। जिसका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में समजिक कार्यकर्ता व मासस नेत्री सीमा देवी, शीतल दत्ता, मीरा सिंह, छाया दे, सारथी देवी, नीलम देवी, सुमित कुमार, दीपक कुमार आदि का योगदान रहा।

बुलढाणा में प्रसाद खाने से 300 से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार

बुलढाणा (ईएमएस) : महाराष्ट्र के बुलढाणा में ३०० से ज्यादा लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हुए है। हालत बिगड़ते ही सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें महिला, पुरुष व बच्चे भी शामिल है। दरअसल, सोमठाना गांव के मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था। इस कार्यक्रम के छठवें दिन रात १० बजे प्रसाद बांटा गया था।

इस दौरान सोमठाना और खापरखेड़ गांव के लोग बड़ी संख्या में प्रसाद लेने पहुंचे। प्रसाद खाने के कुछ ही देर बाद लोगों को पेट दर्द की शिकायत हुई, इसके बाद उल्टी और दस्त शुरू हो गए। लोगों की तबीयत बिगड़ते ही पूरे गांव में अफ़रातफ़री मच गई। मामले की जानकारी पुलिस और प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। गांव के स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि ४०० से ५०० लोगों की तबीयत बिगड़ी है। कई मरीजों को मेहकर और लोणार के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। एक स्थानीय नागरिक ने कहा कि सोमठाना गांव में धार्मिक कार्यक्रम का छठा दिन था, आज एकादशी होने के कारण प्रसाद रखा गया था।

बीसीसीएल BCCL भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अंग)

सिजुआ क्षेत्र

न्यायालय भूसंपदा पदाधिकारी, सिजुआ क्षेत्र, प्रथम पक्ष — दिनांक :-09/02/2024

ग्राम/मौजाजोगता 15 नंबर कॉलोनी			जमीन एवं आवास संख्या -Self Made House		
क्रम संख्या	मुकदमा संख्या	अनाधिकृत दखलकार	क्रम संख्या	मुकदमा संख्या	अनाधिकृत दखलकार
01	1569/2023	जगदीश नोनिया	42	1610/2023	सुनील कुमार साहनी
02	1570/2023	मीना देवी	43	1611/2023	जितेन्द्र कुमार दास
03	1571/2023	भोला तुरी	44	1612/2023	राम प्रसाद दास
04	1572/2023	शम्भू तुरी	45	1613/2023	कन्हाई तुरी
05	1573/2023	सुखदेव रविदास	46	1614/2023	राजू नोनिया
06	1574/2023	निरंजन दास	47	1615/2023	सुनिल बाउरी
07	1575/2023	सुरेश नोनिया	48	1616/2023	साधन बाउरी
08	1576/2023	दिलीप तुरी	49	1617/2023	आरती देवी
09	1577/2023	परमेश्वर साव	50	1618/2023	श्याम देव
10	1578/2023	उमेश साव	51	1619/2023	हारेन घटवार
11	1579/2023	दानी यादव	52	1620/2023	नरेन्द्र साव
12	1580/2023	बुधन तुरी	53	1621/2023	शत्रुघन चौहान
13	1581/2023	जाहो यादव	54	1622/2023	रीता देवी
14	1582/2023	बबलू यादव	55	1623/2023	संदीप कुमार
15	1583/2023	सुबेलाल यादव	56	1624/2023	कुंती देवी
16	1584/2023	रामदेव यादव	57	1625/2023	राजू रवानी
17	1585/2023	रामबालक यादव	58	1626/2023	कृष्णा रवानी
18	1586/2023	समा यादव	59	1627/2023	महादेव कुमार घटवार
19	1587/2023	देगन यादव	60	1628/2023	नारायण प्रसाद साव
20	1588/2023	गोपाल यादव	61	1629/2023	पंकज कुमार गुप्ता
21	1589/2023	अच्छे लाल भुईया	62	1630/2023	हिरा लाल प्रसाद
22	1590/2023	खाबो मिया	63	1631/2023	सहदेव कुमार घटवार
23	1591/2023	अनिल बाउरी	64	1632/2023	कुन्ती देवी
24	1592/2023	भारती देवी	65	1633/2023	छोटे खान
25	1593/2023	रंजीत बाउरी	66	1634/2023	हेरन्द्र साव
26	1594/2023	बिजय यादव	67	1635/2023	अभिषेक यादव
27	1595/2023	बब्लू यादव	68	1636/2023	अमित विश्वाकर्मा
28	1596/2023	अमित चौहान	69	1637/2023	पप्पू भारती
29	1597/2023	प्याजो खान	70	1638/2023	देवराज कुमार राजभर
30	1598/2023	राकेश श्रीवास्तव	71	1639/2023	दिलीप सिंह
31	1599/2023	भोला प्रसाद	72	1640/2023	सम्भु सिंह
32	1600/2023	नवल चौहान	73	1641/2023	संतोष कुमार पाण्डेय
33	1601/2023	अफसना प्रवीन	74	1642/2023	कृष्णा बलभ सहाय
34	1602/2023	नीलम सिन्हा	75	1643/2023	राकेश बलभ सहाय
35	1603/2023	अजय कुमार	76	1644/2023	राजीव कुमार
36	1604/2023	महेश साव	77	1645/2023	राघवेंन्द्र
37	1605/2023	सुबोध कुमार	78	1646/2023	अनीता देवी
38	1606/2023	शंकर बाउरी	79	1647/2023	नंदन कुमार साव
39	1607/2023	हरेन्द्र दास	80	1648/2023	चन्दन कुमार साव
40	1608/2023	रिंकू देवी	81	1649/2023	सनी कुमार नोनिया
41	1609/2023	संतोष कुमार			

बी.सी.सी.एल., सिजुआ क्षेत्र (कनकनी कोलियरी) ने आपके विरूद्ध लोक परिसर (अनाधिकृत दखलकार कि बेदखली) अधिनियम के अंतर्गत इस न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। उक्त मुकदमा के कारण पृच्छा दाखिल करने हेतु आपके नाम से सूचनाएँ (नोटिस) भेजी गयीं थीं, फिर भी आप न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं और ना ही कारण पृच्छा दाखिल किए हैं।

अतः इस समाचार के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आप अथवा अपने अधिवक्ता के द्वारा दिनांक 26/02/2024 को सुबह 11:00 बजे भूसम्पदा न्यायालय सिजुआ क्षेत्र में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा एकतरफा सुनवाई कर समुचित आदेश पारित कर दिया जाएगा।

भवदीय,
न्यायलय भूसम्पदा पदाधिकारी, सिजुआ क्षेत्र

हाईकोर्ट ने सैनेटरी इंस्पेक्टर की भर्ती पर लगाई रोक

चंडीगढ़ (ईएमएस) : हाईकोर्ट ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सैनेटरी इंस्पेक्टर भर्ती पर रोक लगा दी है। मिली जानकारी के अनुसार यहां ५० पदों के लिए आवेदन मांगा था। विज्ञापन के अनुसार इन पदों के लिए अनिवार्य योग्यता सैनेटरी में डिप्लोमा की थी। भर्ती के दौरान याचिकाकर्ता को पता चला कि आयोग इस भर्ती में सिविल इंजीनियरिंग वालों के आवेदन पर भी विचार कर रही है। पंजाबहरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार व कर्मचारी चयन आयोग को बड़ा झटका देते हुए सैनेटरी इंस्पेक्टर की भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही हरियाणा सरकार को अगली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। याचिका दाखिल करते हुए कैथल निवासी जितेंद्र कुमार ने एडवोकेट राजेश हुड्डा के माध्यम से हाईकोर्ट को बताया कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सैनेटरी इंस्पेक्टर के ५० पदों के लिए आवेदन मांगा था। विज्ञापन के अनुसार इन पदों के लिए अनिवार्य योग्यता सैनेटरी में डिप्लोमा की थी। भर्ती के दौरान याचिकाकर्ता को पता चला कि आयोग इस भर्ती में सिविल इंजीनियरिंग वालों के आवेदन पर भी विचार कर रही है। चाचिकाकर्ता ने कहा कि बिना डिप्लोमा के सिविल इंजीनियर डिग्री धारकों को इस पद के लिए योग्य नहीं माना जा सकता। साथ ही कहा कि विज्ञापन जारी होने के बाद योग्यता मानकों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट के नोटिस के जवाब में आयोग ने बताया कि जिन लोगों ने सैनेटरी में ब्रिज कोर्स कट ऑफ से पहले किया है उनके आवेदन पर विचार किया जा रहा है।

नेहरूपटेल और मौलाना आजाद चाहते थे यूसीसी लागू करना : अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस) : गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नेहरू-पटेल और मौलाना आजाद भी देश में यूसीसी लागू करना चाहते थे। भाजपा की नीतियों और प्राथमिकताओं की सराहना करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा शासित उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि सरदार पटेल, मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू और राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि देश में यूसीसी लागू होना चाहिए। उन्होंने अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि बीते सात दशक से अधिक कालखंड में बनीं सरकारों का जिक्र कर शाह ने कहा कि अब तक वे यूसीसी इसलिए नहीं ला पाए क्योंकि वे अल्पसंख्यक वोट हासिल करने की जुगत में लगे थे। वहीं, भाजपा की नीतियों और प्राथमिकताओं की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा शासित उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

बता दें कि शाह ने यूपीए सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि हम सभी ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शासन देखा है। पिछले १० वर्षों में हर दिन भारत में पाकिस्तान से कोई न कोई प्रवेश कर जाता था। पाकिस्तान से आकर वह आंतक फैलाता है। इसका कोई जवाबदेह भी नहीं होता था। फिर जनता ने नरेंद्र मोदी को पीएम के रूप में चुना। पाकिस्तान ने फिर भारत को आतंकित करने की कोशिश की लेकिन इस बार पीएम ने पुंछ और पुलवामा हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने १० दिनों में सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमला कर जवाबी कार्रवाई की। इससे पहले सिर्फ दो ही ऐसे देश थे, जो जवाबी कार्रवाई करते थे। अब मुंहतोड़ जवाब देने में भारत तीसरा देश बन गया है।

पानी की समस्या को लेकर बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : बुधवार को धनबाद जिला झरिया विधानसभा लोदना एरिया १० अंतर्गत बुढ़ीबांध में पानी की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक ग्रामीण के साथ महत्वपूर्ण बैठक किया जिसमें आम आदमी पार्टी द्वारा बीसीसीएल महाप्रबंधक लोदना एरिया १० को पूर्व में दिए आवेदन पर किसी तरह का वार्ता नहीं होने पर एक रिमाइंडर पत्र महाप्रबंधक के नाम धनबाद उपयुक्त तथा बीसीसीएल सीएमडी को दिया जिसमें उल्लेखित है कि ५ दिन के अंदर यदि ग्रामीणों के साथ वार्ता नहीं किया गया तो आम आदमी पार्टी के वेनर ताले ग्रामीणों के साथ आंदोलन करेंगे। आज के बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे आम आदमी पार्टी धनबाद जिला संयोजक अशोक महतो, जिला संरक्षक महेंद्र सिंह, जिला महासचिव मदन राम, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार, सनोज तिवारी, साहब शेख, जितेंद्र पासवान, अनवर अंसारी, बलदेव पंडित, गोविंद बाउरी, आकाश बाउरी, विनोद बाउरी, आस्तिक बाउरी, हार्दिक तिवारी, ध्रुव बाउरी, शाहिद अंसारी, साजिदा खातून, मो.अहमद अंसारी, निसार अंसारी, ऋषभ ओझा, नरेशा खातून, पाक़ीज़ा खातून, शकीला खातून, आयशा खातून, मोहम्मद अंसारी, साजिदा खातून, आसमा खातून, बिजली देवी, मंझियां देवी, शकीला बानो आदि लोगों उपस्थित थे।

नवजोत सिंह सिद्धू भी भाजपा की चौखट पर, युवराज उतरेंगे चुनावी रण में

नई दिल्ली(ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के रंग में रंगने की होड़ लगी हुई है। जो लोग भाजपा को छोड़ चुके थे वे फिर से आने को बेताब हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू के भाजपा में लौटने की जोरदार अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, भगवा पार्टी एक और पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को गुरदासपुर सीट से मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। दोनों को ही लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। बता दें कि सिद्धू किसानों के मुद्दों पर केंद्र के तरीकों के आलोचक रहे हैं। हालांकि, पंजाब कांग्रेस में वह अलगथलग पड़ते जा रहे हैं। वह पार्टी लाइन से अलग हटकर अपनी रैलियां निकाल रहे हैं। इसलिए कहा जा रहा है कि वह अपनी पुरानी पार्टी में वापसी करना चाहते हैं। इधर चर्चा है कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को भाजपा गुरदासपुर से चुनावी मैदान में उतार सकती है, जहां से सनी देओल सांसद हैं। शर्मा ने कहा, इसका हालिया संकेत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ उनकी मुलाकात है। इससे पहले भी भाजपा ने गुरदासपुर से विनोद खन्ना और देओल जैसे सेलिब्रिटी पैराशूट उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। कहा जाता है कि नवजोत सिंह सिद्धू के राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। इसके बावजूद पंजाब कांग्रेस में उनकी एक नहीं चल रही है। इस सबके बीच भाजपा नेताओं को लगता है कि वह अपनी मूल पार्टी में फिर से शामिल हो सकते हैं। उन्हें पंजाब से लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार भी बना सकती है। भाजपा के पदाधिकारी सोमदेव शर्मा ने कहा कि सिद्धू के पार्टी में शामिल होने के पुख्ता संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा, उनके शामिल होने की प्रत्याशा में अन्य भाजपा नेताओं और संभावित उम्मीदवारों के साथ चर्चा चल रही है।

पुलिस अधीक्षक ने किया रोजगार सृजन मेला का उद्घाटन

लोहरदगा (ससे): ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड के निर्देश पर पलाश जेएसएलपीएस द्वारा नगर भवन लोहरदगा में जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला-२०२४ का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि झारखण्ड में राज्य सरकार ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य की दिशा में काम के साथ-साथ रोजगार की दिशा में भी बेहतर कार्य किया है।

कार्यक्रम में युवाओं की इतनी संख्या से पता चलता है कि जेएसएलपीएस की टीम ने जिला में इस कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु बेहतर कार्य किया है। युवाओं के करियर को नई दिशा देने के लिए यह एक बेहतर कदम है। इस मेला में लड़कियों की संख्या अधिक होना बेहतर है।

एक महिला अगर को रोजगार मिलता है तो उससे पूरे परिवार को लाभ मिलता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अगर किसी को बाहर किसी राज्य में जाकर रोजगार करने में भय लगता है या वहां किसी प्रकार की परेशानी होती है तो जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह आपके साथ है। जेएसएलपीएस की जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनिता केरकेट्टा ने कहा कि कौशल विकास के तहत परिवार के एक सदस्य को कुशल बनाकर रोजगार से जोड़े जाने का कार्य किया जा रहा है। डीडीयूजीकेवाई के अंतर्गत १८-३५ वर्ष के युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिये जाने का कार्य किया जाता है और निश्चित आमदनी सुनिश्चित की जाती है। बाल संरक्षण पदाधिकारी बीरेंद्र कुमार द्वारा बताया गया कि बच्चों व महिलाओं के अधिकारों के लिए कई स्पॉन्सरशिप योजनाएं चलाई जा रही हैं। बच्चों को किसी प्रकार उसके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है तो टॉल फ्री नम्बर ११२ और महिलाओं से संबंधित मामलों के लिए टॉल फ्री नम्बर १८१ पर कॉल किया जा सकता है। बच्चों के मामले में बाल कल्याण समिति सुनवाई करती है।

कार्यक्रम में एन मुखर्जी, अमिताभ दास ने भी युवाओं को रोजगार संबंधित विषयों के बारे में जानकारी दी। जिला स्तरीय रोजगार सृजन कार्यक्रम में ७५६ युवाओं ने अपना पंजीकरण करवाया, जिसमें २५० युवाओं का विभिन्न पदों हेतु चयन भी किया गया। इन ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने हेतु १९ एंपलॉयर ने रोजगार मेले में हिस्सा लिया। इन सभी एंपलॉयर के द्वारा चयनित युवाओं में से सांकेतिक रूप से ५ लोगों को पुलिस अधीक्षक लोहरदगा के द्वारा जॉब ऑफर लेटर भी दिया गया तथा रोजगार सृजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जेआरपीएस कैडर एवम् बीपीएमएस को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रम अधीक्षक-सह-कौशल पदाधिकारी, बाल संरक्षण पदाधिकारी, सहित जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाएं एवं अन्य मौजूद थे।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की वर्ष २०२३-२४ की पहली बैठक बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी की अध्यक्षता में बोकारो निवास के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई. बैठक में भारत सरकार के राजभाषा विभाग, उप निदेशक (कार्यान्वयन) निर्मल कुमार दूबे सहित बीएसएल के अन्य अधिकारी तथा बोकारो नराकास के सदस्य संगठनों के प्रधान उपस्थित थे.

बैठक की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई. तत्पश्चात् बीएसएल के महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) एन ए सैफी ने अतिथियों का स्वागत किया. बीएसएल के सहायक महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) शशांक शेखर ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की स्थिति पर प्रकाश डाला. सदस्य संगठन के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी ने सभी को कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि नवीनतम तकनीकों, ई-टूल्स इत्यादि के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में मदद मिली है और इसे आगे भी गति देने की जरूरत है. उप निदेशक (कार्यान्वयन) निर्मल कुमार दूबे ने भी बोकारो नराकास में राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

बैठक के दौरान उपस्थित सभी सदस्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने राजभाषा के प्रचार-प्रसार को गति प्रदान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. अंत में उप महाप्रबन्धक(संपर्क एवं प्रशासन) श्री उमेश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

औषधि परियोजना के तहत जेनेरिक मेडिकल स्टोर का उद्घाटन

कोडरमा (ससे): कोडरमा सदर अस्पताल में दवा की सस्ती दुकान खुल गई है। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को सदर अस्पताल में भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देश के ११७५२वें जेनेरिक मेडिकल स्टोर का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक डॉक्टर नीरा यादव भी मौजूद थी। इस जन औषधि केंद्र में सभी तरह की बीमारियों की दवाओं के अलावे सर्जिकल आइटम उपलब्ध रहेंगे। सदर अस्पताल के चिकित्सकों को भी मरीज के लिए जेनेरिक दवा प्रिसक्राइब करने की सलाह दी गई है। जन औषधि केंद्र का संचालन किरण इंटरप्राइजेज की ओर से किया जाएगा। यह जन औषधि केंद्र सदर अस्पताल स्थित सिविल सर्जन कार्यालय के निचले तल्ले में अवस्थित है। इस मौके पर मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि लोगों को सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है और इसी के तहत आज देश के ११७५२वें जन औषधि केंद्र का शुभारंभ सदर अस्पताल परिसर में किया गया है। वही विधायक डॉक्टर नीरा यादव ने कहा कि सदर अस्पताल के चिकित्सकों के अलावे अन्य चिकित्सक भी मरीज को जेनेरिक दवाओं की सलाह देंगे तो दवा के ऊपर होने वाले मोटे खर्च से लोगों की बचत होगी।

बजट सत्र राज्य के साथ पूरे विस क्षेत्र के लिए भी होगा लाभकारी : विधायक रामचंद्र सिंह

लातेहार (ससे): आगामी २३ फरवरी से २ मार्च तक झारखंड विधानसभा का बजट सत्र चलेगा। इस बजट सत्र में झारखंड सरकार अपनी उपलब्धियां को गिनाने के साथ-साथ बजट पेश करेगी। मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह ने इस बजट सत्र को राज्य के साथ-साथ पूरे मनिका विधानसभा क्षेत्र के लिए काफी लाभकारी बजट होने की बात कही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के द्वारा राज्य के सभी वर्गों के विकास को लेकर बजट पेश करने वाली है। जिसका लाभ सभी क्षेत्र और वर्गों के विकास के लिए कारगर साबित होगा।

वही बजट सत्र के दौरान विशेष तौर पर बरवाडीह प्रखण्ड के मंडल मार्ग, बरवाडीह में डिग्री कॉलेज, हाल सर्वे में हुई गड़बड़ी के सुधार के मामले, जिले के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के विकास समेत कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन व सरकार का ध्यानाकर्षण कराया जाएगा। विधायक रामचंद्र सिंह ने बताया कि राज्य की चंपई सरकार के द्वारा सरकार के कार्यों को तेज गति देने के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति के विकास को लेकर अबुआ आवास, सर्वजन पेंशन योजना समेत कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारा है। आने वाले कुछ महीनो में कई अन्य महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की जाएगी जिसका लाभ पूरे प्रदेश की जनता को मिलेगा।

नाइट लैंडिंग पर गठित समिति ने स्थल का किया निरीक्षण

देवघर (ससे): देवघर एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग की सुविधा को लेकर बाधक सात ऊंचे भवनों को हटाने से जुड़े मामलों के निराकरण को लेकर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर के द्वारा समिति का गठन किया गया है। अपर समाहर्ता के अगुवाई में गठित समिति द्वारा बुधवार को स्थल निरीक्षण किया गया। समिति द्वारा एयरपोर्ट के समीप चिन्ह्ति कुल ०७ मकानों को नियमानुसार हटाने की कार्रवाई करने, संदर्भित भवन के टूटने, हटाने वाले भाग को अविलम्ब कलर कोर्डिंग अंकित किया गया, ताकि तत्संबंधी अनुपालन सुनिश्चित करते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जा सके।इसके अलावा उपायुक्त विशाल सागर द्वारा जानकारी दी गई कि चिन्ह्ति कुल ०७ मकानों के हट जाने से देवघर एयरपोर्ट सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

साथ ही देवघर एयरपोर्ट से अन्य जगहों के लिए फ्लाइट के आवागमन की सुविधा भी बढ़ेगी और देश-विदेश से श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर आसानी से पहुँच सकेंगे।निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता संजय दास, संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

दामोदर कसेरा ने कार्यपालक अभियंता से मिलकर पानी की समस्या से अवगत कराया

गुमला (ससे): गुमला नगर परिषद क्षेत्र में पिछले चार दिनों से पानी की सप्लाई बंद रहने से शहर वासियो को हो रही पानी कि समस्या को लेकर गुमला चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने पीएचडी के कार्यपालक अभियंता से मिलकर समस्या से अवगत कराते हुए निराकरण करने की मांग की है।

वहीं चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष से पीएचडी के कार्यपालक अभियंता मंतोष कुमार मनी ने बताया की गुमला शहर में बार बार पानी की सप्लाई में आ रही परेशानी का कारण गुमला की जनता से गुमला नगर परिषद पानी का सारा टेक्स वसूलती है। ऐसे उनकी भी जिम्मेदारी बनती है की नगर परिषद क्षेत्र में पानी का सप्लाई सुचारु रूप से हो इस पर ध्यान दें किन्तु नगर परिषद अपनी जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ते नजर आती है।

जबकि इसके लिए विभागीय सचिव का आदेश आया हुआ है की नगर परिषद गुमला शहर में जलापूर्ति का सारा कार्य देखेगी। परंतु आदेश की अनदेखी हो रही है।

हत्याकांड का खुलासा, पुलिस ने 2 अपराधियों को किया गिरफ्तार

खूंटी (ससे): किसान घंसु ओड़ेया हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। हत्याकांड में शामिल दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जबकि हत्या में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। सायको थाना क्षेत्र के रुगड़ी गांव निवासी नंदू लोहरा और पाण्डेया पूर्ति उर्फ लाको को पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, मृतक का मोबाइल और खून लगा मफलर बरामद किया है।

डीएसपी वरुण कुमार रजक ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि विगत पांच फरवरी को अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा घर में घुसकर लाठी-डंडा तथा कुल्हाड़ी से मारकर हत्या की गयी थी। हत्याकांड को गंभीरता से देखते हुए एसपी अमन कुमार के निर्देश पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम बनाई गई थी। गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर घटना में संलिप्त दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और इनके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, मृतक का मोबाईल एवं खून लगा मफलर बरामद किया गया है। अपराधियों ने पुलिस को बताया कि आपसी रंजिश के कारण घंसु ओड़ेया की हत्या कर दी गई। पुलिस को दिए बयान में आरोपियों ने बताया कि हत्या से कुछ दिन पूर्व हड़िया पीने के दौरान झगड़ा हो गया था। बताया जा रहा है कि कुछ रुपये की लेनदेन के कारण झगड़ा हुआ था और उसके कुछ दिन बाद ही अपराधियों ने योजनाबद्ध तरीके से उसके घर घुसकर उसकी हत्या कर दी। हत्या से पूर्व मृतक ने अपराधियों से कुछ देर तक खुद का बचाव किया था लेकिन अपराधी अधिक होने के कारण अपराधियों ने घंसु की हत्या कर दी। बता दें कि घंसु मरने से पहले अपराधियों पर भी हमला किया था और उस हमले से एक अपराधी का तीन अंगुली घटनास्थल पर ही कटकर गिर गया था। अंगुली कटे अपराधी मुनी पूर्ति उर्फ डेके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उसका ईलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। डीएसपी ने बताया कि हत्याकांड का अनुसंधान जारी है। कुछ और खुलासे होने की संभावना है। गौरतलब है कि इस हत्याकांड में शामिल अपराधी नंदू लोहरा और पाण्डेया पूर्ति ने वर्ष २०२२ में सायको थाना क्षेत्र के छोटा जीवरी गांव में डायन बिसाही के आरोप में एक महिला की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी थी।छापेमारी टीम में मुरहू थाना प्रभारी मोहम्मद इकबाल हुसैन, पुअनि दिगंबर पांडे, विक्की ठाकुर, लक्ष्मण चौधरी, मुरहू थाना के सशत्र बल समेत सैट एवं जैप के जवान और तकनीकी टीम शामिल थे।

जेवर दुकान से दो लॉकेट ले महिला फरार

सरायकेला खरसावां (ससे): सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना रोड स्थित मुकेश ज्वेलर्स (पुराना) में ग्राहक बनकर आयी एक महिला ने सोने के दो लॉकेट पर हाथ साफ किया है । महिला ने ज्वेलरी शॉप के कर्मचारियों से सोने के लॉकेट दिखाने को कहा । इस बीच मौका देख महिला ने दो लॉकेट अपने जेब में रख दुकान से फरार हो गई।मुकेश ज्वेलर्स के प्रोपराइटर जगन्नाथ प्रसाद ने बताया कि एक सभ्रांत घर की दिखने वाली महिला ग्राहक बनकर दुकान पर आई, जहां महिला ने सोने के लॉकेट दिखाने को कहा , लॉकेट देखने के बहाने महिला ने तीन-तीन ग्राम के दो लॉकेट बड़े ही सफाई से अपने जेब में रख लिए । कुछ देर तक महिला ने प्रोपराइटर जगन्नाथ प्रसाद को अपने बातों में उलझाए रखा और बाद में महिला ने लॉकेट पसंद ना आने की बात कह कर दुकान से बाहर निकल गई ।

इस बीच ज्वेलरी शॉप के मालिक जगन्नाथ प्रसाद ने पाया कि महिला को दिखाए गए लॉकेट डिजाइन में से दो लॉकेट गायब हैं। वे फौरन दुकान के बाहर थाना रोड पर निकले तब तक महिला रफू चक्कर हो चुकी थी । महिला द्वारा किए गए इस चोरी की घटना को सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है । इधर दुकानदार ने आदित्यपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज की है जिसके बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है।

मातृभाषा दिवस केअवसर पर आमरा बंगाली द्वारा निकाली गई रैली

जमशेदपुर (ससे): अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का अवसर पर बुधवार को आमरा बंगाली द्वारा रैली निकाली गई। जो साकची आम बागान सुभाष चंद्र बोस मैदान से निकली और विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते हुए बाद में साकची गोल चक्कर में सभा में बदल गई। इस अवसर पर जुलूस का नेतृत्व करती हुई महिला ने बताई की झारखंड में ८०% लोग बांग्ला भाषी है। इसलिए बांग्ला भाषा को प्रथम राजभाषा बनाई जाए। इसकी शिक्षा प्राथमिक विद्यालय से लेकर कालेज स्तर तक होनी चाहिए। चूंकि झारखंड में हिंदी की पढ़ाई हो रही है, इसलिए लोग अपनी मातृभाषा भूलते जा रहे हैं।

भारी मात्रा में देशी शराब किया गया नष्ट

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह जिले में महुआ शराब की चुलाई कुटीर उद्योग का रूप ले लिया है। गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा की सख्ती के बाद भी देशी शराब निर्माण पर पूरी तरह से रोक लग नहीं पा रहा है। जमुआ थाना क्षेत्र में पुलिस ने बांधा टांड़, चचघरा में छापा मारकर भारी मात्रा में जावा महुआ और शराब ज़ब्त किया और फिर उसे नष्ट कर दिया है है। एसपी ने बताया कि मनोज मंडल,झंडू मंडल और सुरेंद्र मंडल के दर्जनों देसी शराब की भट्ठियों को तोड़ा गया तथा जावा महुआ को नष्ट किया गया। पुलिस ने देशी शराब को भी नष्ट कर दिया है। एसपी ने सभी थाना प्रभारी को अवैध शराब निर्माण पर रोक लगाने का आदेश दिया हैं।

जिला परिषद बोर्ड की बैठक संपन्न

सरायकेला-खरसावां (ससे): सरायकेला-खरसावां जिला परिषद बोर्ड की बैठक अध्यक्ष सोनाराम बोदरा के अध्यक्षता में बुधवार को परिसदन में हुई। बैठक में १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत जिले में बची राशि को जल्द से जल्द खर्च करने का निर्णय लिया गया है।

लोकसभा चुनाव के आचार संहिता लगने से पूर्व १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों में योजनाओं का चयन कर स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी ,ताकि आचार संहिता के दौरान भी विकास कार्य प्रभावित न हो ।बोर्ड की बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत जिले में राशि बची हुई है।

फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार, देसी कट्टा बरामद

जमशेदपुर (ससे): सोनारी थाना क्षेत्र के निर्मल नगर में १८ फरवरी की रात रवि महतो नामक युवक पर फायरिंग हुई थी। रवि महतो देर रात लगभग १२:०० बजे घर से पेशाब करने के लिए निकला था, तो उस पर फायरिंग कर दी गई थी। गोली रवि महतो के कमर को छूती हुई निकल गई थी। रवि महतो ने अगले दिन १९ फरवरी को सोनारी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में निर्मल नगर के ही रहने वाले गोलू मछुआ और उसके अन्य साथियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सिटी एसपी मुकेश लुणायत ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सोनारी थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों की एक टीम गठित की थी। पुलिस कर्मियों ने आरोपी गोलू मछुआ को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को एसएसपी ऑफिस में डीएसपी मुकेश लुणायत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गोलू मछुआ को पत्रकारों के सामने पेश किया और उसके बाद एमजीएम अस्पताल में मेडिकल जांच कराने के बाद जेल भेज दिया। सिटी एसपी ने बताया कि गोलू मछुआ के पास से एक देसी कट्टा भी बरामद हुआ है। गोलू मछुआ ने अपने इस अपराध में कुछ अन्य साथियों के नाम भी बताया है।

पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है। गोलू मछुआ को गिरफ्तार करने वाली टीम में पुलिस अवर निरीक्षक मोहन कुमार सिंह, सुंदर सोरन, हवलदार शिबू मरांडी, आरक्षी याकूब लाखो मिंज और विजय महतो शामिल थे।

पृष्ठ एक का शेषांश

राज्यवासियों को मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी---

राज्य सरकार का जब गठन हुआ तब झारखंड के आदिवासी मूलवासी सहित सभी वर्ग समुदाय की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति कैसी थी यह किसी से छुपा नहीं है। हमारी सरकार ने शुरुआती दिनों से ही इन स्थितियों को सुधारने का प्रयास कर रही है। एक-एक झारखंड वासियों को उनका हक-अधिकार देने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। सभी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुधारने का भरपूर प्रयास कर रही है। हम चाहते हैं कि यहां के गरीब, मजदूर, किसान के बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन प्राप्त हो। यहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के सरकारी स्कूलों को उत्कृष्ट विद्यालयों के रूप में परिवर्तित करने का कार्य किया है। हमारी सरकार राज्य में संचालित सरकारी विद्यालयों को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस एवं मॉडल स्कूल के रूप में अपग्रेड करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने राज्य में संचालित ५ हजार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने का कार्य किया था जिससे हमारे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी, दलित, पिछड़े, मजदूर एवं किसान वर्ग के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हमारी सरकार की सोच है कि इन वर्ग-समुदाय के बच्चे भी पढ़ लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, सरकारी ऑफिसर बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति राशि को ३ गुना तक बढ़ाने का कार्य किया गया है। उच्च शिक्षा ग्रहण करने में पैसा रोड़ा न बने इसके लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई है। अब गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे भी विदेश में पढ़ाई कर सके इस निमित्त मरांग गोमके छात्रवृत्ति योजना संचालित की गई। अब तक सैकड़ों की संख्या में झारखंड के विद्यार्थियों ने विदेश के कई जाने-माने शिक्षण संस्थाओं से डिग्रियां हासिल की हैं। हमारी सरकार शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करने का निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के सभी वर्ग-समुदाय के लोगों की धार्मिक आस्था को सम्मान दिया जा रहा है। राज्य के सभी धार्मिक स्थलों को संरक्षित करने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। किसी भी व्यक्ति के धार्मिक आस्था पर ठेस न पहुंचे इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है।इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री रामेश्वर उरांव, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपक बिरुवा, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक जिग्गा सुसारन होरो, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, परिवहन विभाग के सचिव कृपानंद झा, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर, आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर दशरथ चंद्र दास, पुलिस उपमहानिरीक्षक अनूप बिरथरे सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण, तीनों जिलों से पहुंचे लाभुक तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक---

खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. शुरुआत में अदालत ने कहा कि ये नियम केवल महिलाओं पर लागू होते हैं और इन्हें स्पष्ट रूप से मनमाना माना जाता है। यह नियम केवल महिला नर्सिंग अधिकारियों पर लागू था. इस तरह का नियम स्पष्ट रूप से मनमाना था, क्योंकि महिला की शादी हो जाने के कारण रोजगार समाप्त करना लैंगिक भेदभाव और असमानता का एक बड़ा मामला है।

लेजर हथियार दुर्गा-2 बनाने में---

कि नई दिल्ली में मौजूद लेजर साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (एलएसटीसी) नई जेनरेशन का लेजर सिस्टम बना रहा है। कहा जाता है कि लेजर वेपन दुर्गा-२ प्रोजेक्ट बेहद गुप्त रखा गया था। बताया गया था कि इस हथियार को जमीन, समंदर और हवाई प्लेटफॉर्म पर तैनात किया जाएगा। एलएसटीसी ने इस बात की रिपोर्ट की थी कि वे २५ किलोवॉट का लेजर हथियार बनाने में सफल हो गई है। जो बैलिस्टिक मिसाइल को टारगेट बना सकता है। लेकिन इसकी रेंज ५ किलोमीटर है। लेजर एक्सपर्ट्स ने कहा कि पहले इसकी रेंज बढ़ानी होगी।

आतंकवाद के खिलाफ---

'हमने कृषि क्षेत्र में भारत और यूनान के बीच सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया.

56 में से 41 सीटों पर---

एनसीपी, शिव सेना, बीआरएस और जेडी (यू) को एक-एक सीटें मिली हैं। चूंकि इन ४१ सीटों पर कोई अन्य उम्मीदवार मैदान में नहीं थे, इसलिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों ने नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख पर उन्हें विजेता घोषित कर दिया। नड्डा और तीन अन्य भाजपा प्रत्याशियों-जसवंतसिंह परमार, मयंक नायक और हीरा कारोबारी गोविंदभाई ढोलकिया को गुजरात से विजेता घोषित किया गया। राजस्थान से सोनिया गांधी निर्विरोध चुनी गईं, साथ ही भाजपा के चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ भी निर्विरोध चुने गए। महाराष्ट्र के सभी छह उम्मीदवार भाजपा के चव्हाण, मेधा कुलकर्णी और अजीत गोपछड़े; शिवसेना के मिलिंद देवड़ा, प्रफुल्ल पटेल (एनसीपी) और चंद्रकांत हंडोरे (कांग्रेस) को निर्विरोध चुना गया। इसी तरह बिहार में जदयू के संजय कुमार झा, भाजपा के धर्मशीला गुप्ता और भीम सिंह, राजद के मनोज कुमार झा और संजय यादव और कांग्रेस के अखिलेश प्रसाद सिंह जीते। पश्चिम बंगाल से टीएमसी की सुष्मिता देव, सागरिका घोष, ममता ठाकुर और भाजपा के मोहम्मद नदीमुल हक और समिक भट्टाचार्य को विजेता घोषित किया गया। केंद्रीय मंत्री मुरुगन, वाल्मिकी धाम आश्रम के प्रमुख उमेश नाथ महाराज, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर और मध्य प्रदेश बीजेपी की महिला विंग की अध्यक्ष माया नारोलिया ने मध्य प्रदेश में बीजेपी के लिए चार सीटें हासिल कीं, जबकि कांग्रेस के अशोक सिंह भी निर्विरोध जीते।

वहीं ओडिशा से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव (भाजपा) और बीजद के देबाशीष सामंत्रे और सुभाशीष खुंटिया, वाईएसआर कांग्रेस के उम्मीदवारों, जी बाबू राव, वाई वी सुब्बा रेड्डी और एम रघुनाथ रेड्डी ने आंध्र प्रदेश की सभी तीन सीटें जीतीं, जबकि पड़ोसी तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस को दो सीटें में रेणुका चौधरी और अनिल कुमार यादव और बीआरएस को एक सीट मिली, जिस पर वी रविचंद्र को जीत मिली है। उत्तराखंड में भाजपा उम्मीदवार महेंद्र भट्ट, सुभाष बराला (हरियाणा), देवेंद्र प्रताप सिंह (छत्तीसगढ़) निर्विरोध चुन लिए गए हैं।

सरकार का ऑफर, किसानों का इंकार---

भी सफेद झंडा लहरा दिया। फिलहाल दोनों तरफ से शांति बनी हुई हैं। इससे पहले दिनभर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों और पुलिस के बीच टकराव चला। पुलिस रबर बुलेट और आंसू गैस के गोले छोडक़र किसानों को दिनभर रोका। इधर खनौरी बॉर्डर पर एक युवा किसान की मौत हो गई है। किसान पंजाब के बठिंडा का रहने वाला था। उसके अलावा १२ अन्य किसान भी घायल हैं, इनमें से दो की हालत गंभीर है। वहीं टोहाना बॉर्डर पर तैनात एसआई विजय कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जींद के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने बताया- किसान आंदोलन के दौरान कुछ लोगों ने धान की पराली में आग लगाकर और मिर्ची डाल दी। इसके बाद पुलिस पर हमला कर दिया। धुआं ज्यादा होने की वजह से काफी किसानों ने तलवार, भालों और गंडासों से पुलिस पर हमला किया। हमले में १२ पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शंभू बॉर्डर पर लगातार आंसू गैस छोड़े जाने से किसान आंदोलन के कोऑर्डिनेटर सरवण पंधेर को आंसू गैस का एक्सप्लोजर हुआ है, उन्हें प्रदर्शन स्थल से बाहर ले जाया गया। आंदोलन के दूसरे बड़े नेता जगजीत डल्लेवाल को भी आंसू गैस की वजह से सांस लेने में प्रॉब्लम हुई है। उन्हें भी बाहर ले जाया गया। भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत या राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ट्रैक्टर मार्च में शामिल होकर मेरठ पहुंचे।

झारखंड वोटर अवेयरनेस को लेकर कार्यशाला आयोजित

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में बुधवार को स्वीप कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में जिले के स्थानीय फिल्मकार/निर्देशक एवं सोशल मीडिया इनफ्लूएंसरों के साथ बैठक हुई। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, स्वीप नोडल पदाधिकारी सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीएमएफटी सेल के शुभांकर आदि उपस्थित थे।

मौके पर स्वीप कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया ने सभी फिल्मकार/निर्देशक, सोशल मीडिया इनफ्लूएंसरों को झारखंड वोटर अवेयरनेस ड्कॉन्टेट् से जुड़ने एवं मतदान करने के लिए जिलावासियों के प्रेरित करने के लिए रिल्स,शॉर्ट फिल्म, म्यूजिक वीडियो, पोस्टर मेकिंग आदि बनाने को कहा। उन्होंने जिला स्तर पर भी ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करने की बात कहीं।

मौके पर स्वीप नोडल पदाधिकारी सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य बोकारो के विभिन्न कोटि के कलाकारों जैसे चित्रकार, संगीतकार, गीतकार, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर, लघु फिल्म निर्देशक आदि को झारखंड वोटर अवेयरनेस ड्कॉन्टेस्ट् के बारे में विस्तृत जानकारी देना तथा प्रतियोगिता के नियमों से उनको अवगत कराना है।

कार्यशाला में पहुंचे कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक अच्छा मौका है जब वे लोकतंत्र के महापर्व के प्रचार प्रसार में भागीदार बनकर न केवल अपनी कला का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कर सकते हैं, बल्कि उनके सामने पुरस्कार जीतने का भी अवसर है। बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रांची द्वारा झारखंड वोटर अवेयरनेस ड्कॉन्टेस्ट आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत शॉर्ट फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो, रील मेकिंग तथा पोस्टर मेकिंग जैसी चार कोटि की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए विस्तृत जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

इस प्रतियोगिता की आखिरी तिथि ३१ मार्च २०२४ रखी गई है। सभी कोटियों में प्रविष्टियां प्राप्त होने के उपरांत मुख्यालय स्तर पर गठित निर्णायक मंडली द्वारा उनमें से बेहतर रचनाओं को चयनित करते हुए प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय को पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कारों का निर्णय करते समय संबंधित प्रतिभागी के सोशल मीडिया इंगेजमेंट को भी आधार बनाया जाएगा। उपस्थित सभी सोशल मीडिया इनफ्लूएंसरों को प्रतियोगिता की थीम,टैग एवं हैश टैग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। सभी ने समाहरणालय में लगे आइ एम रेडी टू वोट सेल्फी स्टैंड में फोटो खिंचवाई एवं मतदाता प्रतिज्ञा को लेकर हस्ताक्षर किया।

पोक्सो एवं जेजे एक्ट पर कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली तथा झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो संतोष कुमार की अध्यक्षता में आज दिनांक २१.०२.२०२४ को जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो की ओर से न्याय के तहत पोक्सो एक्ट एवं जे. जे. एक्ट पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो संतोष कुमार, के द्वारा दी प्रज्ञवलन कर कार्यकम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय बोकारो राजीव रंजन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो नीभा रंजना लकड़ा, सब जज तींदा खान एवं प्रभारी न्यायाधीश, डॉ एच के मिश्रा, डॉ विनीता, पुलिस अधीक्षक पवन वर्णवाल एवं लोक अभियोजक विरेन्द्र कुमार, बाल कल्याण समिति के सदस्यगण बोकारो, एल०ए०डी०सी०एस० अधिवक्ता, सदस्यगण एवं अन्य अधिवक्तागण, सरकारी विभागों के पदाधिकारीगण, पुलिस विभाग के पदाधिकारीगण, कर्मचारीगण, मीडिया कर्मीगण, पी०एल०वी०, आदि उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार ने कहा कि* पोक्सो एक्ट लागू होने में १० वर्ष से अधिक का समय हो चुका है इसके बावजूद हमारे देश और समाज में छोटे-छोटे बच्चों के प्रति लैंगिक अपराधों में कमी नहीं हो रही है।

बच्चों को लैंगिक अपराधो से बचाने के लिए कानून के साथ-साथ इसके सभी स्टेकहोल्डर्स को भी संवेदनशील होकर कार्य करने की जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए नालसा, नई दिल्ली और झालसा राँची की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होनें कहा कि अपने बच्चों से हर छोटी-बड़ी समस्या के बारें में पूछें और उनसे मित्रता पूर्वक व्यवहार करें।

पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन ने पोक्सो केस की जांच में पुलिस पदाधिकारियों, चिकित्सकों, विशेष लोक अभियोजन, प्रोबेशन पदाधिकारी सहित अन्य लोगों की भूमिका तथा उनके क्षमता संवर्द्धन के बारे में जानकारी दी। उन्होने जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के इस्तेमाल की भी बात कही। तदोपरांत, डॉ विनिता, पुलिस उपाधीक्षक, अधिवक्ता प्रीती द्वारा पोक्सो मामलों में अपने अनुभव साझा किये गये। उक्त जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो के सचिव नीमा रंजना लकड़ा के द्वारा दी गई।

आईएसपी में आरपीएल प्रशिक्षित श्रमिकों का दीक्षांत समारोह

बर्णपुर (ससे): सेल आईएसपी, बर्नपुर के फिटर और इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के विभिन्न विभागों में कार्यरत २३० अनुबंध श्रमिकों के कौशल और अनुभव को भारत सरकार की कौशल भारत पहल की आरपीएल प्रशिक्षण योजना के तहत दीक्षांत समारोह के माध्यम से सराहा गया एवं मान्यता दी गयी। कॉन्वोकेशन सेरेमनी के दौरान निदेशक प्रभारी (बर्नपुर और दुर्गापुर स्टील प्लांट) बी पी सिंह, आईएसपी के कार्यात्मक प्रमुख और आईआईएसएसएससी के सीईओ सुशीम बनर्जी उपस्थित रहे।

९ जून, २०२३ को आईएसपी, आरपीएल योजना के कार्यान्वयन के लिए मेसर्स इंडियन आयरन एंड स्टील सेक्टर स्किल काउंसिल (आईआईएसएसएससी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाली सेल की पहली इकाई बनी। यह योजना सीएसआर फंड के सहयोग से आईएसपी में अनुबंध कार्यबल की योग्यता बढ़ाने पर केंद्रित है। प्रशिक्षण पास किये प्रतिभागियों को कौशल भारत मिशन के तहत कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार से प्रमाण पत्र और ५०० रुपये के एकमुश्त वित्तीय प्रोत्साहन से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन के दौरान, निदेशक प्रभारी श्री सिंह ने अनुबंध श्रमिकों को मानकों के बारे में जागरूक करने के लिए औपचारिक और संरचित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। संयंत्र में काम करने के लिए सुरक्षा और एसओपी प्रोटोकॉल के बारे में सभी को जागरूक करना हमारी प्रतिबद्धता है । उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में आईएसपी के सभी अनुबंधित श्रमिकों की योग्यता में व्रद्धि कर उन्हें सर्टिफाई किया जायेगा।

मतदान प्रतिशत को बढ़ाने एवं मतदाताओं को जागरूक करने को ले बैठक

बोकारो (ससे): लोकसभा आम चुनाव २०२४ में जिले के मतदान प्रतिशत को बढ़ाने एवं मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर स्वीप कोषांग ने कार्य करना तेज कर दिया है। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में स्वीप कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में बैठक हुई।

मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार,जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, श्रम अधीक्षक प्रवीण कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, स्वीप नोडल पदाधिकारी सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहायक नगर आयुक्त चास प्रियंका कुमारी आदि उपस्थित थे।

मौके पर स्वीप कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया ने कहा कि जिले का मतदान प्रतिशत अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। शहरी उदासीनता एवं काफी संख्या में पीएसयू के तहत कार्य करने वाले पदाधिकारी/ कर्मियों का स्थानांतरण/ आना - जाना मुख्य कारणों मे से एक है। उन्होंने सभी पीएसयू के प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि वह अपने यहां काम करने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों एवं उनके परिजनों का शतप्रतिशत मतदाता सूची में नाम पंजीकरण करवाएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन/ जिला निर्वाचन कार्यालय से उन्हें जिस भी सहयोग की आवश्यकता होगी उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वीप कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर नगर आयुक्त ने पीएसयू को मतदाता पंजीकरण के लिए तिथि निर्धारण कर शिविर लगाने और मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने पर कार्य करने को कहा।

मौके पर उपस्थित जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री धीरेंद्र कुमार ने सभी पीएसयू को गठित मतदाता जागरूकता फोरम (वीएएफ) को अत्याधिक क्रियाशील बनाने को कहा। उन्होंने विस्तार से मतदाता जागरूकता फोरम के कार्य दायित्व के संबंध में बताया। उन्हें वोटर हेल्प लाइन, सी.विजिल एप, मतदाता सूची में नाम पंजीकरण कैसे करें,फार्म ०६,०६ए, ०६बी एवं फार्म ०७ - ०८ आदि की जानकारी दी। इससे पूर्व,मौके पर उपस्थित सीएसआर नोडल श्री शक्ति कुमार ने कंपनी प्रतिनिधियों से क्रमवार उनके यहां कार्यरत पदाधिकारी/ कर्मियों की संख्या की जानकारी ली। उन्हें एक - दो दिन में उनके द्वारा मतदाता जागरूकता को लेकर किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार कर जिला स्वीप कोषांग को समर्पित करने को कहा।

वहीं, चेंबर आफ कामर्स बोकारो के प्रतिनिधियों के साथ भी .स्वीप कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर नगर आयुक्त ने बैठक की। उन्हें व्यवसायिक वर्ग के लोगों/ ग्राहकों/ आमजनों आदि को मतदान करने के लिए जागरूक/प्रेरित करने को कहा। प्रस्तावित कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार कर कोषांग को उपलब्ध कराने को कहा।

डुगडुगिया,बरमसिया,रांगा माटी के लोगों को मिलेगी पेयजलापूर्ति की सुविधा

डुमरी (ससे): बहुत जल्द रांगामाटी डुगडुगिया एवं बारमसिया के ग्रामीणों को मिलेगी सप्लाई पानी की सुविधा। उक्त जानकारी जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने दी है। उन्होंने कहा कि रोशनाटुंडा ग्रामीण जलापूर्ति योजना अंतर्गत रांगामाटी पंचायत के डुगडुगिया, बरमसिया, रांगामाटी में करीब २ वर्ष पूर्व पाइप बिछाई गई थी परंतु सप्लाई पानी की एक बूंद ग्रामीणों को नसीब नहीं हुई जिसकी मुख्य कारण था रेलवे पटरी से पाइप पास करने हेतु रेलवे द्वारा अनुमति ना मिलाना,जिसको लेकर उन्होंने गिरिडीह उपयुक्त अनुरोध कर एवं जिला परिषद की बैठक में इस मुद्दे को लगातार उठाते रहे जिसके बाद रेलवे द्वारा पाइप पास करने के अनुमति देने उपरांत रेलवे पटरी से जलापूर्ति की पाइप पार करने के लिए बुधवार से ड्रिल का काम प्रारंभ हो गया।

वृद्धावस्था पेंशन योजना को लेकर दूसरे दिन भी शिविर आयोजित

कोडरमा (ससे): कोडरमा मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना अंतर्गत न्यूनतम उम्र सीमा ६० वर्ष घटाकर ५० वर्ष राज्य की महिलाओं तथा अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्तियों के लिए को योजना का लाभ देने के लिए दूसरे दिन भी पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर दिनांक २० से २२ फरवरी २०२४ तक जिले के सभी पंचायतों में आयोजन किया जा रहा है। सभी पंचायतों में आयोजित शिविर में लाभुकों का आवेदन प्राप्त किया गया।

सेविका, रोजगार सेवक, पंचायत सचिव द्वारा घर घर जाकर लाभुकों का आवेदन एकत्रित किया गया। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग कोडरमा श्री नीतीश कुमार निशांत ने अपील करते हुए कहा कि दिनांक २२ फरवरी २०२४ को जिले के सभी पंचायतों में शिविर का अंतिम दिन है। शिविर में आकर अधिक से अधिक आवेदन करें और योजना का लाभ लें।

सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग कोडरमा श्री नीतीश कुमार निशांत ने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ लेने हेतु मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साइज दो फोटो आवश्यक दस्तावेज़ लेकर शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लें और योजना का लाभ लें ।

कॉलेज के छात्र- छात्राओं को दी गयी मतदान प्रणाली की जानकारी

डुमरी (ससे): लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं में जागरूक्ता लाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत बुधवार को पारसनाथ इंटर महाविद्यालय इसरीबाजार के ११वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति डुमरी अनुमण्डल कार्यालय सभागार में हुई जिसमें कॉलेज के प्राचार्य प्रो अलाउद्दीन अंसारी और अध्यापकगण भी उपस्थित हुए।उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदान प्रणाली के बारे में बताया गया।इस दौरान ईवीएम मशीन पर कैसे वोटिंग किया जाता है और ईवीएम मशीन कैसे कार्य करता है उसकी जानकारी दी गई।

उपस्थित छात्र-छात्राऐं मानव श्रृंखला बनाते हुए महाविद्यालय से चलकर अनुमण्डल कार्यालय स्थित ईवीएम जागरूकता केन्द्र पहुंचे। छात्र छात्राओं के हाथों में मतदान को लेकर जागरूकता से संबंधित तख्ती थे।ईवीएम मशीन एवं मतदान के बारे में जानकारी प्राप्त कर छात्र-छात्राऐं काफी उत्साहित दिखे। सभी छात्र-छात्राऐं १७ वर्ष के आसपास उम्र के थे जो आनेवाले कुछ महिनों में मतदाता बनने के पात्र हो जाऐंगे। ऐसे में उन्हे बताया गया कि आप आगामी चुनाव में ईवीएम से कैसे मतदान कर सकते हैं।

क्वालिटी मंथ के पुरस्कार वितरण के साथ एकीकृत प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का किया गया लॉन्च

बोकारो (ससे): मानव संसाधन विभाग में बिजनेस एक्सीलेंस क्वालिटी मंथ'-२०२३ का पुरस्कार वितरण एवं एकीकृत प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का शुभारम्भ अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद द्वारा किया गया.

बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सी आई टी) ए.बंकिरा एवं सी एंड आईटी, कार्मिक, मानव संसाधन विकास, सामग्री प्रबंधन, बीजीएच और नगर प्रशासन ,बिजनेस एक्सीलेंस विभाग तथा आईएसओ सिस्टम के अधिकारीगण शामिल थे.

नया एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) पोर्टल अजीत कुमार चौधरी, महाप्रबंधक (सी एंड आईटी), सुनीत कुमार, महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) के मार्गदर्शन में मनोज कुमार, उप महाप्रबंधक (सी एंड आईटी), श्वेता रॉय, प्रबंधक (सी एंड आईटी), विमल मीणा, सहायक प्रबंधक (सी एंड आईटी) और सागरिका साहू, प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) की टीम के द्वारा विकसित किया गया है.

नया आईएमएस पोर्टल ज्ञान प्रबंधन की सुविधा के डिजिटलीकरण के रूप में विक्सित किया गया है जिसके माध्यम से आईएसओ प्रबंधन प्रणालियों के दस्तावेजों के ऑनलाइन रखरखाव के लिए यह एक लाइब्रेरी के रूप में काम करेगा।

इस नए पोर्टल के माध्यम से आईएसओ प्रबंधन प्रणालियों के दस्तावेजों को अपलोड करना,आदान-प्रदान करने में सहायता मिलेगी तथा यह पोर्टल डिजिटल ज्ञान भंडार के रूप में काम करेगा.

इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद तथा मुख्य महाप्रबंधक (सी आई टी) ए.बंकिरा ने क्वालिटी मंथ'-२०२३ के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए. निबंध प्रतियोगिता में आशीष रंजन (आरसीएल), वी अरुण बाबू (भंडार), सरोज कुमार (डब्ल्यूएमडी) को पुरष्कृत किया गया. भाषण प्रतियोगिता में अभिजीत दास (आरडीसीआईएस/ बोकारो), सुश्री निहारिका अनुपम (सीआरएम-३), अमित आनंद (एचआरडी), अर्जुन शर्मा (ईएमडी) ने पुरष्कार प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में एनके साहू (ईएमडी) एवं एमके पांडे (आई एंड ए), बिनोद कुमार, एन चक्रवर्ती (डी एन डब्लू), आयुषी कुमारी और भवानी (डीबी) को पुरष्कृत किया गया. एन के साहू (ईएमडी), ए के धीरज (ईसीडी), राहुल कुमार सिंह (सीआरएम-३/ एचडीजीएल), नरेश कुमार (टेलीकॉम), एन सी पाठक (सीआरएम-१एवं२) ,ऋषि कुमार (ईएमडी) को स्लोगन प्रतियोगिता के विजेता के रूप में पुरष्कृत किया गया.

ठेका मजदूर प्रकोष्ठ के नवीनीकृत भवन का उद्धाटन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के ठेका मज़दूर प्रकोष्ठ के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा किया गया. इस अवसर पर सी ई डी विभाग के मुख्य महा प्रबंधक शालिग्राम सिंह , मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरी मोहन झा, कार्यकारी महाप्रबंधक (कार्मिक-संकार्य) वी एम बक्शी , महा प्रबंधक (कार्मिक-औद्योगिक संबंध) प्रभाकर कुमार , महा प्रबंधक (कार्मिक-ठेका मज़दूर प्रकोष्ठ) प्रांजलि, विभास चंद्रा के साथ अन्य अधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे. अधिशासी निदेशक (संकार्य) तथा अन्य उपस्थित अतिथियों ने भवन का निरीक्षण किया और कार्य को सफलता पूर्वक संपन्न करने वाली सभी सम्बंधित एजेंसियों की सराहना की.

102 शहरों के 320 विद्यालयों में ईसीआर द्वारा 26 को होगा प्रतियोगिता का आयोजन

हाजीपुर (ससे): प्रधानमंत्री द्वारा २६ को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में २००० से अधिक आरओबी/ आरयूबी/ अमृत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन/ शिलान्यास किया जायेगा। इस अवसर पर रेलवे द्वारा देश भर में ''२०४७ के विकसित भारत का विकसित रेल'' विषय पर आधारित कविता, निबंध, पेंटिंग जैसे कई प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय के बच्चों के बीच किया जा रहा है । इन प्रतियोगिता के विजेता बच्चों से कार्यक्रम के दिन प्रधानमंत्री जी डिजिटली रूप से जुड़ेंगे तथा विजेता बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

इसी कड़ी में पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों में भी ''२०४७ के विकसित भारत का विकसित रेल'' विषय पर आधारित कविता, निबंध, पेंटिंग जैसे कई प्रतियोगिताओं का आयोजन ३२० विद्यालयों में किया गया जिनमें २२,५४८ बच्चों ने भाग लिया । इनमें दानापुर मंडल में १२ लोकेशन के ३२ विद्यालयों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिनमें १६७५ बच्चों ने भाग लिया । पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल के ३७ लोकेशन के २०८ विद्यालयों में आयाजित प्रतियोगिता में १००५८ बच्चों ने भाग लिया । धनबाद मंडल द्वारा २० लोकेशन के २१ विद्यालयों में प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया जिनमें ३५८६ बच्चों ने भाग लिया । इसी तरह समस्तीपुर मंडल के २८ लोकेशन के ४५ विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिता में ६१२५ बच्चों ने जबकि सोनपुर मंडल के ०५ लोकेशन के १४ विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिता में ११०४ बच्चों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने काफी उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा उनमें माननीय प्रधानमंत्री जी से मिलने को लेकर काफी उत्सुकता भी दिखी ।

प्रमंडलीय आयुक्त ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

साहिबगंज (ससे): आगामी लोकसभा निर्वाचन २०२४ के मद्देनज़र प्रमंडलीय आयुक्त संथाल परगना लालचंद दादेल द्वारा राजमहल बोरियो एवं बरहेट विधानसभा क्षेत्र के १० मतदान केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में प्रमंडलीय आयुक्त श्री दादेल ने मतदान केंद्रों में मूलभूत बुनियादी सुविधा यथा पानी शौचालय विद्युत आपूर्ति रैंप आदि की व्यवस्था का जायज़ा लिया।

पत्रकारों की मौत पर संज्ञान ले सरकार : शंकर गुप्ता

चाईबासा (ससे): बुधवार को एआईएसएमजेडब्लू के बैनर तले प्रदेश सह प्रभारी शंकर गुप्ता के नेतृत्व में पत्रकारों ने आयुक्त की अनुपस्थिति में सचिव को मुख्यमंत्री के नाम ७ सूत्री मांग पत्र सौंपा.मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए इस मांग पत्र में लातेहार के युवा पत्रकार और ऐसोसिएशन के पलामू प्रमंडल प्रभारी अजय सिन्हा की संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई मौत की सीआईडी जांच की मांग की गई.इसके अलावा दिवंगत पत्रकार अजय के आश्रितों को मुआवजा,पत्नी को एक नौकरी और दो बच्चों को निशुल्क शिक्षा की मांग भी मांग पत्र में की गई है.इस पर उपायुक्त द्वारा मांगपत्र को अग्रसारित करने की बात कही गई.

इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ऐसोसिएशन के प्रदेश सह प्रभारी शंकर गुप्ता ने कहा कि राज्य में पत्रकारों की मौत पर सरकार को संज्ञान लेने की जरूरत है.उन्होने कहा कि कल डॉ अजय ने अजय सिन्हा के मामले में दूसरी बार ट्विटर पर मुख्यमंत्री को अनुरोध किया है.श्री गुप्ता ने कहा कि बीमा और पेंशन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए बीते १५ सालों से राज्य के पत्रकार आंदोलन कर रहे हैं तो कभी मांग पत्र सौंप रहे हैं लेकिन सरकार का इस पर ध्यान ही नहीं है.

ऐसोसिएशन के कोल्हान प्रभारी अजय महतो ने कहा कि देश में न तो पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो रहा है और न राज्य सरकार द्वारा बीमा या पेंशन दिया जा रहा है. कोल्हान अध्यक्ष रंजीत राणा ने कहा कि आज अगर झारखंड में बीमा योजना लागू हुई होती तो अजय के आश्रितों को थोड़ा सहारा तो मिल ही जाता. ऐसोसिएशन के सरायकेला-खरसंवा जिला अध्यक्ष रविकांत गोप ने कहा कि अजय के आश्रितों को मुआवजा और नौकरी के साथ ही मामले की सीआईडी जांच जरूरी है.

उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से एसोसिएशन के पूर्वी सिंहभूम ग्रामीण जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश सिंह, जिला महासचिव मोहम्मद कलीमुद्दीन, मोहम्मद इब्राहिम, मोहम्मद कलाम, मोहम्मद नईम सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे.ज्ञापन सौंपने से पूर्व पत्रकारों द्वारा अजय सिन्हा की आत्मिक शांति के लिए २ मिनट का मौन रखा गया.

सीएम नीतीश ने किया 28 पुल समेत 3,618 योजनाओं का उद्घाटन

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने २१ फरवरी दिन बुधवार को रिमोट के जरिए ग्रामीण कार्य विभाग की करीब ४,४४६ करोड़ रुपये की लागत से बने ३,५९० पथों और २८ पुलों यानी कुल ३,६१८ योजनाओं का उद्घाटन किया. इस मौके पर दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे.

इस कार्यक्रम में उद्घाटन किए गए योजनाओं में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत १,७३५.८१४ करोड़ रुपये लागत की १,५८३ पथों और ११ पुलों, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ परत नवीनीकरण कार्यक्रम अन्तर्गत २,५७६ करोड़ रुपये की १,९७७ पथों तथा राज्य योजना के तहत १३४.३०४ करोड़ रुपये की ३० पथों एवं १७ पुल शामिल हैं.

अधिकारियों ने बताया कि राज्य के किसी भी सुदूर क्षेत्र से राजधानी पटना पहुंचने के लिए ६ घंटे के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है. अब ५ घंटे के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है. ग्रामीण कार्य विभाग के तहत कई ग्रामीण पथों और पुलों का निर्माण किया गया है. ग्रामीण कार्य विभाग का बजट जो वर्ष २००७-०८ में लगभग १,३९० करोड़ रूपये था. वह वर्ष २०२३-२४ में बढ़कर ११,५६९ करोड़ रुपए हो गया.

हादसे में ड्राइवर समेत 9 छात्रों की मौत

लखीसराय (ईएमएस): लखीसराय में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। ९ लोगों की मौत हुई है। ५ की हालत गंभीर बनी हुई है। सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद सभी को पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। हादसे में ८ स्टूडेंट्स थे, जो पार्ट टाइम में कैटरिंग का काम करते थे। सभी की उम्र १८ से २४ साल के बीच थी। सडक़ हादसे में ऑटो ड्राइवर की भी मौत हो गई है। हादसा मंगलवार रात करीब डेढ़ बजे रामगढ़चौक थाना क्षेत्र के झुलौना गांव के पास एनएच-३० पर हुआ[। टक्कर के बाद ऑटो के परखच्चे उड़ गए। ऑटो में कुल १४ लोग सवार थे।

अब 14 गाड़ियां इस्तेमाल कर सकते हैं राजनीतिक दल

पटना (एजेंसी): भारत निर्वाचन आयोग की टीम लोकसभा चुनाव २०२४ से पहले बिहार की राजधानी पटना पहुंची. २१ फरवरी दिन बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया. इस दौरान उन्होंने वोटर्स से अपील किया और कहा सभी लोग चुनाव में वोट देने ज़रूर आएं. राजीव कुमार ने कहा कि जो लोग डुप्लीकेट वोट देने आते हैं उन पर कार्रवाई हो, उन्हें गिरफ्तार किया जाए. सेंट्रल ऑब्जर्वर के फोन नंबर सभी के पास रहे.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग के आयुक्त ने कहा कि पॉलिटिकल पार्टी की आयोग से मांग थी कि वैलेट पेपर्स की गिनती पहले की जाए, मतदान का समय बढ़ाया जाए. वहीं, रीजनल पार्टियों ने कहा कि चुनाव के प्रचार में गाड़ियां कम इस्तेमाल करने दी जाती है. इसलिए गाड़ियों को और बढ़ाने की मांग की. उन्होंने कहा कि वहीं पार्टीज़ ने कहा कि वोटिंग में पहले बैलेट पेपर को गिना जाए. राजीव कुमार ने कहा कि सभी की बातों को सुना गया. बिहार में ४० लोकसभा सीट है और झारखंड में १४ सीटें है. इन सभी पर चुनाव आयोग का फोकस है. चुनाव आयोग के आयुक्त ने राजीव कुमार ने कहा कि बिहार में ७.६४ करोड़ मतदाता हैं. चुनाव में हमारा फोकस महिलाएं भी है और अब महिलाएं आगे आकर वोट देती हैं. अगर इसमें पोलिटिकल पार्टी को कोई दिक़्क़त होती है तो वो लोग संबंधित ज़िला अधिकारियों को बता सकते है. इस बार नए और युवा वोटर भी बहुत होंगे. उन्होंने बताया कि बिहार में कुल ७७३९३ बूथ है ,जो लोग फिजिकली चैलेंज्ड है उनके घर तक जाकर इलेक्शन कमीशन वोट लेगी, जो लोग बुजुर्ग हैं उनके लिए भी सारी कोशिश की जाएगी कि उन्हें वोट दिलाया जा सके. हम पूरे इलेक्शन को मनी पॉवर से दूर रखेंगे. ल्तखत्रखड ऐसा ऐप होगा जहां आप किसी भी प्रत्याशी के बारे में जानकारी दी जा सकती है.

इस दौरान इलेक्शन कमीशन के द्वारा २ ऐप भी जारी की गई है. इसके अलावा वोटर अपने कैंडिडेट के बारे में भी जान सकेंगे. चुनाव आयोग के आयुक्त ने राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव के समय इलेक्ट्रिक बांड पर पैनी सुरक्षा होगी. सभी एजेंसीज़ से आज हमने बात की और सभी को हिदायत दी गयी है कि मनी पॉवर को रोका जाए, राज्य में जीतने भी हैलीपैड्स और एयरपोर्ट्स है. वहां पर आज से ही निगरानी रखी जाएगी. इसके अलावा डीएम और एसपी को सख्त हिदायत दी गई है की सभी पार्टी को इक्वल वैल्यू देना होगा.

चुनाव आयोग के आयुक्त ने राजीव कुमार ने बताया कि सभी पार्टीज़ अब ५ नहीं बल्कि १४ गाड़ियां इस्तेमाल कर सकती है. कोई भी वोटर २ वोट नहीं डाल पाएगा. बिहार में सबसे पहले वैलेट पेपर्स की गिनती होगी और किस बूथ पर कितने ईवीएम मशीन है, वो सभी पार्टीज़ को बताई जाएगी. आज से सभी ज़िलों में हिस्ट्रीशीटर पर कारवाई होगी, अगर ऐसे लोगों पर कारवाई नहीं की गई, तो इलेक्शन कमीशन उन सब अधिकारियों पर कार्रवाई करेगा.

महेश्वर हजारी ने दिया बिहार विस उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा

पटना (एजेंसी): जनता दल यूनाइटेड (जद यू) के नेता महेश्वर हजारी ने बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. विधानसभा सचिवालय द्वारा बुधवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार हजारी का इस्तीफा २१ फरवरी की दोपहर से प्रभावी हो गया. कल्याणपुर निर्वाचन क्षेत्र (आरक्षित) से दूसरी बार विधायक बने हजारी मार्च, २०२१ से उपाध्यक्ष पद पर थे. फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि हजारी ने विधानसभा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा क्यों दिया है.

जानकारी के अनुसार, जल्द ही जेडीयू नेता महेश्वर हजारी को नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है इसी वजह से उन्होंने विधानसभा के डिप्टी स्पीकर के पद से इस्तीफा दे दिया है. वो इससे पहले भी वो नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल का हिस्सा रह चुके हैं. बता दें कि नंदकिशोर यादव बिहार विधानसभा में नए अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभाल चुके हैं. ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि अब महेश्वर हजारी को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है.

गौरतलब है कि बिहार में जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार पूरा हो जाएगा. इसको लेकर लगातार काम चल रहे हैं. छऊ- में इस समय नीतीश कुमार के अलावा आठ मंत्री हैं. लेकिन इस बात को लेकर चर्चा है कि नीतीश कुमार जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार कर सकते हैं. लोकसभा चुनाव को देखते हुए बहुत जल्द ही नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है.

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अपने मंत्रिमंडल में नीतीश कुमार पुराने मंत्रियो को रिपीट करने की तैयारी में हैं. हालांकि एक नए चेहरे को भी जगह मिल सकती है. फिलहाल ये देखना दिलचस्प रहेगा कि नीतीश कुमार अपने मत्रिमंडल में किस किसको मौका देंगे.

शिक्षकों को 15 मिनट पहले आना होगा स्कूल : सीएम नीतीश

पटना (एजेंसी): बिहार में सरकारी स्कूलों की टाइमिंग को लेकर बुधवार को विधानसभा में विपक्ष ने फिर हंगामा किया. इस बीच, मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि शिक्षकों को छात्रों के स्कूल आने से १५ मिनट पहले आना होगा. दरअसल, मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने स्कूल टाइमिंग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की भी बात अधिकारी नहीं सुनते.

राशन कार्ड धारकों को भी मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ : नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी): बिहार कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत राज्य के सभी राशन कार्ड धारकों को हर साल पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराने का फैसला किया. इसे बिहार के ५८ लाख परिवारों को सीधा फायदा होगा.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की बैठक के तुरंत बाद बात करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'यह बिहार में राजग सरकार द्वारा लिया गया एक बड़ा फैसला है. बिहार सरकार अब एबी पीएम-जेएवाई के तहत राज्य के सभी राशन कार्ड धारकों को हर साल पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराएगी.' उन्होंने कहा, 'वर्तमान में राज्य में लगभग १.२ करोड़ लोग एबी पीएम-जेएवाई की सुविधा का लाभ उठा रहे थे.'

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'अब लगभग ५८ लाख लोगों को भी राज्य में कवर किया जाएगा जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभार्थी हैं.' उन्होंने कहा, 'राज्य कैबिनेट के आज के फैसले के बाद अब राज्य में लगभग दो करोड़ लोग एबी पीएम-जेएवाई के तहत कवर होंगे.'

नीतीश सरकार के इस फैसले के बाद ५८ लाख परिवारों को ५ लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा, जो केंद्र सरकार की योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं. बिहार सरकार के इस फैसले से उन लोगों को भी फायदा होगा, जिनके पास राशन कार्ड तो है लेकिन उनका नाम आयुष्मान भारत योजना में नहीं है. इस वजह लोगों को अपना इलाज कराने में काफी ज्यादा दिक्कत होती है. लेकिन अब बिहार सरकार इस फैसले से उन्हें काफी ज्यादा फायदा होगा.

यह कैसा राम राज्य, जहां 90 प्रतिशत लोगों को रोजगार नहीं : राहुल गांधी

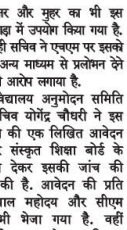

कानपुर (ईएमएस): कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने का दावा करने वाली केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि यह कैसा राम राज्य है जहां कुल आबादी में लगभग ९० फीसद हिस्सेदारी रखने वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को रोजगार नहीं मिल सकता। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत कानपुर पहुंचे राहुल ने शहर स्थित घंटाघर चौराहे पर एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए मोदी सरकार पर देश की आबादी में करीब ९० प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के साथ नाइंसाफी करने का आरोप लगाया।

अवैध तरीके से बहाली करने का सचिव ने लगाया आरोप

पटना (एजेंसी): शिक्षा विभाग में एक पर एक कारनामे सुर्खियों में आए दिन आती रहती है. ताजा मामला राघोपुर प्रखंड के राघोपुर वार्ड नंबर ५ में अवस्थित फेकु लाल प्राथमिक सह मध्य संस्कृत विद्यालय का है. जहां स्थानीय लोगों ने स्कूल पहुंच कर हंगामा किया है. विद्यालय अनुमोदन समिति के सचिव व स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त विद्यालय में फर्जी तरीके से विद्यालय के एचएम ने अपने ही पुत्र को शिक्षक के पद पर बहाली करवाया है. विद्यालय के सचिव ने आरोप लगाया है कि एचएम ने अपने पद और रसूख के दम पर अपने ही विद्यालय में फर्जी तरीके से अपने पुत्र की बहाली करवा लिया और सचिव को पता भी नहीं चल पाया.

विद्यालय अनुमोदन समिति के सचिव योगेन्द्र प्रसाद चौधरी का आरोप है कि विद्यालय के हेडमास्टर शैलेंद्र चौधरी ने अवैध तरीके से फर्जीवाड़ा कर अपने ही पुत्र संजीव कुमार सुमन को इसी विद्यालय में शिक्षक के पद पर बहाली करवा लिया है. साथ ही कहा कि उनका फर्जी हस्ताक्षर और मुहर का भी इस फर्जीवाड़ा में उपयोग किया गया है. साथ ही सचिव ने एचएम पर इसको लेकर अन्य माध्यम से प्रलोभन देने का भी आरोप लगाया है.

विद्यालय अनुमोदन समिति के सचिव योगेंद्र चौधरी ने इस मामले की एक लिखित आवेदन बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के सचिव देकर इसकी जांच की मांग की है. आवेदन की प्रति राज्यपाल महोदय और सीएम को भी भेजा गया है. वहीं आरोपी एचएम के पुत्र शिक्षक संजीव कुमार ने बताया कि सहायक शिक्षक के रूप में उसकी बहाली २०१३ में हुई. लेकिन वेतन नहीं मिलने के कारण वे विद्यालय कभी कभार आते थे. अब ०१ फरवरी २०२४ से विद्यालय रेगुलर आने लगे हैं. साथ ही कहा कि इसी विद्यालय में उनके पिता जी हेडमास्टर भी है.हालांकि इस बाबत कैमरे पर एचएम शैलेन्द्र चौधरी ने कुछ भी बोलने से परहेज किया लेकिन उन्होंने कहा कि २०१३ में उनके पुत्र की बहाली हुई. लगाए गए आरोप में कितनी सच्चाई है यह तो विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा.

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, बोकारो(झारखण्ड)
(अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछडा वर्ग कल्याण शाखा, बोकारो)

शैक्षणिक सत्र 2024.25 में आवासीय उच्च विद्यालय एवं आश्रम विद्यालय वर्ग 06, 07, एवं 08 में नामांकन हेतु चयन परीक्षा

–:विज्ञप्ति:–

उतरी छोटानागपुर प्रमण्डल हजारीबाग अन्तर्गत कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय एवं आश्रम आवासीय विद्यालय, शैक्षणिक सत्र 2023–24 वर्ग 06, 07 एवं 08 में रिक्तियों के विरूद्ध नामांकन हेतु इच्छुक (गरीबी रेखा से नीचे आय वाले परिवार) छात्र/छात्राओं (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछडी जाति) से विहित प्रपत्र में 1) आवेदन–पत्र, 2) अभिभावक द्वारा किये जाने वाला घोषणा पत्र 3) संबंधित विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा सत्यापन पत्र/प्रवेश–पत्र दिनांक–25.02.2023 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

नामांकन हेतु लिखित जाँच परीक्षा की तिथि दिनांक–05.03.2023 (रविवार) को निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्र/छात्रा आवेदन–पत्र 1) जिला कल्याण शाखा, (समाहरणालय, बोकारो) 2) सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी का कार्यालय, बोकारो जिला 3) अनुसूचित जाति आवासीय उच्च विद्यालय चास (मिर्धा), 4) आश्रम आवासीय विद्यालय तुलबुल (गोमिया) से प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक निःशुल्क प्राप्त कर सकते है।

पूर्ण रूप से भरे गये आवेदन–पत्र अनुसूचित जाति आवासीय उच्च विद्यालय चास (मिर्धा) आश्रम आवासीय विद्यालय तुलबुल (गोमिया) एवं जिला कल्याण शाखा, (समाहरणालय, बोकारो) में जमा करना होगा।

नोट :– शेष जानकारी के लिए हजारीबाग जिले के वेबसाईट www.hazaribag.nic.in पर अवलोकनार्थ अपलोड कर दिया गया है।

ह0/–
जिला कल्याण पदाधिकारी,बोकारो

PR 319888 (Welfare)23-24*D

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,
जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद

–:आम सूचना:–

झारखण्ड सरकार के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या 14(रा0) दिनांक 21.07.2023 एवं गव्य विकास निदेशालय के पत्रांक 120 दिनांक 31.01.2024 के आलोक में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत 02 गाय/05 गाय/10 गाय की योजना के लाभुकों को दिनांक 23.02.2024 को 12:30 बजे अपराह्न में जिला गव्य विकास कार्यालय, बरमसिया धनबाद के परिसर में उपायुक्त महोदय के अध्यक्षता में दूधारू पशु मेला का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत जिला स्तरीय समिति से चयनित लाभुकों के बीच दूधारू गाय की वितरण की जायेगी।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
धनबाद

PR 319815 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department)23-24*D

जिला परिषद, धनबाद

पत्रांक – 198 दिनांक– 20.02.2024

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना सं0–
12/2023-24/ZP/DE/DHANBAD-3rd Call
(15वें वित्त आयोग मद अन्तर्गत) (Untied Grant)

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य करने का समय
1	तोपचाँची	तोपचॉची प्रखण्ड अन्तर्गत ढांगी पंचायत अन्तर्गत महडोर ग्राम में शंकर रवानी के घर से रानी बॉध तक लगभग 1000 फीट पीसीसी पथ निर्माण	8,35,350	1,250	B.O.Q. का 2%	03 माह
2	तोपचाँची	ब्रम्हणडीह पंचायत अन्तर्गत आसनसिंघा ग्राम में सामुदायिक भवन का निर्माण	5,97,950	1,250	B.O.Q. का 2%	03 माह
3	गोविन्दपुर	बड़ानवाटॉड़ पंचायत अन्तर्गत नवॉटाड़ लिपीडीह इमामुद्दीन के घर से लेकर जैनुल के घर तक पीसीसी पथ निर्माण	2,86,900	750	B.O.Q. का 2%	03 माह
4	गोविन्दपुर	बड़ानवाटॉड़ पंचायत अन्तर्गत चन्दुडीह टोला में हिरा के घर से मोड़ तक 300 फीट पीसीसी पथ निर्माण	3,51,200	750	B.O.Q. का 2%	03 माह
5	गोविन्दपुर	खरनी पंचायत अन्तर्गत खरनी चौधरी टोला में 230 फीट पीसीसी पथ निर्माण	2,38,950	500	B.O.Q. का 2%	03 माह
6	बाघमारा	जमुआ पंचायत अन्तर्गत माथाडीह उपर धौड़ा आंगनबाड़ी के पीछे 15–10 का शेड निर्माण	4,60,100	750	B.O.Q. का 2%	03 माह
7	बाघमारा	नदखुरकी पंचायत अंतर्गत बरघोड़ा के आंगनबाड़ी से लेकर मोदीयाईन के दुकान तक 200 फीट पी0सी0सी पथ निर्माण।	2,44,600	500	B.O.Q. का 2%	03 माह
8	धनबाद	पाण्डरकनाली पंचायत अन्तर्गत मुख्य पथ पावर हाउस (योगेन्द्र ठाकुर के घर) से राजेश महतो के धर तक पीसीसी पथ निर्माण	1,46,700	500	B.O.Q. का 2%	03 माह
9	बलियापुर	घड़बड़ पंचायत के अनतर्गत बाथान से टिंकु महतो के घर की ओर पीसीसी पथ निर्माण	1,79,950	500	B.O.Q. का 2%	03 माह
10	कलियासोल	केलियासोल पंचायत अन्तर्गत नारी पहाड़ी सरकारी स्कुल में 2 कमरा का निर्माण	5,84,650	1,250	B.O.Q. का 2%	03 माह
11	एगारकुण्ड	डुमरकुण्डा दक्षिण पचांयत अन्तर्गत नतुन ग्राम बाउरी टोला में आकाश बाउरी के घर के सामने सामुदायिक भवन का निर्माण	5,97,950	1,250	B.O.Q. का 2%	03 माह
12	एग्यारकुण्ड	शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत अन्तर्गत संजय नगर विश्वनाथ तांती के घर के पिछे से लेकर मधिवा मल्लाह के घर तक 400 फीट पीसीसी पथ निर्माण	5,42,800	1,250	B.O.Q. का 2%	03 माह
13	एग्यारकुण्ड	शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत अन्तर्गत रहमतनगर मजहारूल के घर से लेकर मुख्तार के घर तक 200 फीट पीसीसी पथ निर्माण	2,35,700	500	B.O.Q. का 2%	03 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 23-02-2024
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 29-02-2024 को 5 P.M. बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक 02-03-2024 को 3:00 P.M. बजे।
4. केवल ई–निविदा (E-Tender) ही स्वीकार की जायेगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– 8789242462
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद

PR 319766 Rural Development(23-24)#D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।
(अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण शाखा गिरिडीह।)
ई-मेल:–dwo-giridih@jharkhandmail.gov.in

प्रवेशिकोत्तर पाठयक्रमों में अध्ययनरत अनुसूचितजनजाति, अनुसूचितजाति एवं पिछडी जाति के छात्र–छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति योजना हेतु आवेदन से संबंधित आवश्यक सूचना

सूचना

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र–2023–24 के लिए झारखण्ड राज्य एवं राज्य के बाहर नामांकन लेने वाले छात्र–छात्राओं हेतु शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ई–कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण हेतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ पिछड़ी जाति के लिए पूर्व से निर्धारित तिथि को संशोधित करते हुए निम्न प्रकार से तिथि विस्तारित की जाती है :–

ऑनलाईन आवेदन करने की समय सीमा:–

क्र0	प्रक्रियात्मक कार्यवाही	ई–कल्याण पोर्टल पर कार्यवाही के लिए विस्तारित अंतिम की तिथि
1	शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ई–कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण हेतु आवेदन की तिथि	29.02.2024
2	शैक्षणिक सत्र–2023–24 हेतु छात्र/छात्राओं के आवेदन प्रक्रिया की तिथि	05.03.2024
3	संबंधित शैक्षणिक संस्थान के INO द्वारा छात्र/छात्राओं के आवेदन का सत्यापन की तिथि।	15.03.2024

2 शैक्षणिक संस्थानों के पंजीकरण हेतु जिला स्तरीय समिति एवं राज्य स्तरीय समिति की बैठक दिनांक– 04.03.2024 तक पूर्ण कर ली जायेगी।

3 जिन शैक्षणिक संस्थानों के छात्र–छात्राओंको सत्र 2022–23 में किसी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्रवृत्ति के लिए योग्य पाया गया है वैसे शैक्षणिक संस्थानों को उसी पाठ्यक्रम के लिए पुनः पंजीकरण हेतु आवेदन करने की आवश्यकता नही है।उक्त अन्तर्गत Renewal के तहत छात्र–छात्रा सीधे ई–कल्याण पोर्टल पर 2023–24 के लिए केवल अपना Bonafide एवं 2022–23 का उत्तीर्णता प्रमाण पत्र/अंक प्रमाण पत्र अपलोड करेंगे।

4 जिला कल्याण पदाधिकारी को निदेश है कि राज्य के अन्तर्गत एवंराज्य के बाहर शैक्षणिक संस्थानों के वर्ष 2022–23 के लंबित/बकाया छात्रवृति को भुगतान करने के साथ–साथ 2023–24 के छात्रवृत्ति का भी भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे।

अन्य दिशा निर्देश पूर्व में प्रकाशित विज्ञापन के अनुसार **Website- ekalyan.cgg.gov.in** पर उपलब्ध है।

जिला कल्याण पदाधिकारी, गिरिडीह।

PR.NO.319835 Welfare(23-24):D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, धनबाद
भू–तल मिश्रित भवन, धनबाद, 826001 वर्षः 2023
फोन नं0/फैक्स नं0 : ई0 मेल नं0:*jepcdhanbad@rediff.com*

धनबाद जिले के तीन उत्कृश्ट विद्यालयों **(School of Excellence)** में सी0बी0एस0ई0 **(C.B.S.E.)** पाठ्यक्रम पर शैक्षणिक सत्र 2024–25 में नामांकन हेतु आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि धनबाद जिले के तीन विद्यालय यथा +2 जिला स्कूल, धनबाद, एस0एस0एल0एन0टी0 बालिका +2 उच्च विद्यालय धनबाद एवं कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय निरसा उत्कृश्ट विद्यालय के रूप में घोशित हैं। इन विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024–25 से सी0बी0एस0ई0 (C.B.S.E.) पाठ्यक्रम पर अंग्रेजी माध्यम से पठन–पाठन का कार्य किया जाएगा। उक्त विद्यालयों में विभिन्न कक्षाओं में नामांकन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। विद्यालयवार/कक्षावार नामाकंन हेतु उपलब्ध सीटों की संख्या निम्नवत है –

क्रमांक	उत्कृष्ट विद्यालय का नाम	कोटि	नामांकन हेतु कक्षावार उपलब्ध सीटों की संख्या						
			बाल वाटिका	कक्षा – 01	कक्षा – 06	कक्षा – 09	कक्षा – 11 विज्ञान	कक्षा – 11 कला	कक्षा – 11 वाणिज्य
1	CM School of Excellence +2 Zila School Dhanbad	Boys/ Girls	40	51	0	0	40	40	40
2	CM School of Excellence Girls S.S.L.N.T. Girls +2 High School Dhanbad	Only Girls	0	0	40	86	0	0	0
3	KGBV CM School of Excellence Nirsa	Only Girls	0	0	25	0	0	0	0

आवश्यक शर्तें –

1. आवेदन पत्र का प्रारूप जिला के अधिकारिक वेवसाईट dhanbad.nic.in पर उपलब्ध है, तथा नामांकन हेतु आवेदन पत्र विद्यालय से भी विद्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।
2. आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय में विद्यालय अवधि में समर्पित करने की अंतिम तिथि 04.03.2024 होगी। निर्धारित समय सीमा के बाद आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
3. कक्षा 06 से 09 तक में नामांकन हेतु बच्चों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके परीक्षाफल के आधार पर बच्चों का चयन किया जाएगा। कक्षा 11 में नामांकन हेतु मैट्रिक की परीक्षाफल के आधार पर मेधासूची के अनुरूप नामांकन ली जाएगी।
4. नामांकन से संबंधित प्रक्रिया में संशोधन से संबंधित अधिकार जिला चयन समिति के पास सुरक्षित होगा एवं जिला चयन समिति का निर्णय अंतिम होगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झारखण्ड शिक्षा परियोजना धनबाद

PR 319810 (School Education and Literacy)23-24*D

शहरी निकायों के प्रशासकों के साथ 23 को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की बैठक

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर होगा मंथन

रांची (ससे): मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में आगामी २३ फरवरी को मुख्यालय स्तर पर सभी शहरी निकायों के प्रशासकों के साथ एक बैठक आहूत की गई है।

बैठक में राज्य अंतर्गत सभी कोटि के शहरी निकायों के प्रशासकों को बुलाया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार के निर्देश पर आहूत इस बैठक में शहरी क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव को लेकर चल रही तैयारियों की समीक्षा के साथ-साथ शहरों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर न केवल सभी शहरी निकायों के पदाधिकारियों से सुझाव लेकर रणनीति बनाई जाएगी, बल्कि इस संबंध में निर्वाचन आयोग के संबंधित दिशा निर्देशों से भी सभी को अवगत कराया जाएगा।

उक्त बैठक में निकायों के प्रशासकों के साथ-साथ राज्य शहरी विकास अभिकरण तथा नगरीय प्रशासन निदेशालय के निदेशक भी मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रायः हर बार के आम चुनावों में शहरी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा कम रहता है।

मतदान प्रतिशत के इस अंतराल को न्यूनतम करने की प्रभावी कवायद शुरू करने को लेकर ही उक्त बैठक बुलाई गई है।

अमीन सयानी का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रतिष्ठित रेडियो हस्ती अमीन सयानी का ९१ वर्ष की आयु में निधन हो गया।

कथित तौर पर उनके निधन की दुखद खबर की पुष्टि उनके परिवार ने की। एक चिकित्सा सुविधा में हृदय गति रुकने के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली।

बताया जा रहा है कि अमीन को इलाज के लिए एचएन रिलायंस अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार (फरवरी २२, २०२४) को होने की उम्मीद है क्योंकि परिवार कुछ रिश्तेदारों के मुंबई आने का इंतजार कर रहा है।

राज्य में अगले कुछ दिनों तक बारिश के आसार, आंधी और वज्रपात की चेतावनी

तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की संभावना

रांची (ससे): राज्य में अगले कुछ दिनों तक बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वैज्ञानिकों के मुताबिक आगामी २७ फरवरी तक राज्य में हल्के दर्ज की बारिश की संभावना है। आज राज्य के उत्तरी मध्य और दक्षिण पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर आंधी और गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

२३ फरवरी को राज्य के दक्षिणी और उत्तर पूर्वी हिस्सों में बारिश का पूर्वानुमान है। २४ फरवरी को राज्य के दक्षिणी हिस्सों में हल्के दर्ज की बारिश हो सकती है। इस प्रकार २५ फरवरी को राज्य के दक्षिणी हिस्सों में बारिश की संभावना है। २६ फरवरी को राज्य के उत्तरी और उससे सटे हुए मध्य भागों में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

२७ फरवरी को राज्य के उत्तरी पश्चिम मध्य और दक्षिणी भागों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वैज्ञानिकों ने आज राज्य के उत्तरी मध्य और दक्षिण पूर्वी भागों में आंधी और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है की है जिसके लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इधर पिछले २४ घंटे के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर बहुत हल्के दर्ज की बारिश देखी गई। तापमान की बात की जाए तो इसमें अगले दो दिनों के दौरान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। वैसे फिलहाल रांची समेत सभी जिलों में तापमान सामान्य से कुछ अधिक चल रहा है।

रांची, जमशेदपुर, डाल्टनगंज, बोकारो, चाईबासा, देवघर, गिरिडीह , गढ़वा और गोड्डा में अधिकतम तापमान ३० डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि हुई है। रांची में भी कमोबेश यही हालत बने रहेंगे। २५ फरवरी को छोड़कर २२ से २७ फरवरी तक हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। अधिकतम तापमान २८ से २९ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है वहीं न्यूनतम तापमान १४ से १६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

कांग्रेस के असंतुष्ट विधायक दिल्ली से रांची लौटे, तेवर पड़े नरम

इरफान अंसारी बोले हम नहीं चाहते कि हमारे स्टैंड से भाजपा को कोई लाभ हो, बजट सत्र में हिस्सा लेंगे

रांची (ससे): कांग्रेस के असंतुष्ट विधायक बुधवार को दिल्ली से वापस रांची लौट आए। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि पार्टी आलाकमान से उन लोगों को आश्वासन मिला है। केसी वेणुगोपाल से भी वन टू वन बातचीत हुई है और अब नाराजगी जैसी कोई चीज नहीं है। पहले पार्टी है फिर कुछ और है। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि हमारे स्टैंड से भाजपा को कोई लाभ हो। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सभी विधायक विधानसभा के बजट सत्र में हिस्सा लेंगे। इधर विधायक अनूप सिंह ने कहा कि १२ विधायकों में से किसी को भी मंत्री बना दिया जाए तो किसी भी विधायक को आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने इस बात की चुनौती दी की मौजूदा मंत्रियों से इस्तीफा लेने की स्थिति में विरोध के स्वर जरूर फुट सकते हैं लेकिन हम १२ विधायकों में से किसी को भी मंत्री बना दिया जाए तो किसी को भी कोई विरोध नहीं होगा। इस बात से उन्होंने केंद्रीय आलाकमान को भी अवगत करा दिया है।

नीरज सिन्हा ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग का अध्यक्ष पद छोड़ा, दिया त्यागपत्र

रांची (ससे): नीरज सिन्हा ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने इस संबंध में मुख्य सचिव को एक चिट्ठी लिखकर अवगत कराया है। चिट्ठी में उन्होंने कहा है कि मैं व्यक्तिगत कारणों से झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र समर्पित कर रहा हूँ और पदभार का स्वतः परित्याग करता हूं।

2500 करोड़ की म्याऊं-म्याऊं ड्रग्स जब्त

महाराष्ट्र में पुणे पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती. 5 गिरफ्तार

पुणे (ईएमएस): पुणे सिटी पुलिस ने पुणे और दिल्ली में दो दिनों तक चली रेड में १,१०० किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है। इसकी कीमत २,५०० करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। लोकल भाषा में मेफेड्रोन को म्याऊं म्याऊं भी कहते हैं। पुलिस ने ५ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। महाराष्ट्र में पुणे पुलिस का यह अब तक का सबसे बड़ा ड्रग भंडाफोड़ है और भारत में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक है। पुलिस के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने पुणे के भैरवनगर और विश्रांतवाड़ी इलाकों में रेड के दौरान तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से १.७५ किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त हुई, जिनकी कीमत करीब ३.५ करोड़ रुपए आंकी गई। नमक के गोदाम में नशीली दवाओं की तस्करी का काम किया जा रहा था।

मेफेड्रोन की एक और बड़ी खेप पुणे के कुरकुंभ एमआईडीसी इलाके में भी रखी गई थी। पुलिस ने यहां से ६५० किलो से ज्यादा ड्रग्स और कच्चा माल जब्त किया। ड्रग तस्करों से पूछताछ के बाद पुणे पुलिस की एक टीम ने दिल्ली के हौज खास इलाके में रेड की। दिल्ली के गोदाम में ४०० किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुई। आशंका है कि ड्रग्स को कुरकुंभ एमआईडीसी से नई दिल्ली ले जाया जा रहा था। पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि अब तक

पांच लोगों को पकड़ा गया है, जिनमें तीन कूरियर बॉय और दो अन्य शामिल हैं। तीनों कूरियर बॉय के खिलाफ पहले से केस दर्ज हैं। एक शख्स की पहचान अनिल साबले के रूप में हुई है। अनिल साबले एक फैक्ट्री का मालिक है, जहां ड्रग्स रखी गई थी। पुलिस ने साबले को महाराष्ट्र के ठाणे के डोंबिवली से पकड़ा है। पुलिस को कुख्यात ड्रग तस्कर ललित पाटिल से आरोपियों के जुड़े होने का शक है। मामले में पाटिल की संलिप्तता को लेकर जांच जारी है। ड्रग तस्करी के नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय तस्करों के शामिल होने का भी शक है। रेड अभी भी जारी है। पुणे पुलिस और दिल्ली पुलिस जॉइंट ऑपरेशन के तहत कार्रवाई कर रही है। ड्रग्स की कीमत ३,००० करोड़ रुपए से अधिक होने की आशंका है।

प्रख्यात कानून विशेषज्ञ फली एस. नरीमन का निधन

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के प्रख्यात कानून विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के अनुभवी वरिष्ठ वकील फली एस नरीमन ने बुधवार को दिल्ली में आखिरी सांस ली। उन्होंने ७० से ज़्यादा समय के लिए एक वकील के तौर पर अपनी सेवाएं दी हैं। बताया जा रह है कि निधन के समय नरीमन की उम्र ९५ वर्ष की थी। नवंबर १९५० में फली एस नरीमन बॉम्बे हाईकोर्ट में वकील के तौर पर रजिस्टर हुए। उन्हें १९६१ में वरिष्ठ वकील का दर्जा मिला। उन्हें मई १९७२ में भारत के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था। नरीमन को जनवरी १९९१ को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वरिष्ठ वकील के साथ वे १९९१ से २०१० तक बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी रहे।

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते एएसआई को किया गिरफ्तार, बिचौलिया भी पकड़ाया

दुमका (ससे): दुमका जिले के जरमुंडी थाने में पदस्थापित एक एएसआई राजकुमार सिंह को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बुधवार को १० हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में एएसआई के एक सहयोगी बिचौलिया स्वरूप सिन्हा को भी एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने गिरफ्तार किया है।

इनके विरुद्ध एंटी करप्शन ब्यूरो के दुमका स्थित प्रमंडलीय कार्यालय में जरमुंडी थाना क्षेत्र के ही गरडी गांव के एक व्यक्ति अभिषेक कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें यह आरोप है कि उसके विरुद्ध जरमुंडी थाने में दर्ज बिजली चोरी के केस में राहत देने के लिए ५० हजार रुपए का घूस मांगा गया और नहीं देने में उसे परेशान किया जा रहा था। इसी शिकायत के आधार पर एसीबी ने इस ए एस आई और बिचौलिया के खिलाफ मामला दर्ज किया था। दोनों को घूस लेते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

आयकर विभाग ने 65 करोड़ रुपये मांगे, जबकि मामला अदालत में विचाराधीन-कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस): आयकर विभाग ने विभिन्न बैंकों को कांग्रेस के खातों से ६५ करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित करने के लिए कहा है, जबकि आयकर रिटर्न से संबंधित मामला अदालत में विचाराधीन है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि आयकर विभाग का यह कदम अलोकतांत्रिक है। उन्होंने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''कल आयकर विभाग ने बैंकों को कांग्रेस, भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के खातों से ६५ करोड़ रुपये से अधिक हस्तांतरित करने के लिए कहा। यह सरकार की तरफ से उठाए गए चिंताजनक कदम का द्योतक है। माकन के अनुसार, ६०।२५ करोड़ रुपये की राशि कांग्रेस के खातों और पांच करोड़ रुपये युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के खातों से हस्तांतरित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, ''क्या राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के लिए आयकर देना आम बात है? नहीं। क्या भाजपा आयकर देती है? नहीं। फिर कांग्रेस पार्टी से २१० करोड़ रुपये की राशि क्यों मांगी जा रही है?

राहुल गांधी का केंद्र पर निशाना, यह कैसा राम राज्य, जहां 90 प्रतिशत लोगों को रोजगार नहीं मिल सकता

कानपुर (ईएमएस): कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने का दावा करने वाली केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि यह कैसा राम राज्य है जहां कुल आबादी में लगभग ९० फीसद हिस्सेदारी रखने वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को रोजगार नहीं

मिल सकता। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत कानपुर पहुंचे राहुल ने शहर स्थित घंटाघर चौराहे पर एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए मोदी सरकार पर देश की आबादी में करीब ९० प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के साथ नाइंसाफी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, देश में ५० प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्गों की है, दलित १५ प्रतिशत, आठ प्रतिशत आदिवासी और अल्पसंख्यक १५ प्रतिशत हैं। आप जितना चिल्लाना चाहते हैं चिल्लाएं लेकिन इस देश में आपको रोजगार नहीं मिल सकता। आप पिछड़े, दलित, आदिवासी या गरीब सामान्य वर्ग के हैं तो आपको रोजगार नहीं मिल सकता। (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी जी नहीं चाहते कि आप लोगों को रोजगार मिले। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह कैसा राम राज्य है जिसमें ९० प्रतिशत लोगों को रोजगार नहीं मिल सकता। लोग भूखे मर रहे हैं। मीडिया में बड़े-बड़े उद्योगों में आपका कोई नहीं है। किसी संस्था में आपका कोई नहीं। नौकरशाही में आपका कोई नहीं।

रुस में नौकरी करने गए भारतीय युवकों को जंग लड़ने को किया जा रहा मजबूर

नई दिल्ली (ईएमएस): यूक्रेन से जंग लड़ रहे रूस से भयावह रिपोर्ट सामने आ रही है। रूसी कंपनियों ने जिन भारतीयों को हेल्पर के तौर पर काम करने के लिए बुलाया था, रूस में उन्हें जबरदस्ती यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसमें ज्यादातर लोग उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब और जम्मू कश्मीर के रहने वाले हैं। रूस में फंसे इन सभी लोगों ने भारत सरकार से मदद मांगी है।

रिपोर्ट के मुताबिक करीब तीन भारतीयों को रूस-यूक्रेन सीमा पर रूसी सैनिकों के साथ लड़ने के लिए मजबूर किया गया। पीड़ितों का कहना है कि एक एजेंट ने उन्हें धोखे से सेना सुरक्षा सहायक के रूप में काम करने के लिए रूस भेज दिया। बताया गया है कि नवंबर २०२३ से लगभग १८ भारतीय नागरिक रूस-यूक्रेन सीमा पर फंसे हुए हैं। ये लोग मारियुपोल, खार्किव, डोनात्सक, रोस्तोव-

ऑन-डॉन में फंसे हुए हैं। कहा जा रहा है कि युद्ध के दौरान एक भारतीय नागरिक की मौत भी हो गई है। २०२२ में कुछ भारतीय वॉलेंटियर्स ने रूसी सेना से लड़ने के लिए बनाई गई अंतरराष्ट्रीय लीगन में शामिल होने के लिए स्वेच्छा से भाग लिया था। लेकिन रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की मौजूदगी की जानकारी पहली बार सामने आई है। रूस में फंसा एक भारतीय नागरिक हैदराबाद का रहने वाला है। हैदराबाद से एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और मॉस्को में भारतीय दूतावास को पत्र लिखकर उसकी वापसी के लिए सरकार से हस्तक्षेप करने की

सांसद औवेसी ने सरकार से मदद की गुहार लगाई

मांग की है। ओवैसी ने पत्र में लिखा है कि तीनों भारतीय नागरिकों से पिछले २५ दिनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिससे उनके परिवार वाले चिंतित हैं। उनके परिवार वाले उनकी सुरक्षित देश वापसी कराने की गुहार लगा रहे हैं।

वहीं रूस में फंसे यूपी के एक युवक ने बताया, १२ नवंबर को हमें दो भारतीय एजेंट ने रिसीव किया था। १३ नवंबर को हमें एक कैंप में भर्ती किया गया और फिर मॉस्को से ढाई घंटे की दूरी पर स्थित एक सूनसान जगह पर ले जाया गया। तब हम लोगों ने भारतीय एजेंट से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने हमें आश्वस्त किया कि हमें हेल्पर्स के तौर पर ही रखा जाएगा। लेकिन हमें टेंट में रखा गया और हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। फिर ४ जनवरी को हमें रूस के डोनात्स्क में जंग लड़ने के लिए भेज दिया गया। युवक ने बताया, मुझे जंग लड़ने के लिए मजबूर किया गया था। लेकिन मुझे जैसे ही मौका मिला, मैंने हथियार फेंक दिए। लेकिन मैं पकड़ा गया और मुझे बंदूक की नोंक पर धमकाया गया। आखिरकार २२ जनवरी को मैं भागने में कामयाब रहा और अपना इलाज कराने के लिए एक अस्पताल में भर्ती हुआ। युद्ध क्षेत्र से भागने के बाद मैंने कई बार अपने घर वालों से संपर्क साधने की कोशिश की। रूस में भारतीय दूतावास से मैंने कई बार अपील की लेकिन कोई मदद नहीं मिली। रूस में इन भारतीयों को रिसीव करने वाले एजेंट ने बताया कि ये लोग भारत के अलग-अलग राज्यों से हैं और अगर सरकार जल्द कुछ कदम नहीं उठाती है, तब इनकी जान को गंभीर खतरा है।

मिजोरम छात्र संगठन की मणिपुर सीएम को चेतावनी

इम्फाल (ईएमएस): मणिपुर में हिंसा और अशांति का असर अब पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी दिखने लगा है। मिजोरम सरकार ने भी म्यांमार से लगी सीमा की फेंसिंग और फ्री आवाजाही बंद करने के विरोध के बीच नोटिस जारी कर राज्य में १९५० के बाद आने वाले लोगों के जमीन खरीदने या मालिकाना हक हासिल करने पर रोक लगा दी है। दूसरी तरफ, प्रमुख छात्र संगठन मिजो स्टूडेंट्स यूनियन ने चेतावनी जारी कर कहा है कि मणिपुर से किसी भी मिजो या जनजातीय व्यक्ति को निष्कासित किया, तो हम भी मिजोरम में रहने वाले सभी मैतेइयों को बाहर निकाल देंगे। इस चेतावनी को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के १२ फरवरी को दिए उस बयान का जवाब माना जा रहा है, जिसमें सिंह ने कहा था कि १९६१ के बाद मणिपुर आने वाले हर व्यक्ति की पहचान कर राज्य से बाहर किया जाएगा। वे किसी भी जाति या समुदाय के हों, उन्हें बाहर किया जाएगा। मिजोरम के छात्र संगठन की इस चेतावनी से पूर्वोत्तर क्षेत्र के महीनों से अस्थिर इस इलाके की परिस्थिति और अधिक संवेदित होने की आशंका पैदा हो गई है। छात्र नेता का कहना है कि मिजोरम में रहने वाले सभी मैतेइयों की विस्तृत सूची भी तैयार कर ली गई है।

सिख आईपीएस अधिकारी की एडीजी को चुनौती, परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा मामले में अब एक नया मोड़ ले लिया है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा एक सिख आईपीएस अधिकारी को खालिस्तानी कहने का मामला अदालत पहुंच गया है। अपने ऊपर लगे आरोप पर अधिकारी ने एडीजी (पश्चिम बंगाल) को चुनौती दी कि वे अगले २४ घंटों के भीतर आरोप को साबित करें अन्यथा इसका परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने ऊपर लगे सिख पुलिस अधिकारी को खालिस्तानी कहने के आरोप को २४ घंटे के भीतर साबित करने के लिए एडीजी को चुनौती दी है। वरना ववह इसका परणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाएं। बंगाल पुलिस जो कि ममता बनर्जी की एकमात्र बचाव दल है, वह अब ढह रही है।

बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता अधिकारी को संदेशखाली का दौरा करने से रोकने के लिए धामखाली में एक सिख आईपीएस अधिकारी को तैनात किया गया था। इस दौरान अधिकारी के साथ अग्निमित्र पॉल भी थे। उन्होंने दावा किया कि पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे थे।

इस मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी भाजपा पर भड़क गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा) लगता है कि पगड़ी पहनने वाले सभी सिख खालिस्तानी है। ममता ने कहा, आज भाजपा कि विभाजनकारी राजनीति ने संवैधानिक सीमाओं को बेशर्मी से पार कर लिया है। भाजपा के अनुसार, सभी पगड़ी पहनने वाले व्यक्ति खालिस्तानी है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने वीडियो भी लगाया है। इस घटना की निंदा कर ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस मामले पर उचित कार्रवाई करेंगी।

सिख आईपीएस अधिकारी ने दावा किया कि शुभेंदु अधिकारी के साथ चल रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें खालिस्तानी कहा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को कहा, मैं अपनी ड्यूटी कर रहा हूं। आप मेरे धर्म को क्यों निशाना बना रहे हैं। पुलिस अधिकारी को खालिस्तानी कहे जाने के विरोध में सिख समुदाय के लोगों ने कोलकाता में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय और आसनसोल में उसके कार्यालय के खिलाफ प्रदर्शन किया।

झारखंड प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन ने आयुक्त को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा

रांची (ससे): झारखंड प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन के बैनर तले एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची नगर निगम के आयुक्त से मिलकर ११ सूत्री मांग पत्र सौंपा।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव शह झारखंड प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन के महासचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय कुमार सिंह,डॉक्टर जितेंद्र गुप्ता ,नीरज कुमार सिंह किरण कुमारी मांग पत्र समर्पित किया। नेताओं ने कहा बस के एजेंसी के द्वारा नगर निगम के साथ किए गए एग्रीमेंट का उल्लंघन किया जा रहा है। बस के संचालकों क़ो आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित की जा रहा है जिससे बस कर्मचारी सब परेशान है।

मांगें- झारखण्ड सरकार ने नगर निगम को बस संचालित करने का निर्देश जिस नियमावली के तहत उपलब्ध

कराया है उसको अक्षरशः अनुपालन नहीं किया जा रहा है. यह कि जून २०१० से आज तक कार्यरत सभी कर्मचारियों को झारखंड सरकार एंव नगर निगम अपना कर्मचारी घोषित करें।

निर्धारित रूट एवं सरकार द्वारा प्रदत्त रूट चार्ट के अनुसार सभी बसों का परिचालन किया जाए।

नगर निगम द्वारा अघोषित रूप से कार्यरत बिचौलियों के द्वारा जबरन पैसा उगाही की जाती है उस पर रोक लगायी जाय।

नगर निगम के बसों में जो कर्मचारी वर्षों से काम करते आ रहे हैं उन सभी कर्मचारियों को स्थाई किया जाए

बिचौलिया द्वारा कर्मियों से तय समय से अधिक समय तक काम लिया जाता है। अगर ८ घंटे से अधिक काम लिया जाता है तो ओवरटाइम दिया जाए।

झारखण्ड सरकार द्वारा नगर निगम को अनुदान पर बसों को आम जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रदान किया गया है, उसको भी नगर निगम द्वारा सही ढंग से संचालित नही किया जा रहा है एवम आमजनों के हितों की अनदेखी की जा रही है।

नगर निगम द्वारा संचालित बसों को अगर बिचौलियों से मुक्त किया जाय तो कम खर्चों पर लोगों को बड़े महानगर कोलकाता आदि की तरह कम खर्च में यात्री को आसानी से गंतव्य स्थान तक पहुँचाया जा सकता है और जिससे रांची नगर निगम को भी भारी मुनाफा होगा।

सभी कर्मियों को निशुल्क वर्दी एवं और मेडिकल सुविधा उपलब्ध करायी जाए तथा नियमित कर्मियों को जो सरकार सुविधाएं उपलब्ध कराती है। वह उपलब्ध करायी जाय।

निगम द्वारा संचालित पिंक बस (महिलाओं के लिए) जिसमें महिला कर्मी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाय।

तत्काल में बस सेवा किस एजेंसी के द्वारा संचालित की जा रही है और अवधि कब तक है सार्वजनिक करे।

संपादकीय

नक्सली हमले सरकार के लिए चुनौती

छत्तीसगढ़ में अब भी नक्सली हमलों को रोक पाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। मौका पाते ही नक्सली सशस्त्र बलों पर हमला कर देते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें दावा करती रही हैं कि नक्सलियों पर काफी हद तक नकेल कसी जा चुकी है। मगर हकीकत यह है कि नक्सली सरे-बाजार किसी सुरक्षाकर्मी का कुल्हाड़ी से गला काट कर हत्या कर देते हैं। वहां के बीजापुर जिले में हुई घटना इसका उदाहरण है। भरे बाजार में नक्सलियों ने कुल्हाड़ी से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के एक कंपनी कमांडर का गला काट दिया। इसके पहले कई बार वे बारूदी सुरंग बिछा कर या उनके शिविर और काफिले पर सीधे हमला कर बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की हत्या कर चुके हैं।

पिछली सरकार ने उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कई योजनाएं चलाईं। वनोपज और हस्तशिल्प की खरीद की दरें तय कर दी गईं, ताकि आदिवासी समूहों को आर्थिक संबल मिल सके और वे नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त हो सकें। मगर वे योजनाएं पूरी तरह कारगर नहीं हो पाईं। अब स्थिति यह है कि कुल्हाड़ी से भी सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर आसानी से गायब हो जाते हैं। जाहिर है, उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन हासिल है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या बहुत पुरानी है। उससे पार पाने के लिए कई तरीके आजमाए गए। ज्यादातर मामलों में उनके दमन का रास्ता ही अख्तियार किया गया। उनसे बातचीत के जो भी प्रयास हुए, वे नाकाफी साबित हुए। ज्यादातर नक्सली हमलों में देखा गया है कि उनके पास अत्याधुनिक हथियार और सूचना संसाधन पहुंच चुके हैं। वे सुरक्षाबलों की गतिविधियों और काफिले वगैरह का ठीक-ठीक पता लगा लेते और बारूदी सुरंग बिछा कर हमला कर देते हैं। यह समझना मुश्किल है कि उनके पास इतने हथियार और साजो-सामान पहुंच कैसे रहे हैं।

उन रास्तों पर सुरक्षाबलों की नजर जा नहीं पा रही, जिनके जरिए उन तक साजो-सामान पहुंच रहा है। हालांकि इसके कुछ तथ्य उजागर हैं। जबरन वसूली और मादक पदार्थों की बिक्री से वे अपना वित्तीय ढांचा मजबूत कर पाने में सफल हो जाते हैं। मगर ड्रोन, हेलीकाप्टर आदि का इस्तेमाल होने के बावजूद वे कैसे सुरक्षा इंतजामों को चकमा दे पा रहे हैं, कैसे स्थानीय लोगों का उन्हें समर्थन लगातार मिल पा रहा है, इस पर प्रशासन को गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

सबसे अहम बात कि नक्सली आखिर क्यों व्यवस्था के लिए चुनौती बने हुए हैं। उनकी मांगों को सुनने और उनका कोई व्यावहारिक रास्ता निकालने का प्रयास किया जाता, तो शायद यह समस्या इतने दिन तक न बनी रहती। दरअसल, आदिवासी समुदाय के भीतर यह भय लगातार बना हुआ है कि उनकी जमीन और जंगल हड़प कर सरकार खनिज निकालने वाली कंपनियों को सौंप देना चाहती है। ऐसा अनेक जगहों पर हो चुका है। विकास के नाम पर हर सरकार का प्रयास होता है कि खनिज वाली जगहों का दोहन किया जाए।

मगर आदिवासी इसके लिए तैयार नहीं हैं। उनके इलाकों में स्कूल, चिकित्सालय, सड़क-बिजली-पानी की सुविधा पहुंचाई गई, मगर इससे उनका मन नहीं बदला है, तो इसके लिए दूसरे रास्तों की तलाश जरूरी है। नाराज आदिवासी ही प्रायः नक्सली समूहों को पनाह देते देखे जाते हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने सिद्धांत से काफी भटका चुका है, मगर वह चुनौती बना हुआ है, यह सरकारों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

सोशल मीडिया से...

पहले जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद, अलगाववाद की आवाजें उठती थीं, अब यहां हर सेक्टर में विकास हो रहा है। राज्य में अब 12 मेडिकल कॉलेज हैं। घाटी ट्रेन से जुड़ चुकी है। जम्मू-कश्मीर देश का ऐसा राज्य है, जहां दो एम्स बन रहे हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अगर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को रोक दें और मनी लॉन्ड्रिंग यानी आईपीसी की धारा 45 खत्म कर दें तो आधी बीजेपी खाली हो जाएगी। इतना ही नहीं शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे जैसे नेता बीजेपी से अलग होकर अपनी नई पार्टी बना लेंगे।

अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

यूपी को बीमारू राज्य से उबारने में हमें सफलता प्राप्त हुई, तो इसके पीछे पीएम का विजन था, जिसे हमने मिशन के रूप में लेकर प्रभावी ढंग से अलग-अलग सेक्टर की पॉलिसीज बनाई और कानून व्यवस्था की बेहतरीन स्थिति देकर माहौल बदला।

योगी आदित्यनाथ, सीएम उप्र

मैंने सैदैव राजनीति में देश के दलितों आदिवासियों गरीबों किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। मैने हमेशा लड़ाई लड़ी, विचारधारा और मिशन में जब कोई मेरे आड़े आया, उससे टकराने में गुरेज नहीं किया।

स्वामी प्रसाद मौर्य, पूर्व सपा नेता

आज का कार्टून

अब जनाधार कहां से जुटाएंगे स्वामी प्रसाद मौर्य?

"स्वामी प्रसाद मौर्य ने देवी-देवताओं पर अनर्गल बयानबाजी के साथ बहुजन समाज पार्टी के मंडल के दौर के शुरुआती नारे तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार की तर्ज पर 85 और 15 की राजनीति को उभारने की कोशिश उस दौर में की, जब कमंडल ने समूचे मंडल को अपने भीतर समाहित कर रखा है। जब स्वामी प्रसाद के सवर्ण विरोधी बयानों के खिलाफ समाजवादी पार्टी के भीतर से ही आवाजें उठनी शुरू हो गई तो अखिलेश यादव की चिंता भी बढ़ गई। भारतीय जनता पार्टी भी स्वामी प्रसाद के बयान को भुनाते हुए समाजवादी पार्टी को हिंदू विरोधी साबित करने में जुट गई। पहले से ही हाशिये पर जा रही समाजवादी पार्टी को और नुकसान होने से बचाने के लिए राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को मोर्चा संभालना पड़ा। उन्होंने भी स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों को निजी बयान बता डाला। इसी से भड़के स्वामी प्रसाद मौर्य ने पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दिया, अब अनजान सी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से अपनी नई सियासी पारी शुरू करने की तैयारी कर ली है।"

अनिल सिंह

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रहे स्वामी प्रसाद मौर्य अब सपा में नहीं रहे। वह नाराज हैं। पिछले आठ सालों में वह तीसरी बार नाराज हुए हैं। मौर्य अब किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने की बजाय नई पार्टी के साथ सियासत करेंगे। वह राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी की बागडोर अपने हाथ में ले सकते हैं। सोमवार को इस पार्टी का नीला, लाल और हरा रंग का झंडा लांच कर मौर्य ने इसके संकेत भी दे दिये हैं। दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में स्वामी प्रसाद मौर्य ने 22 फरवरी को कार्यकर्ताओं की मीटिंग बुलाई है। माना जा रहा है कि इसी मीटिंग में इस नई पार्टी के जरिये मौर्य अपने भविष्य की सियासत का ऐलान करेंगे।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब स्वामी प्रसाद मौर्य के सामने विकल्प भी सीमित हो चुके हैं। ऐसा लग नहीं रहा है कि समाजवादी पार्टी या अखिलेश यादव उन्हें बहुत जतन के साथ मनाने की कोशिश करेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि समाजवादी पार्टी की सियासत भले ही जातिवादी रही हो, लेकिन मुलायम सिंह यादव ने किसी अन्य जाति का विरोध कभी नहीं किया।समाजवादी पार्टी में सभी जाति एवं धर्म के नेताओं का स्वागत किया गया। इसी के चलते समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में कई बार सरकार बनाने में सफलता मिली। अखिलेश यादव भी भले पिछड़े एवं दलित की सियासत करते रहे हों, लेकिन उन्होंने खुलकर कभी अगड़ों का विरोध नहीं किया। मजबूरी ही सही, उन्होंने भी मुलायम की तरह समावेशी राजनीति की। समाजवादी पार्टी के इस एजेंडे के ठीक विपरीत, बहुजन समाज पार्टी की जातिवादी एवं सवर्ण विरोधी आंच पर पक कर निकले स्वामी प्रसाद मौर्य की पूरी सियासत ही सवर्ण विरोध पर टिकी रही है। भारतीय जनता पार्टी में पांच साल सत्ता की मलाई खाने के बाद वर्ष 2022 में स्वामी प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश में सियासी बदलाव होने का अनुमान लगाकर चुनाव से ठीक पहले समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 37 साल पुराने इतिहास को दोहराते हुए दोबारा से सत्ता हासिल कर ली। इतना ही नहीं, योगी के खिलाफ आग उगलने वाले स्वामी प्रसाद अपनी सीट बदलने के बावजूद विधानसभा चुनाव बुरी तरह हार गये। विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य को पद और सम्मान दोनों दिया। विधान परिषद में भी भेजा। भारतीय जनता पार्टी में पांच साल तक हिंदू देवी-देवताओं पर अपना मुंह बंद रखने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी में आते ही अपना पुराना राग छेड़ दिया। रामचरितमानस से लेकर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने लगे।

मौर्य के बयानों से पूरी समाजवादी पार्टी असहज होने लगी। शिवपाल सिंह यादव समेत तमाम नेताओं ने कई बार उनका निजी बयान बताकर बचाव करने की कोशिश की, लेकिन स्वामी प्रसाद रुकने के बजाय और तीखे होते चले गये। उनके बयानों से पार्टी को फायदे की जगह नुकसान होने की संभावना अधिक दिखने लगी। पहले हिंदुत्व विरोधी होने के आरोपों से जूझ रही समाजवादी पार्टी के लिये स्वामी के बयान चुभने लगे।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने देवी-देवताओं पर अनर्गल बयानबाजी के साथ बहुजन समाज पार्टी के मंडल के दौर के शुरुआती नारे तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार की तर्ज पर 85 और 15 की राजनीति को उभारने की कोशिश उस दौर में की, जब कमंडल ने समूचे मंडल को अपने भीतर समाहित कर रखा है। जब स्वामी प्रसाद के सवर्ण विरोधी बयानों के खिलाफ समाजवादी पार्टी के भीतर से ही आवाजें उठनी शुरू हो गई तो अखिलेश यादव की चिंता भी बढ़ गई। भारतीय जनता पार्टी भी स्वामी प्रसाद के बयान को भुनाते हुए समाजवादी पार्टी को हिंदू विरोधी साबित करने में जुट गई। पहले से ही हाशिये पर जा रही समाजवादी पार्टी को और नुकसान होने से बचाने के लिए राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को मोर्चा संभालना पड़ा। उन्होंने भी स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों को निजी बयान बता डाला। इसी से भड़के स्वामी प्रसाद मौर्य ने पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दिया, अब अनजान सी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से अपनी नई सियासी पारी शुरू करने की तैयारी कर ली है। दरअसल, अब स्वामी प्रसाद मौर्य के विकल्प बेहद सीमित रह गये हैं।उन्हें समझ आ चुका है कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी में उनकी वापसी मुश्किल है, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस अभी उस स्थिति में नहीं हैं कि सत्ता हासिल कर सकें। बहुजन समाज पार्टी में लौटने के रास्ते उनके लिये बंद हैं। मौर्य के पास यही विकल्प है कि वह किसी नई पार्टी से अपने भविष्य की सियासत करें और सत्ता में भागीदारी मांगें। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी उनकी वर्तमान राजनीति के मुफीद हो सकती है, लेकिन वह कोई बड़ी लाइन खींच पायेंगे, इसमें संदेह है।

नरेंद्र मोदी के उदय के बाद जातिवादी राजनीति का दौर लगभग खत्म हो चुका है। इस आंदोलन से निकली बहुजन समाज पार्टी ने भी बहुत पहले समझ लिया था कि उग्र जातिवादी राजनीति का भविष्य बहुत लंबा नहीं है, जिसके बाद उसने भी समावेशी राजनीति की तरफ कदम बढ़ा दिये थे। हालांकि बहुजन समाज पार्टी भी अब हाशिये पर पहुंच चुकी है। कभी बहुमत से सरकार बनाने वाली बहन जी की पार्टी के पास उत्तर प्रदेश में मात्र एक विधायक है। ऐसे में स्वामी प्रसाद मौर्य की पिछड़े और दलित वर्ग की आक्रामक राजनीति कितनी प्रभावी होगी, यह तो समय बतायेगा, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि स्वामी जनाधार कहां से लायेंगे स्वामी की सियासत को देखें तो वह ऐसे नेता नहीं हैं, जिनके पास बहुत बड़ा जनाधार हो। बसपा और भाजपा में रहते हुए स्वामी प्रसाद भले ही पांच बार विधायक बने हों, लेकिन किसी सीट से निर्दलीय लड़कर जीत हासिल करना उनके लिए आसान नहीं है। स्वामी प्रसाद ने दावा किया है कि उनके समाजवादी पार्टी में आने से उनकी सीटें 50 से बढ़कर 111 हो गईं, लेकिन सच्चाई यह है कि स्वामी प्रसाद खुद अपनी सीट नहीं जीत पाये।स्वामी प्रसाद खुद को भले ही बड़े नेता मानते हों, लेकिन उनके जनाधार की कहानी इतनी है कि अपने ही गृह जनपद रायबरेली की डलमऊ सीट से वह खुद कभी जीत हासिल नहीं कर सके। इस सीट का नाम ऊंचाहार होने के बाद वह 2012 में बसपा और 2017 में भाजपा के टिकट पर अपने पुत्र उत्कृष्ट मौर्य को भी पूरी ताकत लगाने के बावजूद विधायक नहीं बना सके। माना जा रहा है कि स्वामी प्रसाद बहुजन समाज पार्टी से 1993 में चुनाव लड़ चुके अलीगढ़ के साहेब सिंह धनगर द्वारा 2013 में बनाई गई राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी की कमान अपने हाथ में लेकर जयंत चौधरी, अनुप्रिया पटेल, ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद की तर्ज पर भविष्य की राजनीति करेंगे। उन्हें खुद के साथ अपने पुत्र और पुत्री की भी चिंता है।

सारे हथियार आजमाने के बावजूद वह अपने पुत्र को विधानसभा नहीं पहुंचा सके तो बेटी संघमित्रा मौर्य का करियर भी अधर में लटक गया है। भारतीय जनता पार्टी से बदायूं की सांसद बनने वाली संघमित्रा को भाजपा फिर से टिकट देगी, ऐसा लगता नहीं है। इस स्थिति में स्वामी प्रसाद के पास यही विकल्प शेष रह जाता है कि वह राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के जरिये कुछ सीटों पर अपनी मजबूत स्थिति दिखाते हुए भाजपा या सपा को गठबंधन के लिये मजबूर करें। हालांकि, ऐसा करना भी आसान नहीं है।नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जातिवादी राजनीति के गढ़ रहे उत्तर प्रदेश और बिहार में जातीय राजनीति आधारित पार्टियां हाशिये पर जा पहुंची हैं। मंडल के दौर में ऊफान मारने वाली जातिवादी राजनीति भी अब अपने ढलान पर है, ऐसे में स्वामी प्रसाद मौर्य के लिये काठ की हांडी को फिर से जातिवादी चूल्हे पर चढ़ाना आसान नहीं होने वाला है। अगर स्वामी प्रसाद मौर्य किसी बड़े दल की सदस्यता नहीं लेते हैं तथा राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी की राजनीति ही करते हैं तो फिर उनके लिये भविष्य की सियासत मुश्किल होने वाली है। उन्हें अगले कुछ सालों में उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपने जनाधार की ताकत दिखानी होगी। अगर ऐसा नहीं कर पाये तो फिर उनके लिये उत्तर प्रदेश में अपने राजनीतिक वजूद को बचाये रखना आसान नहीं होने वाला है।

फैशनेबल बनना, सोशल मीडिया में छाना केवल भ्रम है...

"आज वैचारिक और वैश्विक स्तर पर पसरती संकीर्णता के दौर में यह जीवन भी सिमटता जा रहा है और कई बार हम अपनी लघुता पर भी इतराते फिरते हैं। हैरानी की बात यह है कि सार्वजनिक जगहों पर ओछेपन को सराहने वाले लोग भी दिख जाते हैं। सड़क पर सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाते युवा लोकप्रियता के लालच में हर तरह की मर्यादा को भूल रहे हैं। अपने पर आए जोखिम को लेकर भी लापरवाह हो रहे हैं।"

संदीप पांडे 'शिष्य'

सोशल मीडिया एक दर्शन पर काम करता है कि जो दिखता है, वही बिकता और टिकता है। विविध आनलाइन मंचों का दायरा आज काफी विस्तृत हो गया है। इसलिए इसका असर भी व्यापक होता है। मगर इस चालू सिद्धांत के मोहजाल में फंसकर युवा जिस तरह के अंदाज, ढंग और भाषा को बरत रहे हैं, वह नितांत खोखलेपन का शिकार हो रहा है। यह विडंबना ही है कि एक असभ्य भाषा सोशल मीडिया पर खूब प्रसार पाती है या पसंद की जाती है। सवाल है कि क्या हमारा समाज इसी तरह का बन रहा है !आज भले ही बड़ी-बड़ी डिग्री गले में लटका कर सारी दुनिया को शान से कितना भी दिखाते चलें, मगर तमगे नहीं, आखिरकार व्यक्ति का आचरण और तौर-तरीका ही पहचान बनाता है। इसे आज की पीढ़ी सिरे से भूल रही है। अजीबोगरीब 'इमोजी' की भाषा में बात करना और रटे-रटाए दो-तीन जुमले बोलने से कोई आधुनिक नहीं बन जाता। यह बात आज की पीढ़ी को समझ नहीं आ रही है। सच यह है कि यह सजगता और होश की कमी है जो आज की 'फटाफट संस्कृति' की देन है। नए-नए प्रसाधन लगाकर खुद को चमका लेना एक बात है और एक ठहराव तथा गंभीरता होना दूसरी बात।

अष्टावक्र को आठ जगह से टेढ़ा माना जाता था, मगर जब व्यवहार और ज्ञान की बात आई तो राजा के दरबार में एक से बढ़ कर एक उपाधि वाले सभासद से लेकर महाज्ञानी बनकर इठलाने वाले विद्वान, उन सबको अष्टावक्र के सामने नतमस्तक होना पड़ा था। कुल मिलाकर नए फैशन के कपड़े या सोशल मीडिया में शाहकार मचाने से केवल भ्रम पैदा होता है। इसका ताजा उदाहरण हाल में आया जब एक 'इवेंट कंपनी' के येन-केन-प्रकारेण कर्म से जिन-जिन नेताओं के सोशल मीडिया में चार लाख या उससे भी अधिक 'फालोअर' थे, जिन्हें अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर हजारों में टिप्पणियां मिल रही थीं, उनको वास्तव में एक हजार वोट तक नहीं मिले। इससे साबित होता है कि बातों के तोते उड़ाना और आभासी मंच पर छा जाना कोई बड़ी बात नहीं है और हकीकत बहुत अलग हो सकती है।

दरअसल, हमारी सोच की गहराई और हमारा बोलना, उठना-बैठना ही हमारी पहचान होती है। ऐसे कितने ही उदाहरण है कि सोशल मीडिया में विनम्रता आदि का पाठ सिखाने वाले प्रबंधन गुरु असलियत में इतने तुनकमिजाज और अहंकारी साबित हुए कि उनके मुखौटे उतर गए। हर हाल में आंतरिक पावनता और साफगोई ही सबसे अच्छी बात होती है। कितने लोग जो बाहर से चमाचम रहते हैं, मगर अपने मन में कई तरह का कचरा भरकर बैठे रहते हैं। ऐसे लोगों की पहचान करके उनकी बातों को लेकर जरा सावधान ही रहने की जरूरत है।

कुछ समय पहले आज के शहरी खाते-पीते घरों के खाए-अघाए हुए कुछ युवकों ने एक देहाती बच्चे की एक पेड़ पर उलझी हुई पतंग निकालने में मदद की तो सभी ने बारी-बारी से उस पर 'फेसबुक रील' बनाई। इस जद्दोजहद में वह पतंग ही फट गई। वह बच्चा मायूस होकर चला गया। मगर उन युवकों की वह पतंग वाली पोस्ट सोशल मीडिया के सभी मंचों पर हिट हो रही थी। एक जमाना था, जब यह कहावत थी कि जिस दिन किसी का भला नहीं किया, वह दिन ही बेकार चला गया समझना चाहिए, मगर आज के युवक इस कहावत को ऐसे पढ़ते और समझते हैं कि जिस दिन कोई पोस्ट सोशल मीडिया पर नहीं लगाई, वह दिन बर्बाद हो गया।

नए लोगों को जीवन की गुणवत्ता पर गहरा चिंतन करना चाहिए, सोशल मीडिया पर लिखी गई टिप्पणियों पर नहीं। मनोवैज्ञानिक एडलर ने तो यह प्रतिपादित भी किया है कि जो दिख रहा है, जरूरी नहीं कि वही होता भी है। सस्ती लोकप्रियता वाले लोगों के लिए यह बात कही गई थी, जो आज के सोशल मीडिया युग पर खरी उतरती है। आज के कुछ युवा कई बार अब किसी मसखरे जैसा लगने लगे हैं। वे समाज की मुख्यधारा में मिले हुए लगते ही नहीं। वे खुद को सबमें शामिल होने वाला तभी कह सकते हैं, जब अपने आनंद के अलावा दिव्यागों पर, प्रकृति, धरती, गरीब सबके साथ खुद को पहचानें। बेहतर यही होगा कि हमारे युवा अपने लिए अपनी मौलिकता से जरा-सा अलग, मगर एकदम नया गढ़ें। दूसरों के बनाए फटाफट वाले चालू रास्ते पर चलना, रातों-रात लोकप्रिय होने की ख्वाहिश और उसके लिए ऊटपटांग तौर-तरीके अपनाना दरअसल, सृजनात्मकता बिल्कुल नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि हम कितने कथित आधुनिक हैं। फर्क तब पड़ता है, जब हम अपने आसपास की दुनिया के लिए कुछ नवीन और हटकर सोच पाते हैं। ऐसा कतई नहीं होना चाहिए कि आभासी दुनिया में उलझे हमारे बच्चे अपनी मौलिक सोच, अपने सदगुण, अपनी सहजता को ही खो बैठें और यह दुनिया देखती रह जाए।

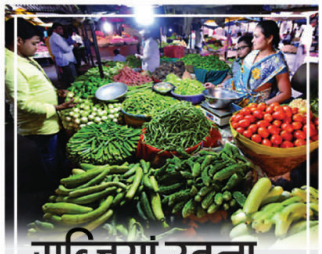

सब्जियां उतना ही लें जितनी इस्तेमाल हो जाएं

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैवड मशरूम, कॉर्नस, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं। कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगी।

प्रॉपर्टी खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

अगर आप भी प्रॉपर्टी खरीदने वाले हैं तो आप जो भी प्रॉपर्टी खरीदने जा रहे हैं उसकी वैधता की पूरी तरह से जांच कर लें। प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़ी कई मामलों में ऐसा देखा गया है कि लोग खरीदी गई प्रॉपर्टी का फुल एग्रीमेंट बनवा लेते हैं और उस प्रॉपर्टी पर कब्जा प्राप्त कर लेते हैं। ऐसे में आपको काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। चलिए जानते हैं प्रॉपर्टी खरीदते समय किन बातों का हमें ध्यान रखना चाहिए।

जीवन भर की कमाई से खरीदते हैं प्रॉपर्टी

महंगाई के इस दौर में सभी के लिए प्रॉपर्टी खरीदना इतना आसान नहीं है। कई लोग अपने जीवन भर की कमाई से प्रॉपर्टी खरीदते हैं। ऐसे में आप जब भी कोई प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं तो उसके बारे में अच्छे से पता कर लें क्योंकी प्रॉपर्टी में काफी ज्यादा फ्रॉड होता है।

पैसे बचाने के चक्कर में बुरी तरह फंस जाते हैं

यदि आप कोई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो उसकी एवज में आपको सरकार को स्टांप ड्यूटी देनी होती है। स्टांप ड्यूटी देने के बाद ही आपकी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री की जाती है। लेकिन अफसोस कई लोग थोड़े-से पैसों के लालच में आकर स्टांप ड्यूटी नहीं देते हैं। जिसकी वजह से उनकी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री भी नहीं हो पाती है। ऐसे में आप काफी बड़ी मुसीबत में भी फंस सकते हैं।

फुल पेमेंट एग्रीमेंट

फुल पेमेंट एग्रीमेंट से रहें सावधान। दरअसल, प्रॉपर्टी की पक्की रजिस्ट्री के लिए स्टांप ड्यूटी चुकानी पड़ती है, जिसे बचाने के चक्कर में लोग खरीदी गई प्रॉपर्टी का फुल पेमेंट एग्रीमेंट बनवा लेते हैं लेकिन अगर आप कानून की नजर से देखते हैं तो यह गलत होता है। फुल पेमेंट एग्रीमेंट के बारे में सबसे पहले ये जान लेना चाहिए कि इससे किसी भी प्रॉपर्टी का कानूनन मालिकाना हक नहीं मिलता है। जिसके कारण आपके साथ कभी भी फ्रॉड हो सकता है।

प्रॉपर्टी बेचने वाला ठग सकता है

यदि प्रॉपर्टी बेचने वाला व्यक्ति कुछ समय के बाद आपकी प्रॉपर्टी को अपना बता दे तो आप मुश्किल में फंस सकते है। इसलिए कभी भी थोड़े पैसे बचा मत बचाएं। फुल पेमेंट एग्रीमेंट नहीं करवाना चाहिए। कानून के अनुसार देखें तो प्रॉपर्टी खरीदने के बाद उसकी एवज में स्टांप ड्यूटी की रकम भरकर रजिस्ट्री करा लें। जिससे आपका प्रॉपर्टी पूरे तरीके से सुरक्षित रहेगा। इतना ही नहीं, रजिस्ट्री कराने के बाद उस प्रॉपर्टी का दाखिल खारिज कराना भी बहुत जरूरी है।

आप भी प्रॉपर्टी खरीदने का मन बना रहे है तो इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

मालिकाना हक नहीं दिलाता फुल पेमेंट एग्रीमेंट

फुल पेमेंट एग्रीमेंट सिर्फ एक निश्चित समय के लिए होता है, जो किसी प्रॉपर्टी की पूरी रकम दिए जाने के बाद बनाया जाता है। किसी भी प्रॉपर्टी पर कानूनन मालिकाना हक पाने के लिए उसकी रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। लेकिन कई लोग रजिस्ट्री नहीं करवाना चाहते है।

बेड की लकड़ी की चमक शुरुआत में तो बहुत बढ़िया लगती है लेकिन एक समय के बाद गायब हो जाती है। लेकिन कुछ टिप्स को फॉलो कर आप बेड की लकड़ी को दोबारा चमकदार बना सकते हैं। आइए जानते हैं बेड की लकड़ी को चमकदार बनाने के हैक्स और ट्रिक्स।

बेड की लकड़ी हो गई है पुरानी तो अपनाएं ये हैक्स

जैतून का तेल करेगा मदद

- लकड़ी को चमकाने के लिए जैतून का तेल बहुत फायदेमंद होता है। ऐसे में आप इस तेल की मदद से अपने बेड की लकड़ी को चमका सकते हैं।
- आपको लकड़ी चमकाने के लिए चाहिए जैतून का तेल और साफ कपड़ा।
- एक कटोरी में जैतून का तेल निकाल लें और कपड़े की मदद से पूरे बेड की लकड़ी की सफाई करें।
- लकड़ी साफ करने के बाद आपका बेड पहले के मुकाबले बहुत साफ और अच्छा दिखेगा।
- वुडन फर्नीचर पर पॉलिश कर देने से भी सारी चमक वापस आ जाती है।
- पॉलिश आपको किसी भी मार्केट में आसानी से मिल जाएगी।
- आपको बस कपड़े की मदद से पूरे बेड पर पॉलिश लगानी है और सूखने का इंतजार करना है।
- कुछ घंटे बाद पॉलिश सुख जाएगी और बेड चमक उठेगा।

पेट्रोलियम जेली

- पेट्रोलियम जेली का भी लकड़ी के फर्नीचर को साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आपको बस पेट्रोलियम जेली को लकड़ी पर 3 से 5 मिनट के लिए लगाकर रखना है।
- इसके बाद साख कपड़ा लेकर जेली हटाएं। इस ट्रिक की मदद से लकड़ी की गायब चमक वापस आ जाती है।

बनाएं स्प्रे

- बेड को खूबसूरत बनाने के लिए आप घर पर स्प्रे भी बना सकते हैं।
- स्प्रे बनाने के लिए आपको चाहिए सिरका और नींबू।
- 1 कप पानी में 3 से 4 चम्मच सिरका और आधा नींबू डालें।
- अब इस लिक्विड को स्प्रे बोतल में डालें और बेड पर स्प्रे करें।
- स्प्रे करने के बाद गीले कपड़े से बेड को साफ करें। ऐसा करने पर आपकी बेड की चमक वापस आ जाएगी।
- इन टिप्स की मदद से आपका पूरा बेड साफ हो जाएगा और लकड़ी चमक जाएगी।

आपका काम आसान बनाएंगे नेल पॉलिश हैक्स

ज्वैलरी से एलर्जी

ज्वैलरी अगर काली पड़े जाए या उसे पहनने की वजह से स्किन पर एलर्जी हो जाए, तो फिर स्किन के संपर्क में आने वाले ज्वैलरी के हिस्से पर ट्रांसपैरेंट नेल पॉलिश लगा दें। इससे जूलरी भी सेफ रहेगी और काली नहीं पड़ेगी। न ही उससे स्किन पर किसी तरह की एलर्जी होगी।

मैचिंग ज्वैलरी

ऑफिस या कहीं घूमने जा रही हैं और आपके पास ड्रेस से मैच करती हुई जूलरी नहीं है तो फिर ड्रेस से मैच कर नेल पॉलिश लें और जूलरी को ड्रेस के कलर के मुताबिक पेंट कर लें। बस आपकी मैचिंग जूलरी तैयार है।

नेल पॉलिश ऐसी चीज है, जिसे बेशक लगाने का ज्यादा समय नहीं मिलता ज्यादातर लड़की चाहती है कि उनके पास नेल पॉलिश के अलग-अलग कलेक्शन हो। ऐसे में आपको बता दें कि नेल पॉलिश का काम सिर्फ नाखून को खूबसूरत बनाना ही नहीं है बल्कि आप नेल पॉलिश से काफी दूसरे काम भी कर सकती हैं।

कपड़ों के हैंगर को बनाएं खूबसूरत

अगर कपड़े टांगने वाले हैंगर खराब हो गए हैं और उनसे कपड़े खराब हो रहे हैं तो फिर उन्हें फेंके नहीं बल्कि उन पर नेल पॉलिश लगाएं। इससे ये सुंदर भी लगेंगे और कपड़े भी खराब नहीं होंगे।

बटन टूटने का इलाज

ऐसा भी होता है कि जब ड्रेस या शर्ट का बटन टूट जाता है। अगर यह कहीं बाहर किसी के सामने हो तो शर्मिंदा होना पड़ता है। इससे बचने के लिए बटन पर ट्रांसपैरेंट नेल पॉलिश की एक परत लगा लें। इससे वे नहीं टूटेंगे लेकिन कपड़े धोने के बाद यह पेंट छूट जाता है। इसलिए जब भी कपड़े पहनें तो उनके बटन पर नेल पेंट का एक कोट लगा लें।

पेंच को टाइट करने के लिए

कई बार ऐसा होता है कि टूल बॉक्स के पेंच ढीले हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में पेंच को कसने के बाद उन पर नेल पॉलिश का कोट लगा दें। इससे व न तो कभी ढीले होंगे और न ही गिरेंगे।

आपके बाथरूम की खूबसूरती को बढ़ाएंगे टॉवल रैक

बाथरूम चाहे छोटा हो या बड़ा, लोग अपनी सहूलियत, आवश्यकताओं व बाथरूम स्पेस के अनुसार टॉवल हैंगर को वहां पर जरूर लगवाते हैं। ऐसे में अगर आप अपने बाथरूम को ब्यूटीफुली एक मेकओवर देना चाहती हैं तो ऐसे में आप डिफरेंट स्टाइल के बाथरूम हैंगर पर विचार कर सकती है यह बाथरूम हैंगर ना केवल आपके काम को आसान बनाएंगे, बल्कि आपके बाथरूम की खूबसूरती को भी कई गुना बढ़ाएंगे। आपने टॉवल को हैंग करने के लिए टॉवल रैक का इस्तेमाल करने के बारे में तो सुना होगा। लेकिन आज इस लेख में हम आपको टॉवल रैक के अलावा भी कुछ अन्य ऑप्शन्स के बारे में बता रहे हैं

टॉवल हर बाथरूम की जरूरत है। जब आप नहाते हैं तो आपको बाद में टॉवल की आवश्यकता होती है। इतना ही नहीं, बाथरूम में घर के अलग-अलग सदस्यों के लिए टॉवल होते हैं। साथ ही साथ बाथरूम में डिफरेंट साइज टॉवल को भी हैंग किया जाता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि एक छोटी सी जरूरत की चीज भी आपके पूरे बाथरूम का मेकओवर कर सकती है- जैसा कि एक टॉवल हैंगर।

टॉवल रैक

जब बाथरूम में टॉवल को हैंग करने की बात आती है तो ऐसे में टॉवल रैक सबसे पहला ऑप्शन है। चूंकि यह टॉवल रैक साइज में थोड़े बड़े होते हैं, इसलिए आप इसमें एक साथ तीन-चार टॉवल आसानी से टांग सकती हैं। इस्तेमाल करने के हिसाब से यह बहुत अधिक कन्विनियंट और किफायती है।

टॉवल हुक

अगर आपके घर में दो या तीन बाथरूम हैं और इसलिए एक बाथरूम केवल एक ही व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल किया जाता है तो ऐसे में आप टॉवल हुक्स पर विचार कर सकती हैं। यह स्मॉल साइज हुक होते हैं, जिनमें एक या दो से अधिक टॉवल्स को हैंग नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, स्मॉल स्पेस के लिए टॉवल हुक्स एक अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह बाथरूम की वॉल पर भी स्पेस नहीं लेते हैं और आपकी जरूरतों को बेहद आसानी से पूरा करते हैं।

करें सीढ़ियों का इस्तेमाल

अगर आप एक डिफरेंट स्टाइल में टॉवल को हैंग करने का मन बना रही है तो ऐसे में सीढ़ियों का इस्तेमाल करना बेस्ट रहेगा। इनकी खासियत यह है कि इसके लिए आपको दीवार में किसी भी तरह का काम करवाने की जरूरत नहीं है।

बस आप सीढ़ी को अपने बाथरूम में या बाथरूम के बाहर जगह दीजिए और वहां पर टॉवल्स को हैंग करें। अगर आपका घर किराए का है या फिर आप बाथरूम को ब्यूटीफुली डेकोर करना चाहती हैं तो सीढ़ियों को ही टॉवल हैंगर बना लीजिए।

बास्केट भी हैं काम की

अगर आप टॉवल्स को हैंग नहीं करना चाहती हैं या फिर आपके बाथरूम में फ्लोटिंग शेल्फ हैं तो वहां पर टॉवल को खूबसूरत तरीके से आर्गनाइज करने का तरीका है कि आप पहले उन्हें बास्केट में रखें और फिर उन बास्केट को फ्लोटिंग शेल्फ पर अरेंज करें। इस तरह रखे गए टॉवल्स भी बेहद खूबसूरत लगते हैं। बस आप यह सुनिश्चित करें कि आप उन टॉवल्स को अच्छी तरह फोल्ड करके ही बास्केट में रखें।

वुडन टॉवल हैंगर

अगर आप अपने बाथरूम को एक एलीगेंट टच देना चाहती हैं तो ऐसे में वुडन टॉवल हैंगर पर विचार कर सकती हैं। इन वुडन टॉवल हैंगर की खासियत यह होती है कि इनमें मल्टीपल लेयर्स होती हैं। साथ ही यह मार्केट में अलग-अलग लेंथ व साइज में अवेलेबल हैं। ऐसे में आप अपने बाथरूम के साइज के अनुसार इन्हें चुन सकती हैं। इन वुडन टॉवल हैंगर में भी एक साथ कई टॉवल्स को आसानी से हैंग किया जा सकता है।

चार लड़के बाइक पर जा रहे थे। पुलिस वाले ने रोककर कहा: ट्रिपल राइडिंग बैन है और तुम चार बैठे हो!
लड़के घबरा गए। पीछे देखा।
फिर पूछा: अरे पांचवां कहां गिर गया?

●●●●●●●

भिखारी: तीन दिन से भूखा हूं बाबूजी 1 रुपया दे दो।
मोहन: तीन दिन से भूखे हो तो 1 रुपए का क्या करोगे?
भिखारी: वजन तौलूंगा कि कितना कम हो गया।

●●●●●●●

संदीप: यार, आज 1 रुपए में तीन अमरूद मिल गए।
शंकर: वो कैसे?
संदीप: 1 रुपए में एक अमरूद ठेले वाले ने दिया। एक मैं उठाकर भागा, फिर एक उसने मुझे फेंककर मारा!

●●●●●●●

पप्पू: यार, सर ने मेसेज किया था कि आज एक्स्ट्रा क्लास है। मुझे जाने का मन नहीं कर रहा।
बबलू: तो ठीक है न। मेसेज सेंडिंग फेल्ड लिखकर सर को भेज दे।

●●●●●●●

गोलू: पापा मैं नदी में आगे जाउंगा।
पापा: नहीं, डूब जाओगे।
गोलू: नहीं डूबूंगा, मुझे तैरना आता है।
पापा: अगर डूब गया तो घर जाकर तेरी खूब पिटाई करूंगा।

●●●●●●●

नेताजी चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे थे- हर आदमी को हर चीज मिलनी चाहिए। जो चीज तुम्हें अच्छी लगे, ले लो। यदि तुम्हें भूख लगे तो खाने की दूकान लूट लो। यदि ठंड लगे तो दुकान का सबसे अच्छा सिला कोट उठा लो.... भाषण देने के बाद वे मंच से नीचे उतरे और चिल्लाए -अरे मेरी साइकिल कौन उठा ले गया ?

●●●●●●●

एक प्रसिद्ध कहानीकार से संवाददाता ने पूछा -आपका दिन किस प्रकार गुजरता है।
कहानीकार: सुबह छः बजे उठाता हूं और नहा धोकर टहलने निकल जाता हूं।फिर आकर नाश्ता करके अखबार पढ़ता हूं और थोड़ा समय बच्चों के साथ घूमने निकल जाता हूं और आकर सो जाता हूं।
यह जो आपकी इतनी सारी कहानियां हैं जो ...इन्हें आप किस समय लिखते हो ... संवाददाता ने पूछा।
कहानीकार ने बड़े इत्मीनान से उत्तर दिया - वो मैं अगले दिन लिखता हूं।

●●●●●●●

चिंटू आराम से बैठा था।
मींटू (चिंटू से)- कुछ काम करो।
चिंटू (मींटू से)- मैं गर्मियों में काम नहीं करता हूं।
मींटू- और सर्दियों में?
चिंटू- गर्मियां आने का इंतजार!

●●●●●●●

सच्चा जादू

बल्लू अपने माता-पिता की इकलौती संतान और खूब लाड़-प्यार से पला था। माता-पिता की आंखों का तारा होने के कारण वह कोई काम न करता। घर या खेत के काम में हाथ बंटाने की बजाय अक्सर गलियों में डंडे बजाता नजर आता। समय बीतता गया और बल्लू बड़ा होता गया। उसके पास काफी जमीन-जायदाद थी। वास्तव में यह सारी जमीन-जायदाद उसके पिता और दादा ने अपनी कड़ी मेहनत से बनाई थी। जब उसका ब्याह हुआ तो घर में कलह के बादल छाने लगे। वह नशेड़ी बन गया और पत्नी भी उससे अनबन होने के कारण अपने मायके जा बैठी।

बल्लू अपने माता-पिता की मौत के बाद अब अपनी जायदाद को कौडि़यों के भाव बेचने लगा। नतीजा निकला कि नौकरों-चाकरों ने मौके का फायदा उठाया और जायदाद हड़प करने लगे। रिश्तेदार व अन्य संबंधी समझा-समझा कर चुप कर गए थे कि वह अपने बाप-दादा की कीमती जायदाद रूपी धरोहर को मिट्टी में न मिलाए लेकिन बल्लू कब किसी की मानने वाला था।

समय गुजरता गया। सयाने कहते हैं कि निठल्ला बैठ कर खाने से तो कुएं भी खाली हो जाते हैं। अब तक जमीन का बहुत बड़ा हिस्सा कौड़ियों के भाव बेचा गया था। फसल पहले से कम होने लगी। जब बल्लू को होश आया तब तक उसकी जवानी ढलने लगी थी। उसे मन ही मन पछतावा होने लगा लेकिन अब तो हाथ मलने के सिवाय कुछ न था। वह खोई हुई जमीन-जायदाद को वापस लेने के लिए सोचने लगा। एक बार गांव में एक मदारी आया जो छोटे-छोटे जादू भी दिखा रहा था।

बल्लू मदारी के जादुई खेल बड़ी उत्सुकता से देखने लगा। वह मदारी के जादू से बहुत प्रभावित हुआ। ''काश! मेरे पास भी कोई ऐसा जादू हो जिससे मैं अपनी खोई हुई सम्पत्ति प्राप्त कर सकूं लेकिन...।'' बल्लू सोचने लगा। खेल समाप्त होने पर मदारी के साथ अकेले में उसने मन की बात की। मदारी उसे समझाने लगा कि उसके पास कोई जादू नहीं है और न ही कोई जादुई शक्ति होती है लेकिन बल्लू कब मानने वाला था? उसने सोचा कि चलो मदारी से नहीं तो किसी और व्यक्ति से ऐसा जादू प्राप्त करेगा जिससे वह अपनी जायदाद प्राप्त कर सके।

इसके लिए वह गांव दर गांव भटकने लगा। लोग उसका मजाक उड़ाते। इसी तरह घूमता-घूमता वह खेतों की तरफ जा रहा था। रास्ते में कुआं पड़ता था। थका-टूटा होने के कारण वह पास के एक वृक्ष के नीचे बैठ कर सुस्ताने लगा। उसे सुस्ताते थोड़ा समय हुआ था कि एक अधेड़ आयु का आदमी अपने घोड़े पर आया।

बल्लू ने उसे कुएं से पानी निकाल कर पिलाया। वह व्यक्ति कुछ देर आराम करने के लिए बैठ गया। बल्लू ने सोचा, ''शायद इस बुजुर्ग के पास ही कोई जादू हो...। यदि वह जादू मिल जाए तो मैं फिर से दौलतमंद बन सकता हूं। मैं इनके साथ बात करके देखता हूं।''

बल्लू ने उस व्यक्ति को अपने साथ बीती सारी कहानी सुनाई और फिर उससे पूछने लगा, ''क्या आपके पास कोई ऐसा जादू है या आप ऐसे जादू के बारे में जानते हो जिसकी सहायता से मैं अपनी ही बेवकूफी से खोई हुई जमीन-जायदाद वापस प्राप्त कर सकूं?''

बूढ़े बाबा ने कहा, ''हां मैं सबसे बड़े जादू के बारे में जानता हूं जो तेरी खोई हुई जमीन को वापस दिलवा सकता है।''

बल्लू ने एकदम पूछा, ''बाबा, क्या यह सच है?''

''हां बिल्कुल सच।'' बहुत नर्म स्वभाव से उसने कहा।

बल्लू लालायित था। उसने एकदम कहा, ''तो जल्दी बताइए बाबा जी, मैं उसके लिए काफी समय से भटक रहा हूं।''

बूढ़े बाबा ने उसे प्यार से कहा, ''लेकिन बेटा मैं आपको उस जादू के बारे में मैं तब तक नहीं बता सकता जब तक आप मेरी एक पहेली का हल नहीं बता देते।''

''हां, हां, बाबा, जल्दी कहो पहेली। मैं उसका हल आपको बताऊंगा।'' बल्लू ने एकदम कहा।

बूढ़े बाबा बोले, ''आपके हाथों की रगड़ से इस पहेली का हल छुपा हुआ है लेकिन इस पहेली का हल एकदम नहीं, धीरे-धीरे अपने आप आपके सामने आ जाएगा। जितनी तेजी से और मेहनत से हाथों को रगड़ोगे, उतनी तेजी से पहेली का हल बाहर निकलेगा। उस पहेली का हल तुम्हारे हाथों में ही है।''

''क्या? मेरे अपने हाथों की रगड़ में पहेली का हल छुपा हुआ है?'' बल्लू ने हैरानी से अपने हाथों की तरफ देखते हुए पूछा। ''हां, तेरे अपने पास। मैं तुम्हें भविष्य में मिलूंगा। उम्मीद है कि तब तक आप मेरी पहेली का हल ढूंढ लोगे।''

यह कह कर अधेड़ आयु वाला सज्जन वहां से रवाना हो गया। ''वाह, अब मुझे बुजुर्ग आदमी ने सफलता का रहस्य बता दिया है। मैं फिर से अपनी खोई हुई जायदाद प्राप्त कर सकता हूं।''

यह सोच कर बल्लू अपने हाथों को रगड़ने लगा। बहुत देर तक रगड़ता रहा लेकिन कोई बात न बनी। घर आकर भी उसने वही अभ्यास जारी रखा लेकिन कोई बात न बनी। जब बल्लू इधर-उधर जाता तो गांव के लोग उसे हाथ रगड़ता देख कर मन ही मन हंसते। बल्लू सब लोगों की ऐसी बातें सुन कर एक कान से सुनता दूसरे से निकाल देता। रगड़ से उसके हाथ लाल हो जाते और दर्द करने लगते। जब उसे ऐसा करते कई दिन गुजर गए तो धीरे-धीरे उसकी समझ में कुछ आने लगा।

''ओह, तो अब पहेली की बात मेरे समझ में आई। बुजुर्ग के कहने का मतलब था हाथों को केवल रगड़ना नहीं, हाथों की रगड़ का भेद समझना चाहिए।''

अपने आपसे यह कह कर बल्लू फिर से काम करने में जुट गया। पहले वह एक अमीर आदमी के खेतों में काम करने लगा। वह खूब काम करता। धीरे-धीरे उसका मालिक उसकी मेहनत से बहुत खुश होने लगा क्योंकि उसकी मेहनत से अच्छी फसल होने लगी थी। कुछ ही समय के बाद बल्लू ने भी जमीन खरीद ली। धीरे-धीरे उसने नशे की लत भी त्याग दी। पत्नी भी मायके से लौट आई। दो-तीन साल बाद बल्लू फिर खुशहाल व्यक्ति बन गया। एक दिन उसने देखा एक बुजुर्ग व्यक्ति अपने घोड़े पर सवार होकर उसके खेत में आया।

''मुझे पहचाना?'' उस व्यक्ति ने अपने घोड़े से उतर कर बल्लू से पूछा।

''जी जी। आप ही तो हैं जिन्होंने मेरी जिंदगी ही बदल दी। आपने कुछ साल पूर्व मुझे एक पहेली सुना कर उसका हल ढूंढने को कहा था ताकि मैं अपनी खोई हुई जायदाद वापस प्राप्त कर सकूं। मैंने आपकी पहेली का हल ढूंढ लिया है बाबा। आपने अपनी पहेली में इस बात की ओर संकेत किया था कि हाथों की मेहनत के सच्चे जादू के आगे दुनिया के सब जादू झूठे हैं। अब जो भी कुछ देख रहे हैं वह मेरे हाथों की रगड़ यानी मेरे हाथों की सच्ची मेहनत के जादू का ही परिणाम है।''

बुजुर्ग व्यक्ति बोला, ''बिल्कुल। कहते हैं न कि अपना हाथ जगन्नाथ। अपना हाथ ही दुनिया में सबसे बड़ा जादू है। इन हाथों से तुम जितनी मेहनत करोगे उतनी ही खुशहाली, सुख-शांति और धन-दौलत इकट्ठा कर सकते हो।'' बुजुर्ग ने कहा।

बल्लू ने उस बुजुर्ग व्यक्ति के चरण स्पर्श किए और फिर उसे आदर सहित अपने साथ भोजन करवाने के लिए घर की ओर रवाना हो गया।

शब्दों की समस्या दूर भगाओ शब्दकोश के साथ

दोस्तों, अक्सर पढ़ाई करते वक्त तुम्हारे सामने अंग्रेजी या हिन्दी के कई ऐसे शब्द आ जाते हैं, जिनका अर्थ तुम्हें पता नहीं होता। अगर कोई उस शब्द का सही अर्थ बताने वाला हो तब तो ठीक है, नहीं तो अर्थ का अनर्थ निकल जाता है। तुम्हारी पढ़ाई भी डिस्टर्ब होती है और तुम सही से समझ भी नहीं पाते। तुम्हारी इस समस्या का समाधान सिर्फ एक क्लिक पर चंद सेकेंड्स में हो जाएगा।

शब्दों का संसार है शब्दकोश वेबसाइट

शब्दकोश डॉटकॉम नामक वेबसाइट एक ऐसी वेबसाइट है, जहां तुम्हें हिन्दी या अंग्रेजी के सभी तरह के शब्दों का अर्थ एक क्लिक पर चंद सेकेंड में मिल जाएगा। इंग्लिश का कौन सा वर्ड नाउन, प्रोनाउन या वर्ब है, इसके बारे में भी उस वर्ड के साथ काफी स्पष्ट रूप से लिखा रहता है। इन सबके अलावा वर्ड के सिनोनिम्स (समानार्थक) और एंटोनिम्स (विपरीतार्थक) शब्द भी काफी आसानी से यहां पर उपलब्ध है।

शब्द के अनेक अर्थ मिलेंगे

अब अगली बार जब भी पढ़ाई करते हुए तुम्हें किसी शब्द का अर्थ समझ में नहीं आए या किसी शब्द का पर्यायवाची या विपरीतार्थक ढूंढ़ना हो या यह पता करना हो कि वह वर्ड नाउन, प्रोनाउन, वर्ब या एडजेक्टिव है तो देर मत करना। पापा या मम्मी के मोबाइल या लैपटॉप या कंप्यूटर पर इंटरनेट एक्सेस करना और इस वेबसाइट पर क्लिक कर अपनी समस्या का समाधान चुटकियों में हासिल कर लेना। यह वेबसाइट तुम बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी काफी उपयोगी है। एक शब्द के अनेक समानार्थी शब्द होने से तुम्हारी वर्ड पावर भी काफी बढ़ती है। अब से अगर घर के बड़े कभी किसी वर्ड का अर्थ जानने में परेशान हो रहे हों तो तुम इस वेबसाइट से उनकी समस्या का समाधान कर सकते हो।

पढ़ाई में मददगार ये एप्स

दोस्तों, मोबाइल और टैब पर कई सारे ऐसे एप्लिकेशंस हैं, जो तुम्हारी पढ़ाई में बेहद मददगार साबित हो सकते हैं। फिर तुम्हें किसी की मदद की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। आओ जानें ऐसे ऐप्स के बारे में। पापा के टैबलेट या मम्मा के स्मार्टफोन पर स्कूल से आते ही तुम ऐसे कब्जा जमाते हो जैसे कि तुम उसके बगैर कुछ कर ही नहीं सकते। हर दिन इस स्मार्टफोन पर नए-नए गेम्स के एप्लिकेशन (एप्स) डाउनलोड करना और उन पर घंटों माथापच्ची करना तो जैसे तुम्हारी आदतों में शुमार हो गया है। न जाने कितने सारे गेम्स के एप्स हर दिन तुम डाउनलोड करते हो। तुम्हें पता है, स्मार्टफोन की इसी दुनिया में कई सारे ऐसे भी एप्लिकेशन हैं, जो तुम्हारी सभी समस्याओं का समाधान करते हुए तुम्हारी स्टडी में भी काफी मदद कर सकते हैं। विकीस्पीकर नामक एप खासकर बच्चों के लिए ही बनाया गया है। खासकर 5-12 वर्ष के बच्चों को पढ़ाई में जो दिक्कतें आती हैं, उनके समाधान के लिए इस एप को बनाया गया है, लेकिन यह टीनेजर्स और बड़ों के लिए भी काफी उपयोगी है। अब जब भी तुम्हारे मन में किसी तरह का सवाल आए या किसी तरह की जानकारी चाहिए तो इस एप पर जाना। तुम्हारे सभी तरह के क्या, क्यों और कैसे के जवाब सेकेंडों में मिल जाएंगे तुम्हें। ऐसा करने से तुम्हें हर पल आसानी से नई-नई जानकारियां मिलती रहेंगी और तुम हर पल कुछ नया सीखोगे। तुम इन नई जानकारियों को अपने टीचर, पेरेंट्स और दोस्तों को भी बता सकते हो।

हिमाचल में निवास करते हैं दुनिया के आधे कलहंस

विश्व की सबसे बड़ी आर्द्रभूमियों में से एक हिमालय की तराई में निर्मित कृत्रिम आर्द्रभूमि पोंग डैम इस समय लगभग 43,000 कलहंसों का निवास स्थल है। वन्यजीव अधिकारियों का कहना है कि यह विश्व में कुल कलहंसों की लगभग आधी आबादी है, जो हिमाचल प्रदेश के पोंग डैम में आश्रय लिए हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस बार पोंग आर्द्रभूमि में पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक संख्या में कलहंस पहुंचे हैं। वन (वन्यजीव) के सहायक संरक्षक डीएस डडवाल के अनुसार, आर्द्रभूमि में रहने वाली पक्षियों की प्रजाति की गणना में लगभग 43,000 प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। राज्य वन्यजीव विभाग ने 29 जनवरी को पोंग जलाशय में पक्षी गणना कराई थी। कलहंसों के अलावा कांगड़ा घाटी स्थित पोंग जलाशय में सामान्य कूट पक्षी, पिनटेल, सामान्य एवं गुच्छेदार तथा लाल कलगी वाले पोचार्ड प्रजाति के बत्तख, सामान्य चैती, छोटे जलकाग, बड़ी कलगी वाले ग्रेब और भूरी टांगों वाले कलहंस जैसी प्रजाति के पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। पक्षी गणना में 119 प्रजातियों के 1,28,200 पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। साथ ही भारतीय आर्द्रभूमि क्षेत्र में कम ही दिखने वाले सामान्य शेलडक, सारस क्रेन, मछलियों का शिकार करने वाले बाज (ओस्प्रे), बफ बेलीड पिपिट, भारत में पाया जाने वाला स्किमर और छोटा गुल आधि प्रजाति के पक्षियों की मौजूदगी का भी पता चला है। डडवाल ने कहा कि पोंग डैम में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कलहंस पक्षियों ने डेरा डाला है। कलहंस हर वर्ष सर्दियों में मध्य एशिया तथा तिब्बत और लद्दाख से यहां प्रवास पर आते हैं। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के सहायक निर्देशक एस. बालाचंद्रन का कहना है कि कलहंस पक्ष बड़ी संख्या में पोंग डैम की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। पोंग डैम आर्द्रभूमि क्षेत्र में स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की 421 प्रजातियां, सांपों की 18 प्रजातियां, तितलियों की 90 प्रजातियां, स्तनपाई जीवों की 24 प्रजातियां और मछलियों की 27 प्रजातियां पाई जाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूएन विश्व खाद्य कार्यक्रम ने उत्तरी गाजा में सहायता रोकी

यरुशलम, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने मंगलवार को उत्तरी गाजा में खाद्य और सहायता वितरण पर रोक लगाने की घोषणा की। डब्ल्यूएफपी के ट्रक चालकों को इलाके में हताश निवासियों की गोलीबारी और हिंसा का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उसने सहायता वितरण पर रोक लगाने का फैसला किया। डब्ल्यूएफपी के एक बयान के अनुसार, लोक व्यवस्था ध्वस्त हो जाने कारण काफिले को अव्यवस्था और हिंसा का सामना करना पड़ा। इसने इज़राइली सेना द्वारा सहायता काफिले पर हमले के चलते तीन सप्ताह के विराम के बाद उत्तरी गाजा में सहायता वितरण फिर से शुरू करने का प्रयास किया था। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि गाजा में दो साल से कम उम्र के प्रत्येक छह में से एक बच्चा गंभीर रूप से कुपोषित है और लोग भूखों मर रहे हैं। गाजा में शासन करने वाले चरमपंथी संगठन हमास के सरकारी मीडिया कार्यालय ने डब्ल्यूएफपी के फैसले को गाजा के उत्तरी हिस्से में रहने वाले हजारों लोगों के लिए मौत की सजा करार दिया है।

अपने 2 मछुआरों की मौत से भड़का चीन, फिर ताइवान के नजदीक बढ़ाई गश्त

बीजिंग, एजेंसी। गत बुधवार को नाव पलटने से दो चीनी मछुआरों की मौत हो गई थी जिसके बाद चीन ने ताइवान के किनमेन द्वीपसमूह के आसपास गश्त बढ़ा दी है। घटना के दौरान ताइवान ने दो अन्य चीनी नागरिकों को हिरासत में ले लिया था। यह नाव किनमेन द्वीपसमूह से तकरीबन एक नौटिकल मील की दूरी पर स्थित प्रतिबंधित जल क्षेत्र में मछली पकड़ रही थी। ताइवान तटरक्षक बलों द्वारा पीछा किए जाने पर हादसा हुआ और चीन ने मछुआरों की मौत का आरोप ताइवान पर लगा दिया । चीनी तटरक्षक बलों के प्रवक्ता गन यू ने रविवार को कहा कि समुद्री कानून प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए चीनी तट रक्षक बलों की फुजियान डिवीजन नियमित रूप से जियामेन शहर के दक्षिणी तट के आसपास निगरानी करेगी। जियामेन शहर ताइवार के किनमेन द्वीपसमूह से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। इस क्षेत्र में चीन की मछली पकड़ने वाली नावों व रेत निकालने वाले चीनी जहाजों की संख्या बढ़ने के कारण आए दिन तनाव की स्थिति खड़ी हो जाती है। इधर, दो मछुआरों की मौत के मामले में चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने रविवार को बिना जानकारी आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

निक्की हेली ने कहा, राष्ट्रपति पद की रेस से नहीं हट रही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व राजदूत तथा दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और राष्ट्रपति पद की रिपब्लिकन उम्मीदवार निक्की हेली ने कहा है कि राष्ट्रपति पद की दौड़ से नहीं हट रही हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हेली ने मंगलवार को दक्षिण कैरोलिना के ग्रीनविले में स्टेट ऑफ द रेस संबोधन में यह टिप्पणी की, जहाँ कुछ ही दिन में दक्षिणपूर्वी प्रांत की रिपब्लिकन प्राइमरी होने वाली है। उन्होंने 2011 से 2017 तक प्रांत में पहली महिला गवर्नर के रूप में काम किया था। ग्रीनविले वन में क्लेम्सन विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा, जब देश का भविष्य खतरे में हो, तो आप मोर्चे से नहीं हटते हैं। आप लड़ते रहते हैं। वास्तव में, आप पहले से कहीं अधिक कठिन संघर्ष करते हैं। इसलिए मैं हार मानने से इनकार करती हूं। उन्होंने कहा, साउथ कैरोलिना में शनिवार को मतदान होगा। लेकिन रविवार को भी मैं राष्ट्रपति पद की रेस में रहूँगी। मैं कहीं नहीं जा रही हूं। ट्रम्प ने आयोवा, न्यू हैम्पशायर और नेवादा में जीओपी प्राथमिक जीत हासिल की, जिससे राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार बनने के लिए स्पष्ट दावेदार के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हो गई। उन्होंने 5 मार्च को सुपर मंगलवार को ध्यान में रखते हुए कहा, दक्षिण कैरोलिना के बाद 10 दिन में अन्य 21 प्रांतों और क्षेत्रों में मतदान होगा।

पाकिस्तान के चुनाव में धांधली-सेना के दखल के आरोप, पर चीन ने बताया निष्पक्ष और सफल

बीजिंग, एजेंसी।

पाकिस्तान चुनाव नतीजे आ चुके हैं, कौन सी पार्टी सरकार बनाएगी और प्रधानमंत्री कौन बनेगा? ये सवाल अब भी बना हुआ है।भारत ने पाकिस्तान में हुए इस बार के चुनाव में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, जबकि चीन कुछ ज्यादा ही उत्साहित है। सोमवार को चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने चुनाव से निपटने के तरीके की सराहना की और सफल चुनाव के लिए बधाई दी जबकि पाकिस्तान के हालातों के बारे में किसी से कुछ छिपा नहीं है। यहां के ज्यादातर दलों ने धांधली के आरोप लगाए हैं।

आठ फरवरी को हुआ था चुनाव

पाकिस्तान में आठ फरवरी को चुनाव हुआ था। चुनाव के बाद सियासी बखेड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश में तीन दिन से इंटरनेट बंद है तो वहीं इस्लाबाद उच्च न्यायालय ने तीन उम्मीदवारों की जीत को चुनौती दिए जाने के बाद तीनों निर्वाचन क्षेत्रों का परिणाम रद्द कर दिया है।

पाकिस्तानी लोगों की पसंद का पूरा सम्मान-चीन

इन सबके बीच चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, हमने देखा कि पाकिस्तान में आम चुनाव मौटे तौर पर स्थिर और सुचारू तरीके से हुए और हम बधाई देते हैं। एक करीबी और मित्र पड़ोसी के रूप में, चीन पाकिस्तानी लोगों की पसंद का पूरा सम्मान करता है और उम्मीद करता है कि पाकिस्तान की संबंधित पार्टियां चुनाव के बाद राजनीतिक एकजुटता व सामाजिक स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगी। साथ ही देश के विकास के लिए संयुक्त रूप से उज्जवल भविष्य का रास्ता खोलेंगी। निंग ने कहा, चीन और पाकिस्तान हमेशा से रणनीतिक सहयोग वाले साझेदार रहे हैं। चीन पाकिस्तान के साथ दोस्ती बनाए रखने, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने और दोनों देशों के लाभ के लिए भविष्य में काम करने की उम्मीद करता है।

तनाव शांत करने का मकसद- रिपोर्ट: चीन के इस बयान को पाकिस्तान की सेना को समर्थन करने के तौर पर देखा जा रहा है। क्योंकि हाल ही में अमेरिका ने यहां के चुनाव की आलोचना की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चुनाव में धांधली के कारण चल रहे विवाद को शांत करने के लिए चीन ने ऐसा बयान दिया है। उनका कहना है कि यह समर्थन बिलावल भुट्टो जरदारी और इमरान खान जैसी आवाजों को चुनौती देता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर स्थिरता के लिए चीन की प्राथमिकता का संकेत देता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन का बयान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व को मंजूरी देने का भी संकेत है। कर्ज में डूबे देश में तनाव को शांत करने के उद्देश्य से चीन ने यह बयान दिया है। इतना ही नहीं, यह कदम लोकतांत्रिक मानदंडों और क्षेत्रीय प्रभाव के संबंध में चीन और अमेरिका के बीच तनाव को भी उजागर करता है, जो संभावित रूप से देशों के बीच भविष्य के राजनयिक संबंधों को प्रभावित करता है।

उत्तर कोरिया की मिसाइलों में मिले अमेरिकी और यूरोपीय कंपनी के पार्ट्स

वॉशिंगटन, एजेंसी। उत्तर कोरिया की मिसाइलों से रूस के जरिए यूक्रेन पर हमला किए जा रहे हैं। वहीं, मिसाइल में मौजूद कई पार्ट्स अमेरिकी और यूरोपीय कंपनी ने निर्मित किए हैं।

ब्रिटेन स्थित जांच संगठन कॉन्फ्लिक्ट आर्मामेंट रिसर्च या सीएआर ने जनवरी में यूक्रेन के खार्किव से बरामद उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल के अवशेषों की जांच की। जांच में पाया गया कि मिसाइलों में मौजूद 290 पार्ट्स में से 75 प्रतिशत पार्ट्स अमेरिकी कंपनी ने डिजाइन की है। वहीं, 16 प्रतिशत पार्ट्स को यूरोपीय कंपनी द्वारा निर्मित किया गया। 9 प्रतिशत पार्ट्स को एशिया में डिजाइन किया गया। इससे पहले कॉन्फ्लिक्ट आर्मामेंट रिसर्च ने जानकारी दी थी कि यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस ने जिस ईरान में निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल किया था, उस ड्रोन के 82 प्रतिशत पार्ट्स अमेरिका की कंपनी ने तैयार किए थे। रिसर्च में यह भी जानकारी सामने आई की इन यूक्रेन पर हमले किए जा रहे मिसाइल को 2021 और 2023 के बीच बनाया गया है।

राजा कृष्णमूर्ति 'शिकागो मैगजीन में 50 सबसे अधिक प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के इलिनॉइस प्रांत के सबसे बड़े शहर शिकागो की प्रतिष्ठित पत्रिका 'शिकागो मैगजीन में भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति को 50 सबसे अधिक प्रभावशाली शिकागोवासियों की सूची में शामिल किया गया है। कृष्णमूर्ति को इस सूची में 24वां स्थान दिया गया है और इसके साथ ही वह सर्वोच्च रैंक हासिल करने वाले दक्षिण एशियाई मूल के पहले व्यक्ति बन गए हैं। इस सूची में इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रिट्जकर का नाम शीर्ष पर है और दूसरे नंबर पर हैं शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉनसन का नाम।

'शिकागो मैगजीन ने कृष्णमूर्ति को सूची में 24वें स्थान पर रखते हुए उन्हें ग्रेटर शिकागो क्षेत्र में दक्षिण एशिया के ''सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में वर्णित किया है। पत्रिका में यह भी कहा गया है कि वह वर्ष 2026 में अमेरिकी संसद के चुनाव लड़ने की भी तैयारी कर रहे हैं। कृष्णमूर्ति (50) देश में विभिन्न मुद्दों की जांच के लिए बनी 'हाउस ओवरसाइट उपसमिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

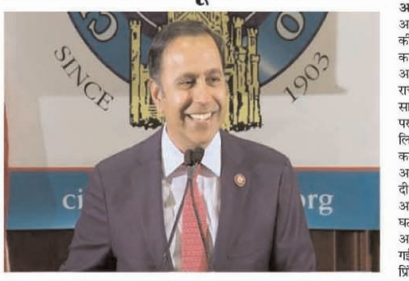

कहा जाता है कि उनकी प्रचार निधि में 1.44 करोड़ अमेरिकी डॉलर हैं जो कि इलिनॉइस के किसी कांग्रेस प्रतिनिधि की तुलना में तीन गुना से अधिक। एक राजनीतिक सलाहकार ने कहा, '' राजा बेहद प्रभावशाली हैं। पत्रिका में कहा गया, '' कृष्णमूर्ति ने वर्ष 2022 में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों और 'डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी को 460,000 अमेरिकी डॉलर का दान दिया था।

मां ने बेटे के ऊपर चढ़ा दी कार, स्कूल में प्रिंसिपल की शिकायत पर भड़क गई थी महिला

अलबामा, एजेंसी।

अमेरिका के अलबामा में एक मां की ओर से अपने बेटे के ऊपर कार चढ़ा देने की घटना सामने आई है। इस महिला का नाम सराय राचेल जेम्स है। उसने अपने 7 साल के बच्चे को सजा के तौर पर स्कूल से घर पैदल जाने के लिए कहा था। बच्चे को मजबूर करने के बाद उसने गलती से अपनी कार उसके ऊपर ही चढ़ा दी। बोअज शहर के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 9 फरवरी की है। महिला अपने बेटे को स्कूल से पिक करने गई हुई थी। इस दौरान उसने प्रिंसिपल से सुना कि उनका बच्चा कुछ परेशानी महसूस कर रहा था। यह सुनकर उसने एग्जांपल सेट करने के मकसद से उसे पनिश करने का फैसला किया।

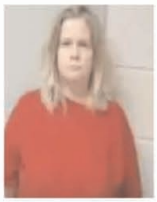

मां स्कूल से बेटे को कार में बैठाकर निकली मगर रास्ते में उसने उसे नीचे उतर जाने के लिए कहा। इसके बाद उसने अपने बेटे से कहा कि वह यहां से दौड़ते हुए घर के लिए जाए। स्कूल और उसके घर की दूरी 8 ब्लॉक की थी। लड़का पैदल ही घर के लिए जाने लगा। इसी बीच, अचानक उसने चलती हुई कार के दरवाजे का हैंडल पड़कने की कोशिश की। तभी उसकी मां ने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी और उसका बेटा घसीटने लगा। जब तक महिला को कुछ समझ आता तब तक कार का पिछला चक्का उसके ऊपर चढ़ गया था। बच्चे को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया, इस पूरी घटना में राहत की एक बात यही है कि बच्चे को बहुत गंभीर चोट नहीं आई है। उसका इलाज चल रहा है और वह रिवकरी पर है। ऑफिसर का यही मानना है कि महिला ने गलती से कार अपने बेटे के ऊपर चढ़ाई। हालांकि, यह जरूर है कि उसने सजा के तौर पर बच्चे को पैदल घर भेजने का फैसला लिया था। ऐसा हो सकता है कि उसे इस बात का एहसास न रहा हो कि उसका यह कदम कितना घातक साबित हो सकता है। इस घटना के संबंध में 27 वर्षीय सराय राचेल जेम्स पर गंभीर बाल शोषण का आरोप लगा है। पुलिस हिरासत लेने के बाद उसे 50,000 डॉलर के मुचलके पर रिहा किया गया।

यूट्यूब पर देती थी पैरेंट्स को अच्छा बनने की सलाह, घर पर करती थी अपने बच्चों का शोषण

न्यूयार्क, एजेंसी।

यूट्यूब पर कभी पैरेंटिंग एड्वाइस देने वाली एक पूर्व यूट्यूबर पर अपने ही बच्चों के शोषण की दोषी पाई गई है। इतना ही नहीं कोर्ट ने रूबी फ्रैंक को मंगलवार को 60 सालों की जेल की सजा भी सुनाई है। खबर है कि बीते साल दिसंबर में ही उसने अपने गुनाह कबूल कर लिए थे। कहा जा रहा है कि वह अपने बच्चों को लंबे समय तक भूखा और प्यासा रखती थी। उसके साथ बिजनेस पार्टनर जोडी हिल्डब्रांट को भी यही सजा सुनाई गई है।

फ्रैंक 6 बच्चों की मां है। जज रिचर्ड क्रिस्टोफर्सन ने उसे 1 से 15 सालों तक की लगातार चार सजाएं सुनाई हैं। दरअसल, यह मामला फ्रैंक के ही दो बच्चों के शोषण से जुड़ा हुआ है, जिनकी उम्र 9 और 11 वर्ष है। कथित तौर पर बच्चों को खाना नहीं दिया जाता था। साथ ही उन्हें अलग-थलग रखा जाता था।

अभियोजन पक्ष ने पीड़ित बच्चों के रहने की स्थिति की तुलना कंसन्ट्रेशन कैंप से की है। साथ ही फ्रैंक को समाज के लिए बड़ा खतरा भी बताया है। अभियोजक एरिक क्लार्क ने बताया, बच्चों को नियमित रूप से भोजन, पानी, सोने के लिए बिस्तर और मनोरंजन की सभी चीजों से दूर रखा जाता था। सुनवाई के दौरान फ्रैंक रोने लगी और बच्चों से माफी भी मांगी। उसने कहा, मुझे यह भरोसा दिला दिया गया था कि यह दुनिया दुष्ट जगह है, जिसमें ऐसे पुलिसकर्मी है जो सबकुछ नियंत्रित करते हैं, ऐसे अस्पताल हैं जो घायल करते हैं, ऐसी सरकारी एजेंसियां हैं जो ब्रेनवॉश करती हैं, ऐसे चर्च के लोग हैं जो झूठ बोलते हैं, ऐसे पति हैं जो सुरक्षा देने से इनकार करते हैं और ऐसे बच्चे हैं जिन्हें शोषण की जरूरत है।

पाकिस्तान में फिर एक बार शहबाज शरीफ की सरकार, आसिफ जरदारी बनेंगे राष्ट्रपति

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान में सरकार बनाने को लेकर तस्वीर साफ होती दिख रही है। कई दिनों की बातचीत के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के बीच एक नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए सहमति बन गई है। पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने घोषणा की कि पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ फिर से प्रधानमंत्री की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। वहीं, पीपीपी के सह-अध्यक्ष आसिफ जरदारी देश के अगले राष्ट्रपति बनेंगे। यह घोषणा पार्टी नेताओं ने मंगलवार देर रात एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में की।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, भुट्टो-जरदारी ने कहा, पीपीपी और पीएमएल-एन ने जरूरी संख्या हासिल कर ली है और अब हम सरकार बनाने की स्थिति में हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित उम्मीदवारों और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के चुनावों में बहुमत हासिल करने में विफल रहने के बाद नई सरकार बनाने का फॉर्मूला सामने आया है।

मीडिया को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा कि वार्ता के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए दोनों पक्षों के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने दोनों पार्टियों के बीच एकता और सरकार बनाने की उनकी क्षमता पर जोर दिया। आपको बता दें कि दोनों पक्षों को 8 फरवरी को हुए चुनाव में मिले खंडित जनादेश के बाद सत्ता-साझाकरण व्यवस्था पर आम सहमति तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएमएल-एन ने 75 सीटें हासिल कीं वहीं, पीपीपी 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) अपनी 17 सीटों के साथ उनका समर्थन करने पर सहमत हो गई है। बिलावल ने प्रेस कांफ्रेंस में स्पष्ट कर दिया कि नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, और दूसरी तरफ उनके पिता आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति पद की कमान संभाल सकते हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के पास केंद्र में सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्याबल नहीं है। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ ने सभी नेताओं का शुक्रिया अदा किया और उनसे दो टूक कह दिया कि वे केंद्र में सरकार बनाएंगे। बता दें कि पाकिस्तान में गत आठ फरवरी को हुए चुनाव में पीएमएल ने 75 सीटें जीती थी, जबकि पीपीपी ने 54 सीटों पर जीत का परचम लहराया था। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) भी अपनी 17 सीटों के साथ उनका समर्थन करने पर सहमत हो गया है।

राफा पर हमले का खतरा मंडराता देख अमेरिका ने सुरक्षा परिषद में गाजा प्रस्ताव पर वीटो किया

वाशिंगटन, एजेंसी।

राफा पर इजरायली हमले की आशंका के बीच, जहां दस लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी छिपे हुए हैं, अमेरिका ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद में नागरिकों के जबरन विस्थापन का विरोध करते हुए वीटो कर दिया और गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम का आह्वान किया।सुरक्षा परिषद में अमेरिका अलग-थलग पड़ गया, जहां अरब देशों की ओर से एलेग्रिया द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव को 13 वोट मिले, जबकि 15 सदस्यीय परिषद में ब्रिटेन गैरहाजिर रहा।अमेरिकी स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने वीटो के बारे में बताते हुए कहा कि यह प्रस्ताव गाजा में बंधकों को रिहा करने और इसे सुविधाजनक बनाने के लिए युद्धविराम और मानवीय सहायता भेजने के लिए कतर और मिस्र की भी भागीदारी के साथ होने वाली बातचीत में बाधा उत्पन्न करेगा।उन्होंने कहा कि वाशिंगटन एक वैकल्पिक प्रस्ताव पेश करेगा।

यह गाजा पर अमेरिका, ब्रिटेन, रूस या चीन द्वारा वीटो झेलने वाला छठा प्रस्ताव था।मानवीय सहायता के प्रावधान की मांग करने वाले केवल दो को ही अपनाया गया है।अल्जीरिया के स्थायी प्रतिनिधि अमर बेंडजामा ने कहा कि उनके प्रस्ताव के खिलाफ वोट का अर्थ उनके खिलाफ क्रूर हिंसा और सामूहिक दंड का समर्थन है।उन्होंने कहा, आज प्रत्येक फिलिस्तीनी मौत, विनाश और नरसंहार का लक्ष्य है। हममें से प्रत्येक यह तय करता है कि इतिहास के इस दुखद अध्याय में कहां खड़ा होना है।राफा पर हमले की धमकी के साथ वीटो किए गए प्रस्ताव में अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए फिलिस्तीनी नागरिक आबादी के जबरन विस्थापन का विरोध किया गया।इसमें नागरिकों पर हमलों की सामान्यीकृत निंदा शामिल थी। प्रस्ताव में पिछले महीने विश्?व न्यायालय की घोषणा का भी संदर्भ दिया गया, जिसमें इजरायल को गाजा में नरसंहार को रोकने के लिए कदम उठाने और वहां के लोगों को मानवीय सहायता की अनुमति देने का आदेश दिया गया था।संस्था, जिसे औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के रूप में जाना जाता है, इस समय फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे पर सुनवाई कर रही है।इसके मसौदे पर तीन सप्ताह की बातचीत के बाद वीटो किए गए प्रस्ताव में 7 अक्टूबर को गाजा से इजरायल पर आतंकवादी हमले में हमास द्वारा लिए गए बंधकों को रिहा करने की भी मांग की गई, जिसमें लगभग 1,200 लोग भी मारे गए। इसके बाद इजरायल ने गाजा पर जवाबी हमला किया, जिसमें 29,000 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। उसने फिलिस्तीनियों को हमले से बचने के लिए दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया।संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गाजा की 23 लाख की आबादी में से आधे से अधिक राफा में शरण लिए हुए है।

फाइव-स्टार रिज़ॉर्ट में अंडे खाने से 8 वर्षीय बच्चे की किडनी हो गई फेल, डाक्टरों ने बताया चौंकाने वाला कारण

इस्तांबुल, एजेंसी। फाइव-स्टार रिज़ॉर्ट में अंडे खाने से 8 वर्षीय लड़के ऐसी हालत हो गई कि उसकी हालत मुर्दों के समान हो गई । जैक्सन बेंटले, तुर्की में एक पांच सितारा रिज़ॉर्ट में रहने के दौरान खाए गए अंडों से बीमार हो गया और उसकी हालत लगभग मरने जैसी हो गई है। मेट्रो यूके की एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मां नताली पार्र ने कहा कि अंडे खाने के बाद उनका बेटा एक बग यानि कीड़े की वजह से साल्मोनेला से संक्रमित हो गया और इसी कारण उसकी किडनी फेल हो गई है और शरीर के बाकि अंगों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नताली पार्र ने बताया कि पिछले साल जून में परिवार एक सप्ताह की छुट्टी पर तुर्की के एक फाइव-स्टार रिज़ॉर्ट में छुट्टियां मनाने गया था। रिज़ॉर्ट में तीसरे दिन उन्हें पेट में गंभीर ऐंठन, दस्त और उच्च तापमान के कारण अस्पताल ले जाया गया तो अंडे खाने से साल्मोनेला नामक कीड़े से संक्रमित होने का पता चला। नताली रे अनुसार डाक्टरों ने बताया कि साल्मोनेला संक्रमण दो तरह का होता है जिनमें से एक घातक हो सकता है और तंत्रिका संबंधी क्षति का कारण बन सकता है। नताली ने कहा कि कुछ देर वहां इलाज के बाद वह ब्रिटेन वापस आ गए और यहां भी बेटे को कई हफ्तों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रांची में इंग्लैंड-भारत के बीच 23 फरवरी को चौथा टेस्ट

● चौथे टेस्ट में यह हो सकती है भारत की प्लेइंग-11 ● पाटीदार को एक और मौका संभव, बुमराह की गैरहाजिरी ने मुश्किल बढ़ाई

रांची (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत 2-1 से आगे है। सीरीज का चौथा मुकाबला रांची में 23 फरवरी से खेला जाएगा। इसे जीतते ही भारत अंग्रेजों के खिलाफ लगातार तीसरी होम सीरीज जीत लेगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल इस मुकाबले में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे। सिलेक्टर्स ने मुकेश कुमार को टीम में शामिल किया है। सीरीज के अहम मुकाबले में जसप्रीत बुमराह की जगह कौन लेगा और भारत की प्लेइंग-11 क्या होगी, आगे जानने की कोशिश करते हैं।

बुमराह को आराम दिया, अब 2 कंडीशन-

सिलेक्टर्स ने बुमराह को आराम दिया है, तो प्लेइंग-11 में चेंज की दो कंडीशन बनती दिख रही हैं। स्पिन पिच- सिराज के साथ 4 स्पिनर्स, अक्षर की वापसी संभव- बुमराह की गैरमौजूदगी में रांची की पिच स्पिन फ्रेंडली होने पर भारतीय टीम 4 स्पिनर और एक तेज गेंदबाज के साथ उतर सकती है। ऐसे में जडेजा, कुलदीप और अश्विन के साथ अक्षर पटेल को टीम में लाया जाएगा और मोहम्मद सिराज को पेसर के तौर पर रखा जाएगा।

सामान्य पिच - 2 पेसर उतर सकते हैं; मुकेश की वापसी या आकाश का डेब्यू भी संभव- यदि रांची की पिच दूसरे और तीसरे मुकाबले के जैसी रही, तो भारतीय टीम 2 तेज गेंदबाज के साथ उतरेगी। सिराज के साथ मुकेश कुमार तेज गेंदबाजी की कमान संभाल सकते हैं। या फिर युवा आकाश दीप को भी डेब्यू कराया जा सकता है।

पाटीदार को एक और मौका मिल सकता है

भारतीय टीम का टॉप ऑर्डर अच्छा कर रहा है। पिछले मुकाबले में कप्तान रोहित शर्मा (131 रन), यशस्वी जायसवाल (214 रन) ने धमाकेदार पारियां खेली थी। गिल ने भी 91 रन का योगदान दिया था। मिडिल ऑर्डर में रजत पाटीदार को छोड़कर सरफराज खान ने दो अर्धशतक समेत 130 रन बनाए, जबकि रवींद्र जडेजा (112 रन) ने शतक जमाया।

इसके बावजूद रजत पाटीदार को एक और मौका मिल सकता है। रजत सीरीज के 2 मैचों में महज 46 रन ही बना सके हैं। अगर पाटीदार को बाहर किया गया तो देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। हालांकि, टीम से जुड़े सूत्र बता रहे हैं कि पाटीदार को एक बार फिर मौका दिया जा सकता है।

अहम मुकाबले से बुमराह को आराम क्यों?

बीसीसीआई ने कहा है कि बुमराह को रेस्ट देने का फैसला सीरीज की लंबी अवधि और पिछले कुछ दिनों में खेले गए क्रिकेट की मात्रा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मतलब साफ है कि सिलेक्टर्स उन्हें आराम देकर आखिरी टेस्ट के लिए तरोताजा रखना चाहते हैं। साथ ही जून में टी-20 वर्ल्ड कप भी होना है। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स नहीं चाहते कि इतने अहम टूर्नामेंट से पहले बुमराह चोटिल हों। वह चोट के कारण 2022 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं बन पाए थे।

बुमराह के बिना संभावित प्लेइंग-11

पिच स्पिन फ्रेंडली हुई तो...रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज।

सामान्य पिच पर...रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, मुकेश कुमार और मोहम्मद सिराज।

विराट-अनुष्का के घर बेटे का जन्म

5 दिन बाद सोशल मीडिया पर दी जानकारी, अकाय नाम रखा

मुंबई (एजेंसी)। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा फिर पेरेंट्स बन गए हैं। 15 फरवरी को अनुष्का ने बेटे को जन्म दिया। उन्होंने इसकी जानकारी 20 फरवरी को इंस्टाग्राम पोस्ट पर दी। कपल ने कहा- आपकी दुआओं की दरकार है। कृपया इस वक्त हमारी प्राइवेसी का ध्यान रखें। बच्चे का जन्म कहां हुआ है यह नहीं बताया गया है। हालांकि 13 फरवरी को इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने अपने ट्वीट में- 'टू बी बॉर्न इन लंदन' लिखा था। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि जन्म लंदन में ही हुआ है। कपल ने बेटे का नाम अकाय रखा है। इसका अर्थ निराकार या पूर्ण चंद्रमा या पूर्ण चंद्रमा की रोशनी भी होता है। इनकी पहले से एक बेटी है। जिसका नाम वामिका है। भगवान शिव और देवी पार्वती के मिले-जुले स्वरूप को वामिका कहा जाता है।

डिविलियर्स ने किया था पिता बनने की खबर का खुलासा

कुछ दिन पहले साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब लाइव स्ट्रीम में कोहली के पिता बनने की खबर का खुलासा किया था। एबी ने कहा था कि कोहली पिता बनने वाले हैं और वे परिवार के साथ हैं। इसीलिए उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ब्रेक लिया है। बाद में डिविलियर्स ने भास्कर को दिए इंटरव्यू में कोहली की प्राइवेसी लीक करने पर माफी मांगी थी और अपने बयान को अपनी बहुत बड़ी गलती बताया था।

बेटे के जन्म के 2 दिन पहले हर्ष गोयनका ने भी दी जानकारी

इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने 13 फरवरी को ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी थी कि अनुष्का लंदन में दूसरे बच्चे को जन्म देंगी। हर्ष गोयनका ने अपने ट्वीट में लिखा था- अगले कुछ दिनों में एक नया बेबी पैदा होगा! आशा है कि बच्चा महान क्रिकेटर पिता की तरह भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। या फिर वह अपनी मां को फॉलो करेगा और एक फिल्म स्टार बनेगा? हर्ष गोयनका ने अपने ट्वीट में 'मेड इन इंडिया' और 'टू बी बॉर्न इन लंदन' को भी टैग किया है। उनके इस ट्वीट से लोगों को यकीन हो गया था कि अनुष्का और विराट फिर से पेरेंट्स बनने वाले हैं। इसके बाद से ही फैंस विराट-अनुष्का को बधाई देने लगे थे।

जायसवाल कर सकते हैं कांबली की बराबरी

14 इनिंग्स में पूरे कर सकते हैं 1000 रन, 139 रन की और जरूरत

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने राजकोट टेस्ट में दोहरा शतक लगाकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया। 21 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले जायसवाल महज 7 मैचों में 2 अर्धशतक, एक शतक और 2 दोहरे शतक लगा चुके हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में एक हजार रन पूरे करने के भी करीब हैं। यशस्वी 7 मैचों की 13 इनिंग में 861 रन बना चुके हैं। अगर अगले मैच की पहली इनिंग में वह 139 रन बना लेते हैं तो सबसे कम इनिंग्स में हजार रन पूरे करने के मामले में विनोद कांबली के भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। वहीं, मैचों के लिहाज से हजार रन बनाने वाले भारत के फास्टेस्ट और दुनिया के सेकेंड फास्टेस्ट प्लेयर भी बन जाएंगे। भारत में यह रिकॉर्ड चेतेश्वर पुजारा और दुनिया में डॉन ब्रेडमैन के नाम है। ब्रेडमैन ने 7 मैचों में 1000 रन पूरा करने का कारनामा किया था।

रणजी क्वार्टर फाइनल नहीं खेलेंगे श्रेयस अय्यर

पीठ में चोट के कारण टीम से बाहर हुए ; मुशीर खान मुंबई के स्क्वॉड में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला नहीं खेल सकेंगे। बीसीसीआई ने पिछले दिनों रणजी ट्रॉफी नहीं खेलने वाले प्लेयर्स पर सख्ती अपनाई और उन्हें वॉर्निंग लेटर लिखा था। श्रेयस ने मुंबई के लिए रणजी के 7वें राउंड का मुकाबला नहीं खेला और अब वह इंजरी के कारण नॉकआउट मैच से बाहर हो गए हैं। अय्यर पीठ में चोट के कारण बाहर हुए हैं। वहीं टीम इंडिया के लिए टी-20 डेब्यू कर चुके शिवम दुबे भी इंजर्ड हैं। वह भी बड़ोदा के खिलाफ मुंबई से मुकाबला नहीं खेल सकेंगे। मुंबई ने नॉकआउट स्टेज के लिए 19 साल के ऑलराउंडर मुशीर खान को शामिल किया है।

श्रेयस ने इस सीजन एक रणजी मैच खेला - रणजी ट्रॉफी में एलिट ग्रुप के नॉकआउट मुकाबले 23 फरवरी से शुरू होंगे। मुंबई ने ग्रुप-बी में टॉप पर रहकर क्वालिफाई किया। श्रेयस टीम के लिए जनवरी में एक ही मुकाबला खेल सके थे। इसके बाद वह इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया से 2 टेस्ट खेलते नजर आए थे। शुरुआती 2 मुकाबलों में खराब परफॉर्मेंस के बाद उन्हें आखिरी 3 टेस्ट की टीम से बाहर कर दिया। इसके बावजूद उन्होंने 16 फरवरी से रणजी में टीम के आखिरी राउंड का मुकाबला नहीं खेला। अब वह पीठ में चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से भी बाहर हो गए हैं।

मुंबई ने मुशीर को स्क्वॉड में शामिल किया

मुंबई ने क्वार्टर फाइनल के लिए 16 प्लेयर्स का स्क्वॉड घोषित किया। टीम में सरफराज खान के भाई और अंडर-19 टीम इंडिया स्क्वॉड के सदस्य मुशीर को शामिल किया गया है। वह अंडर-19 वर्ल्ड कप के कारण रणजी के लीग मुकाबले नहीं खेल सके।

वर्ल्ड कप में उन्होंने 2 सेंचुरी के सहारे 360 रन बनाए, लेकिन टीम को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दिलाने लायक योगदान नहीं दे सके। मुंबई की कप्तानी अजिंक्य रहाणे करेंगे। टीम में पृथ्वी शॉ, शार्दुल ठाकुर और धवल कुलकर्णी जैसे इंटरनेशनल प्लेयर्स भी शामिल रहेंगे।

मुंबई का स्क्वॉड

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), पृथ्वी शॉ, भूपेन लालवानी, अमोघ भटकल, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, प्रसाद पवार (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, आदित्य धूमल, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, धवल कुलकर्णी और रॉयस्टन डायस।

बैक इंजरी के कारण पिछले सीजन आईपीएल नहीं खेला

श्रेयस पीठ में इंजरी के कारण ही 2023 का आईपीएल सीजन भी नहीं खेल सके थे। उनकी जगह नीतीश राणा ने कोलकाता नाइट राइडर्स टीम की कमान संभाली थी। हालांकि टीम टॉप-4 में क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। आईपीएल के बाद भी श्रेयस अगस्त तक क्रिकेट फील्ड पर वापसी नहीं कर सके। उन्हें एशिया कप के स्क्वॉड में जगह मिली, लेकिन वह 2 ही मुकाबले खेल सके। फिर वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने नंबर-4 की पोजिशन संभाली और 2 सेंचुरी लगाकर 530 रन बना दिए। श्रेयस ने फिर टेस्ट टीम में जगह बनाई और साउथ अफ्रीका दौरे पर दोनों मुकाबले खेले। उन्हें फिर इंग्लैंड के खिलाफ भी टेस्ट खेलने का मौका मिला, लेकिन लगातार 4 टेस्ट में एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाने के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

श्रेयस को सालाना 3 करोड़ रुपए मिलते हैं

श्रेयस बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में आते हैं, उन्हें हर साल 3 करोड़ रुपए की सैलरी मिलती है। ऐसे में अगर वह फिट हैं और टीम इंडिया से नहीं खेल रहे हैं तो उन्हें अपनी घरेलू टीम से मुकाबले खेलने ही होंगे। श्रेयस ने फिट होने के बावजूद 16 फरवरी का मुकाबला नहीं खेला। अब वह चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से बाहर ही हो गए।

स्पिन की मददगार पिच से रांची में मुकाबला बराबरी का होगा: पोप

रांची (एजेंसी)। इंग्लैंड के उप-कप्तान ओली पोप ने बुधवार को कहा कि चौथे टेस्ट में 'टर्न' लेती पिच से उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुकाबले में शुरू से ही स्पिनरों को मदद मिलने से मुकाबला बराबरी का हो जायेगा। हैदराबाद, विशाखापत्तनम और राजकोट में सभी टेस्ट में 'स्पोर्टिंग पिच' जिसमें स्पिनरों और तेज गेंदबाजों तथा बल्लेबाजों को मदद मिले) थीं जो मुख्य रूप से स्पिनरों के लिए मुफीद नहीं थी बल्कि इसमें सभी के लिए कुछ न कुछ मौजूद था।

पोप ने कहा, 'अगर यह पहली गेंद से स्पिन होती है तो इससे टॉस की भूमिका महत्वहीन हो जाएगी। इससे मैदान पर बराबरी की टक्कर होगी। उन्होंने कहा, 'काफी दफा शुरू में विकेट सपाट होता है लेकिन फिर यह खराब होने लगता है। हमने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहला टेस्ट जीता। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पिछले दो टेस्ट जीते। अगर आप थोड़े सपाट विकेट पर पहले बल्लेबाजी करते हैं तो इससे नतीजा तय नहीं होता लेकिन इससे आपको फायदा मिलता है।

हैदराबाद में इंग्लैंड के नायकों में एक पोप को लगता है कि जिस विकेट

पर अच्छा टर्न मिलेगा, इससे उन्हें विकेट झटकने के विकल्प मिल जायेंगे। उन्होंने कहा, 'हम जैसी उम्मीद लगाये हैं, अगर यह थोड़ा इसी तरह बर्ताव करेगा तो हमारा मैच में पलड़ा भारी हो जायेगा। हमारे पास कुछ युवा स्पिनर हैं, उन्होंने कुछ अच्छी पिचों पर अच्छी गेंदबाजी की है। इससे निश्चित रूप से हमें विकेट झटकने के मौके मिलेंगे। उन्होंने स्पाट पिच पर भी अच्छा काम किया है।

पोप ने भारतीय स्पिनरों के असर को कम करने के लिए स्वीप शॉट का सहारा लिया था और 196 रन की पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा, 'अगर पिच स्पिन करेगी तो हमें और अधिक स्वीप शॉट और नये तरह के शॉट देखने को मिलेंगे। हमने महसूस किया कि जडेजा, अश्विन और कुलदीप स्पिन लेती पिचों पर किस तरह का खतरा पैदा कर सकते हैं। पोप ने कहा, 'हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रयास उन्हें दबाव में बनाये रखना होगा जैसा हमने हैदराबाद में दूसरी पारी में किया था। अगर पिच वैसे ही स्पिन करती है तो टेस्ट से पहले हमारा काफी मनोबल बढ़ा होगा।

भारत ने जसप्रीत बुमराह को आराम देने का फैसला किया है तो पोप को लगता है कि मेजबान टीम अक्षर पटेल के रूप में चौथा स्पिनर उतार सकती है। उन्होंने कहा, 'भारत चौथे स्पिनर को लायेगा, जब वे विकेट देखेंगे और आज दोपहर इस पर ट्रेनिंग करेंगे तभी हमें पता चलेगा कि वे क्या करते हैं। वे पिच से क्या चाहते हैं, वे कुछ घास रखे रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'उन्होंने पिच पर इतना पानी दिया है कि हमें संभवत: भारत से अतिरिक्त स्पिनर की उम्मीद है। जसप्रीत नहीं है तो अक्षर पटेल निश्चित रूप से उनका विकल्प होगा।

इयो कार्लोविच ने आधिकारिक रूप से संन्यास की घोषणा की

जगरेब (क्रोएशिया) (एजेंसी)। इयो कार्लोविच ने ढाई वर्ष से कोई टूर्नामेंट नहीं खेलने के बाद बुधवार को आधिकारिक रूप से टेनिस से अपने संन्यास की घोषणा की। क्रोएशिया के इस ऊंची कद काठी के खिलाड़ी ने 'एक्स' पर लिखा, 'टेनिस खिलाड़ी के तौर पर मेरा करियर काफी संतोषजनक, अपरंपरागत और लंबा रहा है। कार्लोविच अगले हफ्ते 45 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने अक्टूबर 2021 में कैलिफोर्निया में इंडियन वेल्स में दूसरे दौर में अपना अंतिम एटीपी मैच खेला था जिसमें वह हार गये थे। उनका अंतिम ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट मैच इससे छह हफ्ते पहले अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार था।

कार्लोविच ने 25 साल के करियर में आठ एकल खिताब जीते, 371 जीत हासिल की और उन्हें 346 मैच में हार मिली। उनकी एकल में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 14 थी जो उन्होंने अगस्त 2008 में हासल की थी। ग्रैंडस्लैम में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2009 में विम्बलडन में रहा जिसमें वह क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे। उन्होंने 2005 में क्रोएशिया के लिए डेविस कप जीता था जब फाइनल में टीम ने स्लोवाकिया को हराया था और देश का पहला खिताब दिलाया था। छह बार के ग्रैंडस्लैम एकल चैम्पियन बोरिस बेकर ने उन्हें 'एक्स' पर बधाई दी और उनकी सर्व को सर्वश्रेष्ठ करार दिया।

पीएसएल 2024

बाबर आजम ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, ट्वंटी-20 फॉर्मेट में सबसे तेज 10 हजार पूरे

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग के तहत लाहौर के मैदान पर कराची किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम ने 72 रन बनाने के साथ ही ट्वंटी 20 फॉर्मेट का बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। बाबर अब ट्वंटी-20 फॉर्मेट में सबसे तेज 10 हजार पूरे करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने विंडीज दिग्गज क्रिस गेल को पछाड़ा। बाबर ने कराची के खिलाफ तब बड़ी पारी खेली जब उनकी टीम ने 31 गेंदों के अंदर ही तीन विकेट गंवा लिए थे। बाबर ने 51 गेंदों पर 72 रन बनाए और रोवमैन पावेल और आसिफ अली की 23 रनों की पारी की बदौलत अपनी टीम को 154 रन तक पहुंचने में मदद की।

ट्वंटी-20 में सबसे तेज 10 हजार रन
271 पारियां - बाबर आजम, पाकिस्तान
285 पारियां - क्रिस गेल, विंडीज
299 पारियां -विराट कोहली, भारत
303 पारियां - डेविड वार्नर, ऑस्ट्रेलिया
327 पारियां - एरोन फिंच, ऑस्ट्रेलिया
350 पारियां - जोस बटलर, इंग्लैंड

पीएसएल में भी लीडिंग स्कोरर बने
140 रन बाबर आजम, पेशावर जाल्मी
137 रन रिजा हेंड्रिक्स, मुलतान सुलतान
119 रन साहिबजादा फरहान, लाहौर कलंदर्स
116 रन सलमान अली आघा, इस्लामाबाद यूनाइटेड

114 रन सऊद शकील, क्वेटा ग्लेडिएटर्स - मुकाबले की बात करें तो पेशावर जाल्मी की शुरूआत खराब रही थी। ओपनर सैम अयूब पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद मोहम्मद हैरिस

6 तो टॉम कोहलर 2 रन बनाकर आऊट हो गए। बाबर ने रोवमैन पावेल (39) और आसिफ अली (23) के साथ पारी आगे बढ़ाई। बाबर 51 गेंदों पर 72 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन टीम को 154 रन तक पहुंचा दिया। कराची किंग्स की ओर से मीर हमजा ने 28 रन देकर 3, हसन अली ने 30 रन देकर 3 तो डेनियल सेम्स ने 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11
कराची किंग्स शान मसूद (कप्तान), मुहम्मद अखलाक (विकेटकीपर), जेम्स विंस, शोएब मलिक, कीरोन पोलार्ड, मोहम्मद नवाज, इरफान खान, डेनियल सैम्स, हसन अली, तबरेज शम्सी, मीर हमजा

पेशावर जाल्मी सईम अयूब, बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), टॉम कोहलर-कैडमोर, रोवमैन पॉवेल, आसिफ अली, आमेर जमाल, ल्यूक वुड, मोहम्मद जीशान, वकार सलामखिल, सलमान इरशाद